दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 02 रायपुर, शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 भारत के विकास का ...

नए साल में 'द लैक गोल्ड'... 8

सूचना - जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमिपूजन वर्ष 2026 की शुभ शुरूआत

छत्तीसगढ़ की प्राचीन धरोहर को मिलेगी नई पहचान : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को कबीरधाम ज़िले के भोरमदेव धाम में आयोजित कार्यक्रम में भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने नववर्ष 2026 की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नए वर्ष की शुरुआत ऐसे ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कार्य से होना छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य की बात है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव कॉरिडोर विकास परियोजना का भूमिपूजन किया जा रहा है। यह परियोजना लगभग 146 करोड़ रुपये की लागत से वाराणसी के काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तर्ज पर विकसित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भोरमदेव की महत्ता को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस पहल के लिए केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक सौंदर्य के मध्य स्थित भोरमदेव मंदिर, मड़वा महल और छेरकी महल ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व रखते हैं। मंदिर की दीवारों पर उत्कीर्ण भव्य शिल्पाकृतियाँ खजुराहो की कला से तुलना योग्य हैं। नागवंशी शासनकाल में निर्मित नागर शैली की यह अद्वितीय वास्तुकला अपने आप में अद्भुत है। यह स्थल न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि क्षेत्रीय इतिहास, कला और सामाजिक जीवन का सशक्त साक्ष्य भी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महाशिवरात्रि पर यह स्थान प्रमुख तीर्थ के रूप में हजारों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है, जहाँ आदिवासी परंपराओं और शैव प्रथाओं का अनोखा संगम दिखाई देता है। मड़वा महल, जिसका संबंध विवाह मंडप से माना जाता है, तथा छेरकी महल की दीवारों पर अंकित वन और नदी से जुड़ी आकृतियाँ प्रकृति–निष्ठ जीवनदर्शन को दर्शाती हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि सुशासन का प्रभाव आज देश–दुनिया में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है। सड़कों, पुल–पुलियों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ–साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जल, बिजली, बैंक खाता और रोजगार जैसी सुविधाएं गरीबों के घर–घर तक पहुंच रही हैं।

भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : शेखावत

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भोरमदेव महोत्सव स्थल पर कॉरिडोर के भूमिपूजन के बाद सभा को संबोधित करते हुए कबीरधाम जिले सहित पूरे प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है और आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश के नागरिकों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों ने देश की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है।

गुवाहाटी-कोलकाता के बीच चलेगी पहली 'वंदे भारत' स्लीपर ट्रेन, पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

एजेंसी, नई दिल्ली

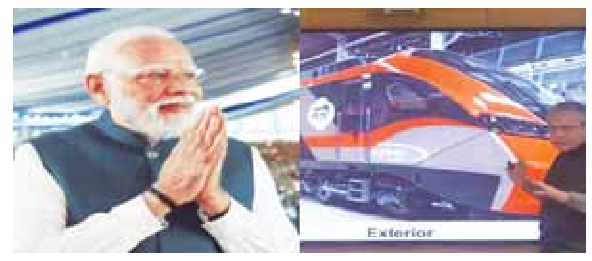

देश की पहली पहली 'वंदे भारत' स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले दिनों में इस रूट पर स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। उम्मीद है कि इसका उद्घाटन अगले 15–20 दिनों में यानी 17 या 18 जनवरी के आसपास होगा।

जानकारी के मुताबिक, गुवाहाटी से हावड़ा (कोलकाता) तक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया 3AC के लिए लगभग 2,300 रुपये (खाने सहित) होगा। जबकि 2AC का किराया लगभग 3,000 रुपये और फर्स्ट AC का किराया 3,600 रुपये होगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नए साल के मौके पर गुरुवार (1 जनवरी) को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही बंगाल और असम के बीच चलने वाली भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। वैष्णव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के हावड़ा और असम के गुवाहाटी के बीच चलने वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का किराया हवाई यात्रा की तुलना में काफी कम होगा।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पूरी टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन पूरा हो गया है। इसका पहला रूट गुवाहाटी–कोलकाता प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले दिनों में इस रूट पर पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह उपलब्धि एक बड़ा मील का पत्थर है... वंदे भारत स्लीपर ट्रेन यात्रियों को लंबी दूरी की रात भर की यात्राओं पर विश्व स्तरीय सुविधाएं, सुरक्षा और एक आधुनिक यात्रा अनुभव प्रदान करेगी।

रेल मंत्री ने आगे कहा, ये सेवाएं अगले 15–20 दिनों में संभवत: 18 या 19 जनवरी के आसपास शुरू हो जाएंगी। हमने प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया है और सब कुछ स्पष्ट है। मैं अगले दो–तीन दिनों में तारीख की घोषणा करूंगा। वैष्णव ने बताया कि गुवाहाटी–हावड़ा हवाई यात्रा का किराया लगभग 6,000 से 8,000 रुपये है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्वोत्तर की कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा।

नये साल में FASTag के बदले नियम

एजेंसी, नई दिल्ली

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने 1 फरवरी, 2026 से सभी नई कार, जीप और वैन के FASTag जारी करने के लिए अनिवार्य Know Your Vehicle (KYV) प्रोसेस को बंद करने का फैसला किया है, ताकि लोगों की सुविधा बढ़ाई जा सके और हाईवे इस्तेमाल करने वालों को एक्टिवेशन के बाद होने वाली परेशानी खत्म हो सके।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यह सुधार लाखों आम सड़क उपयोगकर्ताओं को बड़ी राहत देगा, जिन्हें वैलिड गाड़ी के डॉक्यूमेंट होने के बावजूद FASTag एक्टिवेशन के बाद KYV की जरूरतों के कारण असुविधा और देरी का सामना करना पड़ रहा था।

कारों के लिए पहले से जारी मौजूदा FASTag के लिए, KYV अब रूटीन जरूरत के तौर पर जरूरी नहीं होगा। यह सिर्फ खास मामलों में जरूरी होगा, जहां शिकायतें मिलती हैं, जैसे कि लूज FASTag, गलत तरीके से जारी होने या गलत इस्तेमाल से जुड़ी समस्याएं। किसी भी शिकायत के न होने पर मौजूदा कार FASTag के लिए किसी KYV की जरूरत नहीं होगी।

संशोधित नियमों के अनुसार, FASTag एक्टिवेशन की अनुमति तभी दी जाएगी जब VAHAN डेटाबेस से गाड़ी की डिटेल्स वेरिफाई हो जाएंगी। एक्टिवेशन के बाद वेरिफिकेशन की पहले वाली व्यवस्था बंद कर दी गई है। जहां VAHAN पर गाड़ी की डिटेल्स उपलब्ध नहीं हैं, वहां जारी करने वाले बैंकों को एक्टिवेशन से पहले रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट का इस्तेमाल करके डिटेल्स वेरिफाई करनी होंगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी उनकी होगी।

गिद्ध संरक्षण में छत्तीसगढ़ की नई उड़ान

इंद्रावती टाइगर रिजर्व बना देश का मॉडल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के इंद्रावती टाइगर रिजर्व ने गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में देशभर के लिए एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। मध्य भारत के सबसे स्वच्छ नदी–वन पारिस्थितिकी तंत्रों में शामिल यह रिजर्व अब केवल बाघों और जंगली भैंसों का ही नहीं, बल्कि विलुप्तप्राय गिद्धों के संरक्षण का भी एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है।

गिद्ध पर्यावरण के 'सफाईकर्मी' हैं और इनके बिना बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार इंद्रावती के टाइगर रिजर्व क्षेत्र में गिद्धों सुरक्षित क्षेत्रों (Vulture Safe Zones) का निर्माण कर इनकी घटती आबादी को बचाना और बढ़ाना है, क्योंकि गिद्ध पर्यावरण के 'सफाईकर्मी' हैं और इनके बिना बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है द्य गिद्धों के अस्तित्व पर जहरीली दवाओं (NSAID), असुरक्षित शव निपटान और मानव हस्तक्षेप जैसे गंभीर खतरे मंडरा रहे हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए इंद्रावती टाइगर रिजर्व में उपग्रह (सैटेलाइट) टेलीमेट्री आधारित निगरानी कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

गिद्ध लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में रहते हैं सक्रिय

छत्तीसगढ़ में यह अपनी तरह का पहला प्रयास है, जिसमें उच्च–रिज़ॉल्यूशन गिद्ध गतिविधि डेटा का उपयोग संरक्षण कार्यों की दिशा तय करने के लिए किया जा रहा है। अब तक के आंकड़ों से पता चला है कि गिद्ध लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सक्रिय रहते हैं और घने जंगलों व मानव बस्तियों के बीच लगातार आवाजाही करते हैं।

वन्यजीव प्रबंधन को मिली नई वैज्ञानिक दिशा

गौरतलब है कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की गई हैं। राज्य में पहली बार दो गिद्धों की सैटेलाइट ट्रैकिंग के माध्यम से 18,000 से अधिक उच्च गुणवत्ता वाले GPS डेटा पॉइंट्स प्राप्त किए गए हैं, जिससे वन्यजीव प्रबंधन को नई वैज्ञानिक दिशा मिली है। इस सफलता में क्षेत्रीय जीवविज्ञानी सूरज कुमार के नेतृत्व में 'गिद्ध मित्र दल' (गिद्ध संरक्षण स्वयंसेवक दल) की अहम भूमिका रही है। यह दल घोंसलों की निगरानी, शवों के सुरक्षित प्रबंधन और स्थानीय समुदायों को संरक्षण से जोड़ने का कार्य कर रहा है। इसी सामुदायिक सहयोग का परिणाम है कि 'गुड्डा सारी गुट्टा' जैसे दुर्गम क्षेत्रों में पहली बार निर्बाध प्रजनन सुनिश्चित हो सका है।

वुल्चर रेस्टोरेंट की स्थापना

संरक्षण प्रयासों के तहत उप–निदेशक श्री संदीप बलागा के पर्यवेक्षण में वुल्चर रेस्टोरेंट की स्थापना भी की गई है। यह नियंत्रित भोजन स्थल हैं, जहां केवल पशु चिकित्सा परीक्षण के बाद NSAID–मुक्त शव ही रखे जाते हैं। इससे गिद्धों को सुरक्षित भोजन मिल रहा है। साथ ही ये केंद्र सामुदायिक शिक्षा के केंद्र के रूप में भी कार्य कर रहे हैं, जहां स्कूलों और स्थानीय युवाओं को पारिस्थितिकी तंत्र में गिद्धों के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है।

गिद्ध सुरक्षित क्षेत्र (Vulture Safe Zone) की स्थापना

भविष्य की रणनीति के तहत कार्यक्रम के तीसरे चरण का नेतृत्व भी उप–निदेशक संदीप बलागा करेंगे। इस चरण में तीन अतिरिक्त गिद्धों की सैटेलाइट टैगिंग, 50 से अधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, पंचायतों की भागीदारी से 100 किलोमीटर क्षेत्र में गिद्ध सुरक्षित क्षेत्र की स्थापना तथा छत्तीसगढ़ की पहली गिद्ध पुनर्वास कार्ययोजना के प्रकाशन का लक्ष्य रखा गया है द्य तकनीक, पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक सहभागिता को एक सूत्र में पिरोते हुए इंद्रावती टाइगर रिजर्व यह संदेश दे रहा है कि दूरदर्शी नेतृत्व में जंगल और लोग साथ–साथ आगे बढ़ सकते हैं।

चेम्बर ने लक्ष्मी साहू को बनाया बलौदाबाजार इकाई का अध्यक्ष

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने प्रदेश के समस्त औद्योगिक एवं व्यापारी बंधुओं सहित आमजनों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने प्रदेश के व्यापारिक जगत की खुशहाली और सभी व्यवसायियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है।

नए वर्ष की उत्साहपूर्ण शुरुआत करते हुए, चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री थौरानी ने छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। चेम्बर की नवीन इकाई का गठन करते हुए श्री लक्ष्मी साहू (मेसर्स लक्ष्मी हार्डवेयर एंड मशीनरी, बलौदाबाजार) को बलौदाबाजार इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

लक्ष्मी साहू की नियुक्ति पर बधाई देते हुए सतीश थौरानी ने कहा कि नवीन वर्ष की यह शुरुआत हमारे संगठन के लिए अत्यंत शुभ है। श्री लक्ष्मी साहू एक कर्मठ व्यवसायी हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि उनके नेतृत्व में बलौदाबाजार इकाई स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं के निराकरण और व्यापार के संवर्धन में मील का पत्थर साबित होगी। यह नया साल हमारे प्रदेश के व्यापार और समृद्धि के लिए प्रगतिशील सिद्ध हो, ऐसी हम मंगल कामना करते हैं।

इस नियुक्ति से बलौदाबाजार के व्यापारी वर्ग में हर्ष व्याप्त है। चेम्बर के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आशा व्यक्त की है कि नई इकाई के गठन से जिले के औद्योगिक और व्यावसायिक विकास को एक नई दिशा मिलेगी।

जेपी नड्डा ने ई-बिल प्रणाली का किया उद्घाटन

2 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी की प्रक्रिया होगी आसान

एजेंसी, नई दिल्ली

मोदी सरकार के 'डिजिटल इंडिया' के विजन और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य के तहत उर्वरक विभाग ने डिजिटल शासन और वित्तीय सुधारों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार(01 जनवरी) को नई दिल्ली के कर्तव्य भवन में ई–बिल प्रणाली का उद्घाटन किया, जिससे सरकार लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की उर्वरक सब्सिडी की प्रक्रिया कर सकेगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह सिस्टम मैनुअल, कागजी प्रक्रियाओं से पूरी तरह से डिजिटल वर्कफ्लो की ओर एक बदलाव है, जिससे बिलों की फिजिकल आवाजाही खत्म हो जाएगी। नड्डा ने उद्घाटन कार्यक्रम में कहा, यह ऑनलाइन सिस्टम पारदर्शी, कुशल और टेक्नोलॉजी–आधारित गवर्नेंस को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं उर्वरक सचिव रजत कुमार मिश्रा ने इस लॉन्च को विभाग के वित्तीय संचालन के आधुनिकीकरण में एक बड़ा मील का पत्थर बताया।

यह पहल उर्वरक विभाग के इंटीग्रेटेड फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (IFMS) और वित्त मंत्रालय के कंट्रोलर जनरल ऑफ अकाउंट्स (CGA) के पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम (PFMS) के बीच एक तकनीकी साझेदारी का नतीजा है। CGA संतोष कुमार ने कहा कि यह बदलाव सभी वित्तीय लेनदेन के लिए एक केंद्रीकृत और छेड़छाड़–प्रूफ डिजिटल ऑडिट ट्रेल बनाकर पारदर्शिता और जवाबदेही को काफी बढ़ाता है, जिससे आसान निगरानी और ऑडिट की सुविधा मिलती है।

फरवरी में छत्तीसगढ़ में होगा आयोजन... देशभर के जनजातीय खिलाड़ी 7 खेलों में दिखाएंगे अपनी प्रतिभा

उप मुख्यमंत्री साव ने खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के लिए मशाल गौरव यात्रा को दिखाई हरी झंडी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के प्रचार–प्रसार के लिए मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के प्रचार–प्रसार के लिए यह वाहन राज्य के सभी जिलों में जाएगी। आयोजन के शुभंकर मोरवीर, थीम–सांग और मशाल के साथ प्रदेशभर में घूम–घूमकर यह लोगों को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की जानकारी देगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय से मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को मिली है। उन्होंने इसके लिए भारत सरकार तथा केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अगले माह फरवरी में होने वाले इस आयोजन के बारे में लोगों को जानकारी देने आज मशाल गौरव यात्रा को रवाना किया गया है।

खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में सात खेलों को शामिल किया गया है। इनमें हॉकी, फुटबॉल, तीरंदाजी, तैराकी, कुश्ती, एथलेटिक्स और वेट–लिफ्टिंग शामिल हैं। इन खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भागीदारी करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए आगामी 7 जनवरी और 8 जनवरी को ट्रायल का आयोजन किया गया है। बिलासपुर स्थित स्वर्गीय बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में तीरंदाजी, तैराकी और एथलेटिक्स के लिए ट्रायल प्रक्रिया आयोजित की गई है। वहीं हॉकी, फुटबॉल, कुश्ती और वेट–लिफ्टिंग के लिए ट्रायल रायपुर के स्वामी विवेकानन्द स्टेडियम कोटा में होंगे। उप मुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाए जाने के दौरान खेल एवं युवा कल्याण विभाग की उप संचालक रश्मि ठाकुर और अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) फोन नं. 0771–4903223
email ID-eocghbzone02@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत खम्हारडी रायपुर जिला–रायपुर में स्थित एल.आई.जी भवन/फ्लैट क्रमांक 347/15, श्री थलेश्वर प्रसाद साहू पिता श्री नारायण प्रसाद साहू के नाम से एकमुश्त/स्ववित्तिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक 29.05.2009 पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर दिनांक 23.09.2010 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है वर्तमान मे आबंटी श्री थलेश्वर प्रसाद साहू पिता श्री नारायण प्रसाद साहू निवासी– मकान नं.–15/347 हाउसिंग बोर्ड कालोनी कचना रोड खम्हारडी रायपुर, जिला–रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्री जयराम किशन जैन पिता श्री पारस चंद जैन निवासी स्ट्रीट नं. एच 36 रिलायंश टावर के पास आदर्श नगर रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–02, रायपुर

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र –02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है, कि दीनदयाल आवास योजनांतर्गत परसुलीडीह रायपुर, स्थित भवन क्रमांक ई.डब्लू.एस. 157 श्री संजय कुमार पटेल पिता स्व.श्री माखन लाल पटेल के नाम से स्व–वित्तीय आधार पर आबंटीत किया गया। आबंटी द्वारा दिनांक 10.01.2018 को लीजडीड पंजीकृत कर, पूर्ण मूल्य जमा कर इस कार्यालय के पत्र क्रंमाक 123 दिनांक 23.01.2018 के माध्यम से आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया गया। वर्तमान में आबंटी श्री संजय कुमार पटेल पिता स्व. श्री माखन लाल पटेल निवासी मकान न. 16/1 पटेल पारा, ग्राम गनौद तहसील आरंग जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्री शेखर कुमार दिवाकर पिता श्री शम्भू दिवाकर निवासी वार्ड नं. 12 खम्हरिया, मरदा बलौदा बाजार (छ.ग.) को विक्रय करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्धशासकीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–02, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र. 1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
Email ID –rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./27017/न.पा.नि./
जोन क्र.– 1/2026
रायपुर, दिनांक 01.01.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 27017
वार्ड का नाम – 15– कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108D00046** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJU SINGH** पिता/पति श्री/श्रीमती **PEER SINGH PUROHIT** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **SMT. REKHA MAHESHWARI** पिता /पति श्री/श्रीमती **W/O DINESH MAHESHWARI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 1
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID –rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./27070/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2025
रायपुर, दिनांक 01.01.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 27070
वार्ड का नाम – 42– महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 42 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR565C00022** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **TUKARAM** पिता/पति श्री/श्रीमती **TULSI BAI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **BHARTI RAGHATATE** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. YOGESH RAGHATATE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. 5)
ईदगाह भाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID –rmczone5@gmail.com

पत्र क्र./27071/न.पा.नि./
जोन क्र.– 5/2025
रायपुर, दिनांक 01.01.2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र. क्र. 27071
वार्ड का नाम – 42– महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 42 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR561B00077** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. KIRAN BALA SHRIVASTAVA W/O LATE. ANIL, 2. NUTAN SHRIVASTAVA W/O PRAMOD KUMAR** पिता/पति श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज है जिसको श्री/ श्रीमती **UMA SHRIVASTAVA** पिता/पति श्री/श्रीमती **ANAND KUMAR SHRIVASTAVA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह. पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख/वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/ प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात् प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 27025/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27025
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328W00253** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **INDERMANI MINERAL INDIA PVT. LTD. DWARA SATYANARAYAN YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **HARI NARAYAN YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. आनंद शंकर 2. नीति किरण पिता/पति श्री/श्रीमती 1. हृदया नन्द सिंह 2. आनंद शंकर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26993/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26993
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328W00226** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ASHOKA PRITWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. SHRICHAND PRITWANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. कपिल कामरा 2. ज्योति कामरा पिता/पति श्री/श्रीमती 1. हरेश कुमार कामरा 2. कपिल कामरा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26916/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26916
वार्ड का नाम - 7 - कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226A00234** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AKASH NAMDEV** पिता/पति श्री/श्रीमती **LATE. RAJESH NAMDEV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. मुस्कान नामदेव 2. आदित्य नामदेव पिता/पति श्री/श्रीमती 1. स्व. आकाश नामदेव ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **B-1, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद, विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कलेक्टर वसंत ने शासकीय बौद्धिक मंदता विद्यालय में बच्चों के साथ मनाया नव वर्ष

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने वर्ष का पहला दिन शासकीय बौद्धिक मंदता विद्यालय में बच्चों के साथ मनाया। उन्होंने गुरुवार को अम्बिकापुर में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित शासकीय बौद्धिक मंदता बालिकाओं के विशेष विद्यालय पहुंचकर बच्चों से मुलाकात की तथा कुशलक्षेम जाना। कलेक्टर श्री वसंत ने विद्यालय में क्लास रूम, शयन कक्ष, रसोई का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को बच्चों का समय–समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराने, मेन्यू अनुसार गुणवत्ता युक्त भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने निर्देशित किया। उन्होंने स्थापना, बजट, स्टाफ की उपलब्धता, शासन द्वारा मिलने वाली सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, बच्चों को आत्मनिर्भर बनाएं ताकि वो अपने दैनिक कार्य स्वयं कर सकने में सक्षम हों। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि आवासीय विद्यालय में 50 की क्षमता है, वर्तमान में 24 बच्चियां हैं।कलेक्टर श्री वसंत ने समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक को निर्देशित किया कि जिले के अन्य दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें विद्यालय भेजने प्रेरित करें। उन्होंने विद्यालय में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने उप संचालक समाज कल्याण को निर्देशित किया।

फसल चक्र परिवर्तन एवं मृदा स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी। धमतरी जिले में फ़सलचक्र परिवर्तन केतहत किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजनाअंतर्गत कुरूद के गातापार में किसानों soil health card का वितरण सरपंच, पंच, सचिव की उपस्थिति में किया गया । मृदा स्वास्थ्य कार्ड का उपयोग कर मृदा में फ्सल अनुसार संतुलित मात्रा में खाद उर्वरकों का उपयोग कर मृदा की स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बनाया जा सकता हैं और कम उर्वरकों के उपयोग से फ्सल उत्पादन को कैसे बढ़ाया जा सकता है साथ ही रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को कैसे कम किया जा सकता हैं इसके बारे में किसानों को जानकारी दिया गया। फ्सल चक्र परिवर्तन से मृदा में होना वाले सुधार के बारे में किसानों को जानकारी देते हुए फ्सल चक्र अपनाने हेतु किसानों को प्रेरित किया गया। धरती माता बचाव अभियान के तहत ग्राम भेंड़ा में कृषकों को जानकारी दिया गया।प्रधानमंत्री मृदा स्वास्थ्य परीक्षण कार्ड योजना के अंतर्गत प्रदर्शन में कृषकों को जिंक सल्फेट माइकोर्रहिज़ा एवं माइक्रोन्यूट्रिएंट का वितरण किया गया एवं मृदा स्वास्थ्य को अच्छा रखने के लिए कृषकों को नाइट्रोजन जिंक, पोटाश एवं अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों का जानकारी दिया गया।

माध्यमिक शाला पतरापाली में ग्रीटिंग कार्ड बनाओ प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

रामानुजनगर नववर्ष के पावन अवसर पर माध्यमिक शाला पतरापाली, विकासखंड रामानुजनगर में माँ सरस्वती का विधिवत पूजन कर शैक्षणिक गतिविधियों की शुभ शुरुआत की गई। पूजा–अर्चना के पश्चात विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, श्रद्धा और संकल्प के साथ अपने अध्यापन कार्य प्रारंभ किया। इस अवसर पर शिक्षकों द्वारा बच्चों को ज्ञान, संस्कार, अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के महत्व के बारे में प्रेरक संदेश दिए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय में अध्ययनरत पाँच विद्यार्थियों का जन्मदिन भी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बच्चों ने मिलकर केक काटा एवं एक–दूसरे को नववर्ष एवं जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं, जिससे विद्यालय परिसर में आनंदमय और आत्मीय वातावरण निर्मित हुआ। नववर्ष के उपलक्ष्य में विद्यालय में पूड़ी एवं छोला का विशेष व्यंजन तैयार किया गया, जिसे सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक ग्रहण किया। इस सामूहिक भोज से बच्चों में आपसी प्रेम, सहयोग एवं सहभागिता की भावना को बढ़ावा मिला।

इसी क्रम में नववर्ष को और अधिक रचनात्मक बनाने के उद्देश्य से ग्रीटिंग कार्ड बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 16 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपनी कल्पनाशीलता, रंग संयोजन एवं नववर्ष संदेशों के माध्यम से आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड तैयार किए। निर्णायक मंडल द्वारा किए गए मूल्यांकन के पश्चात प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महिमा, द्वितीय स्थान महेश्वरी, तृतीय स्थान रूपा यादव को प्राप्त हुआ। विजेता छात्राओं को विद्यालय की ओर से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 27024/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27024
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328W00286** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **INDERMANI MINERAL INDIA PVT. LTD. DWARA - SATYANARAYAN YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **HARINARAYAN YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती निकिता घन्शयानी पिता/पति श्री/श्रीमती जितेश घन्शयानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26980/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26980
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328M00098** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRASHANT KAMDEV NANDESHWAR** पिता/पति श्री/श्रीमती **KAMDEV LAXMAN NANDESHWAR** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती प्रदीप मिश्रा पिता/पति श्री/श्रीमती राम भुवन मिश्रा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 27027/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27027
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328W00251** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **INDERMANI MINERAL INDIA PVT. LTD. DWARA-SATYANARAYAN YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **HARI NARAYAN YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती मनीष कुमार पिता/पति श्री/श्रीमती नवल किशोर सिंह ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26921/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26921
वार्ड का नाम - 11 - डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227J00127** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHITAL AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **MANOJ AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती शारदा धानुका पिता/पति श्री/श्रीमती प्रमोद धानुका ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 26985/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 26985
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328M00226** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BADRI PRASAD RATHORE , PANKAJ RARHORE** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. CHANDRASEN , BADRI PRASAD RATHORE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती सौम्या गुप्ता पिता/पति श्री/श्रीमती मनीष कुमार वासुदेव ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, टैक्स रसीद, पूर्व विक्रय विलेख दस्तावेज**/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 27023/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2025
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27023
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328W00247** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **INDERMANI MINERAL INDIA PVT. LTD. DWARA SATYANARAYAN YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **HARI NARAYAN YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. मोनिका सागर 2. नितिन सागर पिता/पति श्री/श्रीमती 1. नितिन सागर 2. डी.आर. सागर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 27026/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 01/01/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27026
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328W00277** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **INDERMANI MINERAL INDIA PVT. LTD. DWARA - SATYANARAYAN YADAV** पिता/पति श्री/श्रीमती **HARI NARAYAN YADAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. रोहित प्रकाश 2. रूचिका पिता/पति श्री/श्रीमती 1. ओम प्रकाश 2. रोहित प्रकाश ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
ई–मेलः– rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं. / 27048/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 9/2026
रायपुर दिनांक 31/12/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27048
वार्ड का नाम - 32 - महर्षि वाल्मीकि वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 32 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328P00288** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KUMKUM JOSHI** पिता/पति श्री/श्रीमती **PRAMOD JOSHI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती अनिल कुमार अग्रवाल पिता/पति श्री/श्रीमती स्व. श्याम सुंदर अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र.9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तिहार//

क्रमांक/क/बी–121/2024–2025
रायपुर, दिनाक 26/12/2025
ग्राम – रायपुर
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एलद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है. कि आवेदक/आवेदक के.कांता लक्ष्मी पिता– स्व. के कृष्णाराव, द्वारा इस न्यायालय मृत्यु प्रमाण–पत्र बाबत् आवेदन पत्र पेश कर उल्लेख किया है, आवेदक के पति स्व. के. कृष्णा राव, पिता के जगन्नाथ की मृत्यु दिनांक 13.01.1995 को घर/हॉस्पिटल काशीराम नगर रायपुर में हो चुकी है। उनके मृत्यु उपरांत आवेदक द्वारा निवेदन किया गया है।

अत आवेदक द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण–पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 08/01/2025 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दाया/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

मुहर — तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी रायपुर (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ता अमित खुरा पिता प्रभु खुरा निवासी– जलविहार कालोनी श्याम नगर टेरिसा वार्ड न. 43 तेलीबांधा रायपुर छ.ग. का निवासी हूँ जो कि निम्न कथन शपथपूर्वक करता हूँ कि :–

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2– यह कि मेरी पुत्री अंकिता खुरा पिता अमित खुरा का जन्म दिनांक 01/01/2010 को बाखरू नर्सिंग होम में हो चुका है जिसमे मेरी पुत्री का नाम अंकित खुरा के नाम से दर्ज अंकित है जो कि त्रुटिवश गलत है।

3. यह कि मैं अपनी पुत्री का नाम अंकिता खुरा के नाम संशोधन कर अराध्या खुरा करवाना चाहता है जिसके समर्थन में यह शपथपत्र महोदय के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन :–

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ कि कंडिका 01 से 03 तक की समस्त बाते मेरे ज्ञान अनुसार सत्य व सही है।

शपथकर्ता
अमित खुरा

शपथ पत्र

मै शपथकर्ती माधुरी साहू पिता शिव कुमार साहू, निवासी– पहाड़ी चौक, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.) निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं :–

1. यह कि, मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार सत्य एवं सही है।

2. यह कि, मेरा जन्म दिनांक – 21/01/1996 को स्थान– पहाड़ी चौक, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.) में घर पर हुआ, मेरा जन्म प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण संख्या– 1168, एवं रजिस्ट्रीकरण दिनांक– 20/02/1996 है।

3. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में मेरी जन्म तिथि – 24/01/1996 दर्ज है, जो कि त्रुटिवश गलत दर्ज है।

4. यह कि, मेरी सही जन्म तिथि – 21/01/1996 है, जो कि सत्य एंव सही है, मेरी यह सही जन्म तिथि मेरी कक्षा –पहली से बारहवीं तक की अंकसूचीयों में भी दर्ज है।

5. यह कि, उक्त जन्म प्रमाण पत्र में दर्ज मेरी गलत जन्म तिथि– 24/01/1996 को सुधारकर सही जन्म तिथि– 21/01/1996 को दर्ज किये जाने के समर्थन में माननीय महोदय के समक्ष शपथ पत्र के माध्यम से कथन किया जा रहा है, मेरे द्वारा जन्मतिथि को सुधार किये जाने संबंधी भविष्य में किसी भी प्रकार की वाद–विवाद की स्थिति में मैं स्वयं जवाबदारी रहूंगी।

सत्यापनः–

मै शपथकर्ती यह सत्यापित करती हूँ कि उपरोक्त शपथपत्र की कंडिका क्रमांक 1 से 5 तक में वर्णित सभी तथ्य सही एवं सत्य है अतः मैने आज दिनांक को स्वयं के हस्ताक्षर कर स्थान रायपुर में सत्यापित कर दिया।

दिनांक : 01.01.2026

शपथकर्ती
माधुरी साहू

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, मनेन्द्रगढ़, जिला-एम.सी.बी. (छ.ग.)

ई–प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 182425 निविदा सूचना क्र. 08/वलेलि/2025–26,
दिनांक 29.12.2025

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 19.01.2026, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैः–

कार्य का नाम : मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर जिले के विकासखण्ड–खड़गवां की खड़गवां जलाशय योजना के नहर का जीर्णोद्धार कार्य।

अनुमानित लागत : रु. 157.91 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई–प्रोक्योरमेंट वेब साइट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर दिनांक 05.01.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड किये जा सकते है।

नोट : 1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई–प्रोक्योरमेंट वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

2. निविदा की अनुमानित लागत एस.ओ.आर. दिनांक 01.05.2025 एवं दिनांक 08.08.2025 के जारी संशोधन के अनुसार है।

3. निविदाकार द्वारा अपने वित्तीय प्रस्ताव में जी.एस.टी. सहित निविदा भरा जाना है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, मनेन्द्रगढ़,
जिला–एम.सी.बी. (छ.ग.)
कृते अधीक्षण अभियंता श्याम बरनई परियोजना मण्डल, अंबिकापुर (छ.ग.)

G-252605770/7

रायपुर- विशाखापत्तनम पैसेंजर ट्रेन 3 दिन रद्द रहेगी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ईस्ट कोस्ट रेलवे में अपग्रेडेशन कार्य के कारण विशाखापत्तनम - रायपुर- विशाखापत्तनम पैसेंजर ट्रेन 03 दिन रद्द रहेगी एवं दुर्ग - विशाखापट्टनम - दुर्ग वंदे भारत रायगड़ा में समाप्त एवं प्रारंभ होगी

ईस्ट कोस्ट रेलवे के वाल्टेयर मंडल के रायगड़ा - विजयनगरम सेक्शन में अपग्रेडेशन कार्य के कारण कोचिंग ट्रेनों को रद्द करने एवं गंतव्य से पहले समाप्त एवं प्रारंभ का निर्णय लिया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित रद्द रहने वाली कोचिंग ट्रेन का विवरण इस प्रकार है-

ट्रेनों का रद्दीकरण

(1) 58528 विशाखापत्तनम - रायपुर पैसेंजर दिनांक 05,12 एवं 19 जनवरी, 2026 को रद्द रहेगी। (2) 58527 रायपुर-विशाखापत्तनम पैसेंजर दिनांक 05,12 एवं 19 जनवरी,2026 को रद्द रहेगी।

गंतव्य से पहले समाप्त / प्रारंभ होने वाली ट्रेन

(1) 20829 दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत एक्सप्रेस दिनांक 05,12 एवं 19 जनवरी, 2026 को दुर्ग से चलकर रायगड़ा में समाप्त होगी।

(2) 20830 विशाखापट्टनम- दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस दिनांक 05,12 एवं 19 जनवरी, 2026 को विशाखापट्टनम के स्थान पर रायगड़ा से दुर्ग के लिए रवाना होगी।

सुषमा के स्नेहिल सृजन

छंद - मनहरण घनाक्षरी

जगमग ज्योति

अंबर के आँचल में, किरणें
छिटक रही,
रजत समान दृश्य,
शीतलता लाती है।

तारों भरी विभावरी, लगती
है नील परी,
चंद्रमयी रश्मियों-से,
चंद्रिका नहाती है।

जगमग ज्योति झरे, हृदय
आनंद भरे,
'सुषमा' सुहानी आभा,
हृदय लुभाती है।

शशि किरणों के संग, धवल
सुधा के रंग,
सौरभ बिखेरकर,
सुधा छलकाती है।

ज्कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल
रायपुर छ ग

भारत के विकास का ग्रोथ इंजन बना छत्तीसगढ़ गजेंद्र सिंह शेखावत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बोड़ला से भोरमदेव तक सड़क उन्नयन हेतु मुख्यमंत्री ने की घोषणा केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत के विकास का ग्रोथ इंजन छत्तीसगढ़ बनता जा रहा है छत्तीसगढ़ इस संकल्प के साथ में हम सब लोग काम करेंगे ऐसा भरोसा और विश्वास आप सबको दिलाते हुए आप सबको बहुत सारी बधाई देता हूं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सतत आगे बढ़े और छत्तीसगढ़ का पर्यटन विकसित हो छत्तीसगढ़ की संस्कृति सुरक्षित और संरक्षित हो जिससे छत्तीसगढ़ की एक अलग पहचान बने। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अंतर्गत 146 करोड़ रुपये की लागत से भोरमदेव कॉरिडोर निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन सम्पन्न किया गया। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के तहत भोरमदेव मंदिर परिसर से मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुआ एवं सरोदा जलाशय तक एक सुव्यवस्थित एवं समग्र पर्यटन कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। इस कॉरिडोर के निर्माण होने से जिले के प्रमुख धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थलों को एक सशक्त पर्यटन श्रृंखला में जोड़ते हुए भोरमदेव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा। उज्जैन और वाराणसी की तर्ज पर भोरमदेव कॉरिडोर का विकास किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री व कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने नववर्ष के अवसर पर कबीरधाम जिले को बड़ी सौगात दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के आग्रह पर भोरमदेव से बोड़ला तक सड़क चैड़ीकरण एवं नवीनीकरण कार्य की भी घोषणा की।

केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने भोरमदेव महोत्सव स्थल पर कॉरिडोर के भूमिपूजन के बाद सभा को संबोधित करते हुए कबीरधाम जिले सहित पूरे प्रदेश के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। उन्होंने नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि बीते दो वर्षों में छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को धरातल पर उतारते हुए विकसित छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद प्रदेश के विकास में सबसे बड़ी बाधा थी, जिसे समाप्त करने का बीड़ा राज्य सरकार ने उठाया है और आज प्रदेश नक्सलवाद की समाप्ति की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के नागरिकों में यह विश्वास मजबूत हुआ है कि भारत को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत या षड्यंत्र को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद के विरुद्ध लिए गए कठोर निर्णयों ने देश की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत तेजी से विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर है। सड़कों, पुल-पुलियों एवं अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पेयजल, बिजली, डीबीटी के माध्यम से राशि का अंतरण और रोजगार जैसी सुविधाएं गरीबों के घर-घर तक पहुंच रही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना में सकारात्मक बदलाव करते हुए अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार प्रदान किया जा रहा है।

फ्लैट स्टील उत्पादों पर सेफगार्ड ड्यूटी, आईएसए प्रेसिडेंट नवीन जिन्दल ने किया स्वागत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

फ्लैट स्टील उत्पादों पर 'सेफगार्ड ड्यूटी' लगाना सरकार का एक सोच-समझकर लिया गया संतुलित कदम है।

इसका उद्देश्य घरेलू स्टील बाज़ार को स्थिर रखना है, ताकि उपभोक्ताओं और देश की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को स्टील की लगातार और भरोसेमंद आपूर्ति मिलती रहे।

आज जब दुनिया का स्टील उद्योग कमजोर मांग और अतिरिक्त उत्पादन की समस्या से जूझ रहा है, तब भारत का स्टील सेक्टर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति बढ़ती घरेलू मांग और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में हो रहे निरंतर निवेश का परिणाम है। लेकिन इसी बढ़ती मांग को देखते हुए चीन, जापान, कोरिया और वियतनाम जैसे देशों से सस्ते स्टील को भारत में खपाने की कोशिशें हो रही हैं। इसका सीधा असर हमारी घरेलू क्षमता, नए निवेश और रोज़गार पर पड़ता है। सेफगार्ड ड्यूटी ऐसे दबाव को रोकने में मदद करती है। यह अनुचित प्रतिस्पर्धा से घरेलू उद्योग की रक्षा करती है, बाज़ार में संतुलन बनाए रखती है और स्टील वैल्यू चेन को मजबूत करती है। इसी संतुलन से उद्योग आत्मनिर्भर बनता है और देश के हित सुरक्षित रहते हैं। इसलिए मौजूदा वैश्विक आपूर्ति असंतुलन को देखते हुए, घरेलू स्टील क्षेत्र के दीर्घकालीन विकास के लिए सरकार से आगे भी ऐसे आवश्यक व्यापारिक उपायों पर विचार किए जाने की हमें उम्मीद है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, में अभ्युदय स्मारक का महाप्रबंधक ने किया अनावरण

बिलासपुर/रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अभ्युदय स्मारक का वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर तथा बिलासपुर रेल मंडल के रेल कर्मयोगियों द्वारा वेस्ट मटेरियल के नवोन्मेषी एवं रचनात्मक उपयोग से निर्माण

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में आज अभ्युदय स्मारक का अनावरण महाप्रबंधक तरुण प्रकाश द्वारा किया गया। यह स्मारक उन समस्त रेल कर्मयोगियों की मेहनत, समर्पण एवं कौशल को समर्पित है, जिनके अथक प्रयासों से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि अभ्युदय स्मारक कर्तव्यनिष्ठा, सामूहिक संकल्प एवं सतत परिश्रम का प्रतीक है। विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस स्मारक का निर्माण वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर तथा बिलासपुर रेल मंडल के रेल कर्मयोगियों द्वारा वेस्ट मटेरियल के नवोन्मेषी एवं रचनात्मक उपयोग से किया गया है, जो

पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के पुनः उपयोग एवं सतत विकास के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

स्मारक के केंद्र में निर्मित ट्रेन आधुनिक, सुरक्षित एवं तीव्र परिवहन व्यवस्था का प्रतीक है, जो बेहतर यात्री सेवाओं तथा लोगों को स्थानों और अवसरों से जोड़ने में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है। इसके अग्रभाग में स्थापित गोलाकार स्टील प्लेटें मजबूती एवं औद्योगिक शक्ति का प्रतीक हैं, जबकि पृष्ठभूमि में दर्शाया गया कोयला ऊर्जा आवश्यकताओं एवं औद्योगिक विकास का संकेत देता है।

स्मारक के पीछे निर्मित स्तंभ एवं ऊपर का आर्च मजबूत आधार, योजनाबद्ध विकास तथा निरंतर सुधार की भावना को दर्शाते हैं, जो प्रगति के लिए अनिवार्य हैं। वहीं स्मारक के शिखर पर स्थापित बाज शक्ति, सामर्थ्य, सतर्कता एवं देश के करोड़ों नागरिकों के बड़े सपनों का प्रतीक है, यह संदेश देता है कि विकास की उड़ान में आकाश भी सीमा नहीं है।

अभ्युदय स्मारक उन सभी रेल कर्मयोगियों को समर्पित है, जिनके समर्पण एवं निष्ठा से यात्रियों एवं माल का सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध परिवहन संभव हो पाता है। जब उनका संकल्प राष्ट्र की आवश्यकताओं से जुड़ता है, तब कोई भी लक्ष्य असाध्य नहीं रह जाता।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना से कुलेश्वरी एवं लकेश निषाद का दाम्पत्य जीवन हुआ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्य शासन के दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व में समाज के कमजोर एवं विशेष आवश्यकता वाले वर्गों के कल्याण हेतु प्रभावी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी कड़ी में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना दिव्यांग दम्पत्तियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है।

योजना के अंतर्गत जिला गरियाबंद के छुरा विकासखंड स्थित ग्राम कुटेना, पोस्ट पाण्डुका निवासी श्रीमती कुलेश्वरी निषाद एवं उनके पति श्री लकेश निषाद को लाभान्वित किया गया है। श्रीमती कुलेश्वरी निषाद (उम्र 34 वर्ष) 45 प्रतिशत अस्थिबाधित हैं, जबकि उनके पति श्री लकेश निषाद (उम्र 24 वर्ष) 40 प्रतिशत श्रवण बाधित हैं। योजना के प्रावधानों के अनुसार पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने की स्थिति में एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके तहत दंपत्ति को एक लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि स्वीकृत कर प्रदाय की गई।

राज्य शासन की योजना से आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई राह

प्राप्त सहायता राशि से इस दम्पत्ति ने अपने दाम्पत्य जीवन को सुदृढ़ आधार दिया है। आज श्रीमती कुलेश्वरी एवं श्री लकेश निषाद किसी पर आश्रित नहीं हैं, बल्कि आत्मनिर्भरता के साथ सुखमय एवं सम्मानजनक जीवन यापन कर रहे हैं। योजना से मिली सहायता ने न केवल आर्थिक संबल प्रदान किया, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया और समाज में सम्मान की भावना को सुदृढ़ किया है।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना राज्य शासन की समावेशी एवं जनकल्याणकारी सोच का सशक्त उदाहरण है, जो दिव्यांगजनों को सशक्त बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

2 करोड़ 1 लाख के बड़े बकायादार लिटिल फ्लावर स्कूल को बकाया सम्पतिकर भुगतान करने जारी किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

निगम जोन 5 राजस्व विभाग ने पण्डित दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड क्रमांक 40 के जीआईएस के अनुसार वर्ष 2016-17 से 2 करोड़ 1 लाख 19159 रूपये के बड़े बकायादार लिटिल फ्लावर स्कूल को बकाया सम्पतिकर भुगतान करने जारी किया डिमांड बिल रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और नगर निगम उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू, जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 5 राजस्व विभाग द्वारा जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत पण्डित दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड क्रमांक 40 के अंतर्गत नगर निगम रायपुर के जीआईएस के अनुसार वर्ष 2016-17 से 2 करोड़ 1 लाख 19159 रूपये के बड़े बकायादार लिटिल फ्लावर स्कूल को बकाया सम्पतिकर का भुगतान करने डिमांड बिल जोन 5 जोन सहायक राजस्व अधिकारी प्रमोद जाधव, राजस्व निरीक्षक राजेश मुले, सहायक राजस्व निरीक्षक सर्वअमर सागर, मयंक यादव,मनीष खुटे की उपस्थिति में नगर निगम रायपुर के राजस्व विभाग के बकाया राजस्व वसूली अभियान के अंतर्गत जारी किया गया.

सैकड़ो आमजनों को लगातार बढ़ती शीतलहर से मिल रही त्वरित राहत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर निगम द्वारा राजधानी शहर में जयस्तम्भ चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी, रेल्वे स्टेशन के पास,शंकर नगर, अवंति विहार कॉलोनी, टाटीबंध चौक, कबीर नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सरोना, चंगोराभाठा बाजार, चन्दनीडीह, महोबा बाजार, परमानन्द नगर कोटा, सत्यम विहार रायपुरा, हीरापुर चौक, बड़ा अशोक नगर सहित लगभग 30 से भी अधिक प्रमुख विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से सुरक्षा देने अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यबस्था, प्रतिदिन सैकड़ो आमजनों को लगातार बढ़ती शीतलहर से मिल रही त्वरित राहत

प्रदेश की राजधानी रायपुर शहर में शीतलहर से आमजनों को सुरक्षा और त्वरित राहत देने नगर पालिक निगम के जोन कार्यालयों के माध्यम से जयस्तम्भ चौक के समीप, रेल्वे स्टेशन के पास, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी, महोबा बाजार हॉट बाजार, परमानन्द नगर कोटा, सत्यम विहार कॉलोनी रायपुरा, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर, बड़ा अशोक नगर, रोटरी नगर, टाटीबंध चौक के समीप, शंकर नगर, अवन्ति विहार कॉलोनी सहित राजधानी शहर में लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. नगर निगम रायपुर द्वारा विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिदिन नियमित अलाव जलाने की व्यवस्था देने से इससे शहर के निवासी प्रतिदिन सैकड़ों आमजनों को लगातार बढ़ती शीतलहर से सहज बचाव सहित त्वरित राहत मिल रही है.

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से महादेवघाट रायपुरा श्री हनुमान मन्दिर के समीप और महोबा बाजार हॉट बाजार, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी चंगोराभाठा बाजार, ब्रम्हदेईपारा,शिक्षक कॉलोनी डंगनिया, खमतराई चौक के पास, जयस्तम्भ चौक के पास, रायपुर जिलाधीश परिसर के सामने डॉ भीम राव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर के पास, मोतीबाग, डंगनिया पानी टंकी स्कूल के समीप, शंकर नगर चौपाटी, तेलीबाँधा तालाब मरीन ड्राइव, अंतर राज्यीय बस स्टैण्ड भाठागांव, भाठागांव चौक के समीप, कुकरीपारा, दूधाधारी मठ मार्ग, सरोना, चंदनीडीह, कबीर नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-2, हीरापुर चौक सुलभ शौचालय काम्प्लेक्स के समीप , कबीर चौक रामनगर, गीतांजलि नगर शंकर नगर, जगन्नाथ चौक रामनगर, प्रियदर्शिनी नगर, भाठागांव, नगर पालिक निगम जोन 9 कार्यालय परिसर के समीप मोवा, नगर निगम जोन 10 कार्यालय और अन्य लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से रायपुर शहर क्षेत्र में सुरक्षा और त्वरित राहत देने सार्वजनिक अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. शीतलहर की सम्पूर्ण अवधि के दौरान आमजनों को राहत देने जोन कार्यालयों के माध्यम से प्रतिदिन नियमित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है.

एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन ने रहवासी नागरिकों सहित किया भूमिपूजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 9 के अंतर्गत कुशभाऊ ठाकरे वार्ड अंतर्गत दलदल सिवनी में प्रधानमंत्री आवास योजना 203 में जलसमस्या का शीघ्र निदान करने 3 लाख 85 हजार रूपये की स्वीकृत लागत से नई पाईप लाईन शीघ्र बिछाने वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद और नगर निगम एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन ने रहवासी नागरिकों सहित वहाँ पहुंचकर श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन किया. पार्षद और एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन ने जोन 9 जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा सीनियर, कार्यपालन अभियंता शरद ध्रुव, सहायक अभियंता संदीप तिवारी, उप अभियंता आशुतोष पाण्डेय को स्वीकृति अनुसार नई पाईप लाईन बिछाने का कार्य प्रधानमंत्री आवास योजना 203 दलदल सिवनी की जलसमस्या का निदान करने सतत मॉनिटरिंग करते हुए गुणवत्तापूर्ण तरीके से शीघ्र करवाया जाना प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए.पार्षद एवं एमआईसी सदस्य खेम कुमार सेन ने रहवासी नागरिकों को नूतन वर्ष 2026 की हार्दिक शुभकामनायें दीं.

सम्पादकीय

सेहत का नया साल

आज हम एक नये साल में प्रवेश कर रहे हैं। नववर्ष पर हम एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। मंगलकामनाएं अभिव्यक्त करते हैं। लेकिन नये वर्ष के आगमन के उत्साह में हम इकतीस दिसंबर को देर रात तक नये साल के जश्न में जुटे रहते हैं। इधर देश में प्रयोगधर्मी खानपान व नशीली पार्टियों का फैशन जैसा बन गया है। देर रात तक चलने वाली पार्टियों के बाद नये साल के पहले दिन ही हमारी नींद देर से खुलती है। फिर नये साल का पहला दिन ही सुस्ती और आलस्य के साथ शुरू होता है। कायदे से नये साल की शुरुआत एक ताजगीभरी सुबह के साथ होनी चाहिए। नये संकल्पों के लिए ऊर्जावान सुबह के साथ शुरू हो पहला दिन। निश्चित रूप से हमारा सामान्य जीवन व्यवहार बंधनों में नहीं बांधा जा सकता, लेकिन स्वस्थ जीवन के लिए कुछ नियम जरूरी भी हैं। दरअसल, नये दौर में हम, खासकर नई पीढ़ी एक अराजक जीवन जीने को अपनी शान समझती है। अमेरिका में हुए कुछ शोधों के बाद पता चला है कि सुबह जल्दी उठना और रात को जल्दी सोना हमारी सेहत की गारंटी होती है। यह पुरानी भारतीय अवधारणा ही है। भारतीय समाज में ब्रह्ममुहूर्त में उठने की प्रतिष्ठित परंपरा रही है। इस समय प्रकृति एकाग्रता-ध्यान हेतु शांत होती है। शरीर के मल स्वत: बाहर निकलने की प्रक्रिया में होते हैं। यह तथ्यपरक है कि हम जितनी जल्दी नित्यकर्म से निवृत्त होते हैं, उतने जल्दी स्वस्थ होते हैं। नया साल न तो कोई जादू है और न ही चमत्कार करने वाला होता है।

महज एक नये दिन मानक होता है। नया दिन बदलाव के संकल्प का और उससे जीवन को सुखमय बनाने का। यूं भी जब जनवरी के पहले दिन का आगमन होता है तो शीत का प्रकोप होता है, जिसके चलते जीवन की गति मंथर हो जाती है। संभवत: शीतजनित इस नीरसता व एकरसता को तोड़ने के लिए दुनिया में नववर्ष के उत्सव को बड़े पैमाने पर मनाने की परंपरा शुरू की गई होगी। सही मायनों में उत्सव का उल्लास हमारे तन-मन को स्वस्थ और मंगलमय बनाने के लिए होता है। लेकिन इस दौरान हम खानपान को लेकर अराजक व्यवहार करने लगते हैं। दरअसल, हमारा शरीर बेहद संवेदनशील व हमारी सेहत के प्रति सचेत होता है। शरीर का अपना उन्नत सुरक्षा-तंत्र लगातार हमारे स्वास्थ्य की फिक्र करता है। वह शरीर को सर्दी-गर्मी के अनुरूप अपना ताप नियंत्रित कर हमारे जीवन की रक्षा करता है। वह बार-बार संकेतों से हमें सचेत करता है। हम उसकी आवाज अनसुनी कर देते हैं। एक सीमा तक वह इसे बर्दाश्त करता है, लेकिन फिर असहाय होने की स्थिति में बीमार पड़ जाता है। अक्सर देखते हैं कि नये साल के जश्न, शादी-विवाह व मुफ्त की पार्टियों में हम जरूरत से ज्यादा खा लेते हैं।

सनातन संस्कृति, भारत एवं संघ के विरुद्ध गढ़े जा रहे हैं झूठे विमर्श

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे।

प्रह्लाद सबनानी।

भारत आज विश्व के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिदृश्य को बदलने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। पश्चिमी देशों के वर्चस्व को पूर्वी देशों से चुनौती मिल रही है, जिसका नेतृत्व भारत करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए, अमेरिका के कुछ विघ्नसंतोषी संस्थानों सहित कुछ विकसित देश सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निराधार आरोप लगाकर झूठे विमर्श गढ़ने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों की समस्या यह है कि वे केवल अपनी आधी अधूरी जानकारी को ही पूर्ण जानकारी मानते हुए अपने विचार तय करते हैं। जबकि, उनके विचार स्पष्टत: सत्यता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णत: गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णत: उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं।

पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णत: अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णत: पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तानी सेना के पूरे कश्मीर पर कब्जे को विफल करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान किया। दादरा, नगर हवेली और गोवा को मुक्त कराते हुए भारत में विलय में भी संघ के स्वयसेवकों की प्रमुख भूमिका रही थी। 21 जुलाई 1954 को दादरा को पुर्तगालियों से मुक्त कराया गया था, 28 जुलाई 1954 को नरोली और फिपारिया को मुक्त कराया गया और फिर राजधानी सिलवासा को मुक्त कराया गया था। संघ के स्वयसेवकों ने 2 अगस्त 1954 की सुबह पुर्तगाल का झंडा उतारकर भारत का तिरंगा फहराया था एवं दादरा नगर हवेली को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराकर भारत सरकार को सौंप दिया था।

भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया था अत: वर्ष 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने श्री जगन्नाथ राव जोशी जी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर गोवा मुक्ति आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसके परिणामस्वरूप जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कई कार्यकर्ताओं को दस वर्ष की सजा सुनाई गई। हालत बिगड़ते देख अंतत: भारतीय सैनिकों ने हस्तक्षेप किया और वर्ष 1961 में गोवा को आजादी प्राप्त हुई। इसी प्रकार वर्ष 1962 में भी चीन के साथ भारत के युद्ध के समय संघ के स्वयसेवकों ने भारतीय सेना की भरपूर मदद की थी। संघ के स्वयंसेवक पूरे उत्साह के साथ सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे। स्वयंसेवकों ने सरकारी कार्यों में और विशेष रूप से जवानों की मदद में पूरी ताकत लगा दी थी। सैनिक आवाजाही मार्गों की चौकसी, प्रशासन की मदद, रसद और आपूर्ति में मदद और ययां तक कि शहीदों के परिवारों की चिंता भी संघ के स्वयसेवकों ने की थी। संघ के इस महान योगदान को तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरु ने भी पहचाना था और 26 जनवरी 1963 की गणतंत्र दिवस की परेड में संघ के स्वयंसेवकों को शामिल होने का निमंत्रण दिया था। गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल होने के लिए महीनों की तैयारी की जाती है परंतु केवल 2 दिन पहिले मिले निमंत्रण पर संघ के 3,500 स्वयंसेवक गणवेश में गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुए थे। वर्ष 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता की आवश्यकता पड़ी थी। आपने देश में कानून व्यवस्था की स्थिति को सम्भालने और विशेष रूप से दिल्ली की यातायात व्यवस्था पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अनुरोध किया था ताकि इन कार्यों में व्यस्त पुलिसकर्मियों का भारतीय सेना की मदद में उपयोग किया जा सके। युद्ध के इस कठिन समय में घायल जवानों को सबसे पहिले रक्तदान देने में भी संघ के स्वयंसेवक ही सबसे आगे रहे थे। युद्ध के दौरान कश्मीर की हवाईपट्टियों से बर्फ हटाने का कार्य भी संघ के स्वयसेवकों द्वारा ही सम्पन्न किया गया था।

भारत में शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने हेतु विद्या भारती, शिक्षा भारती, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम, स्वदेशी जागरण मंच, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे संगठनों की स्थापना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने की। यह समस्त संगठन आज शिक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य करते हुए भारतीय संस्कृति के संस्कारों को भारतीय युवाओं के बीच ले जाने का कार्य सफलतापूर्वक कर रहे हैं।

नये साल, नया कदम, नयी चुनौती....

डॉ योगेन्द्र ।

यात्रा कल भी थी, आज भी है। समय नया पुराना नहीं होता, महसूसना नया पुराना होता है। कल काल पर केंचुल था, आज उतर गया है। सब-कुछ ताजा लग रहा है। नये सपने, नयी ख्वाहिशें। वैसे समय यात्रा पर अनवरत चल रहा है। वह खंडित नहीं है, लेकिन हम सब उसे खंड खंड कर देखते हैं। हम काल के साथ जितनी दूरी तय करते हैं, वह समय का एक खंड ही है। हम समय को खंडित कर ज्ञान प्राप्त करते हैं। यही वजह है कि हमारा ज्ञान खंडित होता है। अखंड ज्ञान के लिए अखंड काल का अनुभव करना होगा, जो संभव नहीं होता। खंडित ज्ञान हमें अपने पूर्वाग्रहों से भर देता है। यह पूर्वाग्रह हमें अहंकारी बनाता है। ज्ञान के मंथन से पूर्वाग्रहों पर नियंत्रण प्राप्त कर सकते हैं। जो भी हो। 2026 की काल यात्रा करुण हो। विवेकी हो। सत्य और न्याय पर आधारित हो। कल साल का अंतिम दिन था। साथियों के साथ ' क्या खोया, क्या पाया ' विषय पर संवाद हुआ। बादल से लुका छिपी करता सूरज और जमीन पर हम सब संवाद करते हुए। हम सबने महसूस किया कि अभिव्यक्ति खतरे में है। गर्दन पर तलवार लटकी है। सत्य न बोल सकते हो, न सुन सकते हो। असत्य का प्रचार करने मीडिया भोंपू बनी बैठी है। हवा में भी जासूसी है। पूरी दुनिया में बहुसंख्यकवाद हावी है। बहुसंख्यकवाद भी ऐसा कि उसे अल्पसंख्यक से खतरा महसूस होता है। बांग्लादेश हो या पाकिस्तान हो, श्रीलंका हो या भारत हो, जर्मनी हो या नाइजीरिया हो। बहुसंख्यकवाद किसी की गर्दन रेत दे या जिंदा जला दे, हम अपने धर्म की दुहाई देकर प्रसन्न होंगे। लोकतंत्र की तो हवा निकल रही है। सरकार को सभी शक्तियां चाहिए। उसके बिना पत्ते भी न हिलें।

आदमी के पास तन है और मन है। तन की सुविधा के लिए बहुत सारी चीजों का आविष्कार किया। तन आरामतलबी हो गया। अब मन के लिए आविष्कार हो रहा है। हम एआई तक आ गये हैं। कविता, कहानी, प्रोजेक्ट - सब-कुछ वे बनायेंगे। तन सुविधा तलाश करते करते बीमार रहने लगा है। अब मन की बारी है। हम लोग पैदा करते हैं। फिर इलाज ढूंढते हैं। रुग्ण मन और तन कैसी दुनिया बनायेगा कल बोलते बोलते एक छात्र ने कहा।

घर का कुआं गया, फिर चापानल गया और बोतल का पानी पीकर शान बघार रहे हैं कि हमारा विकास हुआ है। दरअसल हम सबका बैटरी डाउन हो गया है। मुझे अब लगता है कि मार्क्सवाद की चमक फीकी हुई है। गांधीवाद, अम्बेडकरवाद या लोहियावाद के सपनों पर भी पानी फिर गया है। अब एक नयी विचारधारा चाहिए, जो समय की जटिलताओं को समझ सके और लोगों की चेतना को प्रभावित कर सके। बहुसंख्यकवाद दक्षिणपंथियों के लिए सुगम रास्ता है सत्ता तक पहुंचने का।

शेष समस्याएं यों ही मुंह बायें खड़ी रहती हैं। वे यों ही संविधान पर हमला नहीं कर रहे और उनके लोग मनुस्मृति और शरीयत को अतिरिक्त तरजीह दे रहे हैं। दक्षिणपंथ का एक नया रूप सामने है। वह भूमंडलीकरण का भी तार बन बैठा है। खैर, कल शाम को अचानक आसमान एकदम साफ हो गया था। न कुहरा, न बादल।

उस वक्त तक सूर्य अस्ताचलगामी हो रहे थे। ठंड तो थी ही। सुबह जब जगा तो घना कुहरा छाया था। टहलने निकला तो दो बांस दूर कुछ दिखाई नहीं पड़ता था। सड़कें भींगी-भींगी सी थी। जब बगीचे से होकर गुजरा तो आम के पत्तों से टप- टप बूंदें गिर रहीं थीं। आम से बिछुड़े पत्ते भींग गये थे। बगीचे के मध्य से गुजरते हुए अवर्णनीय सुख का अनुभव हो रहा था। प्रकृति निस्संदेह जीवन के लिए सभी चीजें मुहैया करती हैं। वे मनुष्य को सौंदर्य से भर देती हैं। हमें नये वर्ष में प्रकृति को केंद्र में रखकर एक नयी वैचारिक सरंचना गढ़ सकते हैं।

वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल, भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अहम मोड़

इतिहास शायद वर्ष 2025 को एक ऐसे साल के रूप में याद करेगा जब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ने दशकों के दौरान बनी विश्व व्यापार व्यवस्था को उलट-पुलट करने का निर्णय लिया। अमेरिका द्वारा कथित जवाबी शुल्क लगाने और अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ व्यापार वार्ता शुरू करने से बड़े पैमाने पर अनिश्चितता और भ्रम उत्पन्न हुआ। अमेरिकी नीतियों में इस बदलाव का असर आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा और आने वाले कई वर्षों तक इसका विश्लेषण किया जाएगा। अभी तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था अच्छी हालत में है। कहा जा रहा है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस से संबंधित निवेश में उछाल के कारण वहां वृद्धि दर्ज की जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा व्यापार और भू-राजनीतिक उद्देश्यों को मिला कर भारत को खासतौर पर निशाने पर लिया गया। बिना किसी ठोस वजह के भारत पर 50 फीसदी शुल्क लगाया गया। चूंकि अमेरिका, भारत का एक महत्त्वपूर्ण कारोबारी साझेदार है इसलिए इस साल सबकी नजर साझा लाभकारी व्यापार समझौते पर होगी। वास्तव में वर्ष 2026 में व्यापार के मोर्चे पर होने वाला विकास भारत की संभावनाओं को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करेगा। अमेरिका के अलावा भारत, यूरोपीय संघ के साथ भी व्यापार समझौते के करीब है। भारत कई अन्य देशों के साथ भी व्यापार वार्ताएं कर रहा है और इससे भारतीय निर्यातकों को मदद मिलेगी। व्यापार को लेकर नीतिगत खुलेपन का स्वागत किया जाना चाहिए और भारत को 2026 में इसे और आगे ले जाने पर विचार करना चाहिए। नियमन को नरम करने के लिए समितियां गठित की गईं और यह देखना दिलचस्प होगा कि इस वर्ष किस गति से और किस पैमाने पर काम होता है। इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था के आकलन और उसके प्रबंधन के तरीके में महत्त्वपूर्ण बदलाव होंगे। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की नई श्रृंखला फरवरी में जारी की जाएगी। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाद्य पदार्थों का भार संभवत: कम हो जाएगा, जिससे यह अधिक स्थिर और अनुमान लगाने लायक बनेगा। वर्तमान जीडीपी श्रृंखला में वर्षों से कई मुद्दों की ओर अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है, जिनमें अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों को मापने का तरीका और वास्तविक उत्पादन तक पहुंचने के लिए नॉमिनल उत्पादन के अनुमानों को घटाने की प्रक्रिया शामिल है। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है, और यह महत्त्वपूर्ण है कि आर्थिक गतिविधि और कीमतों को आंकने के लिए बनाए गए उपाय जमीनी स्थिति को सही ढंग से प्रतिबिंबित करें। इसलिए जीडीपी और मुद्रास्फीति श्रृंखला को नियमित अंतराल पर अद्यतन करना अत्यंत आवश्यक है। परिणामों की बात करें तो बीती दो तिमाहियों की वृद्धि ने सकारात्मक ढंग से चौंकाया है और नीतिगत लक्ष्य यह होना चाहिए कि ये गति बरकरार रहे। भारतीय अर्थव्यवस्था अप्रैल-सितंबर 2025 में 8 फीसदी की दर से बढ़ी। 2025 में मुद्रास्फीति में कमी आई और अभी वह रिजर्व बैंक के तय दायरे के निचले स्तर के भी नीचे है। 2026 में मुद्रास्फीति के बढ़ने का अनुमान है और वह 4 फीसदी के लक्ष्य के आसपास बनी रह सकती है। इससे नॉमिनल वृद्धि को गति देने में मदद मिलेगी जो राजकोषीय प्रबंधन की दृष्टि से अहम है। केंद्र सरकार अगले वित्तीय वर्ष से ऋण-जीडीपी अनुपात को राजकोषीय आधार के रूप में अपनाएगी। यह देखना महत्त्वपूर्ण होगा कि वित्तीय बाजार इस बदलाव पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। व्यापक आर्थिक प्रबंधन के संदर्भ में, वर्तमान स्थिति में बाहरी खाता कुछ चुनौतियां प्रस्तुत कर सकता है।

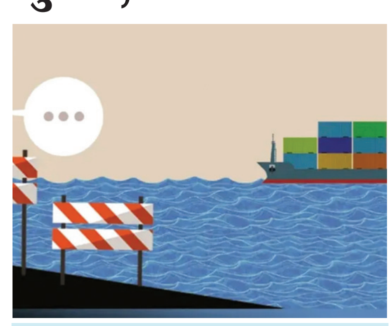

सरकार ने कई गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए हैं। ये निश्चित रूप से आयात बाधा के रूप में काम करते थे। चूंकि भारत, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े कारोबारी साझेदारों के साथ व्यापार समझौते करना चाहता है इसलिए उसे भी शुल्क दरों में कमी करनी होगी। ऐसा करने से उसे वैश्विक मूल्य श्रृंखला में शामिल होने का अवसर मिलेगा। भारत को व्यापार समझौतों से तभी लाभ होगा जबकि घरेलू कारोबारी माहौल में टिकाऊ ढंग से सुधार हो।

ग्रामीण विद्युतीकरण : तेज सामाजिक-आर्थिक विकास का आधार

विकास शर्मा
(प्रबंधक जनसंपर्क एवं औद्योगिक संबंध)
सीएसपीडीसीएल,रायपुर (छत्तीसगढ़)

केन्द्र सरकार हाल ही में ग्रामीण विकास के लिए एकीकृत योजना 'वी बी जी राम जी' लेकर आई है। इसके पीछे व्यापक नजरिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों का टिकाऊ विकास हो। इसके लिए रोजगार सृजन और बुनियादी ढाँचा विकास पर बल दिया जाएगा। विकास की व्यापक कार्ययोजना को गति प्रदान करेगी विद्युत ऊर्जा जिसे मोदी सरकार ने अपने पिछले दो कार्यकाल में प्रमुखता प्रदान की थी। भारत जहाँ लगभग 70 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है वहाँ ग्राम और ग्रामीण की ऊर्जा संपन्नता ही विकसित भारत के लक्ष्य को परवान चढ़ाएगी। छत्तीसगढ़ को इस मामले में बढ़त हासिल है। छत्तीसगढ़ सिर्फ सरप्लस बिजली वाला राज्य नहीं बल्कि यहाँ की बिजली लोगों की समृद्धि का बड़ा कारक है। गौर करने वाली बात यह भी है कि राज्य बनने के पहले तकनीकी रूप से प्रदेश का बहुत बड़ा हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका था पर उपभोक्ताओं की संख्या और वितरण गुणवत्ता के लिहाज से स्थिति बहुत निराशाजनक थी। बीते 25 वर्षों को इस लिहाज से अहम माना जा सकता है क्योंकि अब गाँव तकनीकी रूप से ही नहीं बल्कि जमीनी तौर पर विद्युतीकृत हैं।

पहला गाँव जहाँ आई बिजली

वैसे यह जानना रोचक है कि छत्तीसगढ़ में मध्यभारत प्रांत के दौर में (1 नवंबर 1956 के पूर्व) ग्राम विद्युतीकरण की शुरूआत हो गई थी। मोहला-मानपुर जिले के कुल्हारडोह गाँव को यह सौभाग्य मिला। यहाँ 1953 में बिजली आई, यह अलग बात है कि विद्युतीकरण की परिभाषा तब कुछ और थी। इसके बाद रायपुर जिले के अभनपुर ब्लॉक के मानिकचौरी गाँव में अगस्त 1956 में मध्यप्रदेश बनने के पहले तथा मध्यप्रदेश बनने के बाद सबसे पहले 31 दिसंबर 1956 में बस्तर जिले के जगदलपुर ब्लॉक के जीरागाँव में बिजली की दस्तक हुई। यह सिलसिला चल पड़ा एक -एक कर सभी जिलों में बिजली पहुँचती चली गई। वर्तमान 33 जिलों में से 06 जिलों के पहले ग्राम का विद्युतीकरण वर्ष 1970 में हो गया था।

बदलती रही प्राथमिकता

ग्रामीण विद्युतीकरण को लेकर सरकारों ने काम तो शुरू से किए पर प्राथमिकता का क्षेत्र बदलता रहा है। स्वतंत्रता बाद 50 के दशक में अनाज की पैदावार बढ़ाने के लिए सिंचाई के साथ ही लघु उद्यम को प्राथमिकता प्रदान की गई। 60 के दशक में अकाल के भयंकर दौर को देखते हुए विद्युतीकरण को सिंचाई पंपों के ऊर्जीकरण पर केंद्रित किया गया। 70 के दशक में सिंचाई पंपों के साथ मूलभूत अधोसंरचनाओं में बिजली उपलब्धता प्राथमिकता थी। 80 के बाद ग्रामीण आबादी तक बिजली की पहुँच को प्रमुखता दी गई। इधर बीता एक दशक बहुत अहम रहा है जब देश के हर गाँव और हर घर को रोशन करने का लक्ष्य रखा गया जिसे समय से पूर्व हासिल भी किया गया।

समय के साथ बदली परिभाषा : असल में बीते 78 वर्षों में ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा बदलती रही। 1947 के बाद लगभग पाँच दशक तक (अक्टूबर 1997 तक) किसी गाँव के राजस्व क्षेत्र में बिजली का उपयोग किए जाने पर वह गाँव विद्युतीकृत माना गया। अक्टूबर 1997 के बाद इसमें बदलाव हुआ। किसी गाँव की राजस्व सीमा के अंदर रिहायशी क्षेत्र में बिजली का उपयोग किसी भी कार्य में किया गया (औद्योगिक, व्यावसायिक या घरेलू) तो वह गाँव विद्युतीकृत कहा गया। 17 फरवरी 2004 के बाद ग्रामीण विद्युतीकरण की परिभाषा को अधिक प्रभावी बनाया गया। गाँव की आबादी वाले क्षेत्र में वितरण लाइन, ट्रांसफार्मर जैसी बुनियादी विद्युत अधोसंरचना स्थापित हो , साथ ही दलित बस्ती में भी ऐसी अधोसंरचना विकसित हो तथा गाँव के कुल घरों में कम से कम 10 प्रतिशत घरों में विद्युत की आपूर्ति की जा रही हो तब वह गाँव विद्युतीकृत माना गया।

योजनाओं ने बदली तस्वीर : ग्रामीण विद्युतीकरण को प्राथमिकता प्रदान करते हुए राष्ट्रीय ग्रामीण विद्युतीकरण नीति ,2006 बनाई गई। सभी घरों में वर्ष 2009 तक बिजली पहुँचाने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय बिजली की आपूर्ति का लक्ष्य रखा गया। साथ ही न्यूनतम जीवन रेखा खपत 01 यूनिट प्रति घर प्रतिदिन सुनिश्चित किया गया। इस लक्ष्य को पाने के लिए राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना (आरजीजीवीवाई) के रूप में एकीकृत योजना अप्रैल 2005 में शुरू की गई। इससे ग्रामीण विद्युतीकरण के काम में तेजी आई पर अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए।

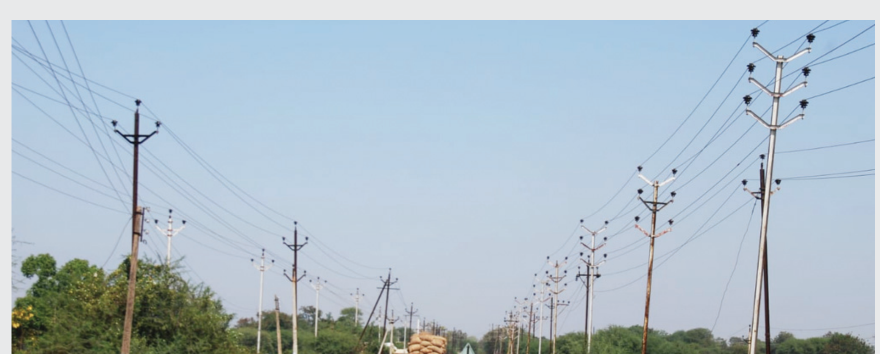

रोशन करने चला अभियान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ग्रामीण विद्युतीकरण के दायरे को आगे बढ़ाते हुए हर घर को रोशन करने का लक्ष्य निर्धारित किया। 25 सितंबर 2017 को प्रधानमंत्री हर घर मुफ्त बिजली योजना (सौभाग्य) लागू की गई और 2019 तक हर घर को बिजली से रोशन करने का लक्ष्य रखा गया। ऑफ ग्रिड घरों को सौर ऊर्जा अथवा अन्य नवीकरणीय ऊर्जा माध्यमों से रोशन करना था। इसके सुखद परिणाम आए और आज देश के हर घर में बिजली की पहुँच हो चुकी है। 28 अप्रैल, 2018 भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि इसी दिन मणिपुर का लेइसांग गांव विद्युतीकृत होने वाला अंतिम गांव बन गया। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के ही 7 लाख 31 हजार से अधिक घरों में लोगों ने पहली बार बिजली के बल्ब से रोशनी देखी। 25 वर्ष पहले तत्कालीन परिभाषा अनुसार छत्तीसगढ़ में 19609 राजस्व गाँवों में से 17108 गाँव विद्युतीकृत थे जो वर्तमान में न केवल शत प्रतिशत विद्युतीकृत हैं अपितु शत-प्रतिशत घरों में बिजली की आपूर्ति हो रही है। आज प्रदेश के 18728 गाँव ग्रिड के माध्यम से तथा 881 गाँव ऑफ ग्रिड पद्धति से बिजली प्राप्त कर रहे हैं।

विकास का सूचक विदयुत खपत

देश में प्रति व्यक्ति औसत विदयुत खपत 1395 यूनिट जबकि छत्तीसगढ़ में 2211 यूनिट है। इस खपत के बड़े हिस्सेदार ग्रामीण और कृषि उपभोक्ता हैं। खपत का यह आँकड़ा महज दस्तावेजी नहीं । ग्रामीण विद्युतीकरण ने गाँवों के सामाजिक और आर्थिक विकास को व्यापक ढंग से प्रभावित किया है। आज यदि किसान दो से तीन फसल की पैदावार ले रहा है तो इसमें सवा आठ लाख कृषि सिंचाई पंपों का योगदान अहम है। खेती मानव श्रम पर अब भी आधारित है ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार पैदा हो रहे हैं वहीं आर्थिक सबलता से जीवन स्तर में काफी बदलाव आया है। ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की भांति अनेक व्यावसायिक गतिविधियों ने स्थान बनाया है जो अंतत: विदयुत की निर्बाध आपूर्ति के कारण फल फूल रहे हैं। ऐसे में कहा जा सकता है कि ग्रामीण विद्युतीकरण के मजबूत आधार पर आगे बढ़ते हुए ग्रामीण विकास की नई योजना जी राम जी अपने दूरगामी लक्ष्य को प्राप्त करने में निसंदेह सफल होगी।

बालिकाओं का सशक्तिकरण ही सशक्त राज्य और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला- मंत्री श्रीमती राजवाड़े

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बालिकाओं को साइकिल वितरण कर बढ़ाया उत्साह

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि बालिकाओं का सशक्तिकरण ही सशक्त राज्य और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। वे भारतीय स्टेट बैंक, बैरन बाजार रायपुर द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के अंतर्गत आयोजित बेटी बचाओ अभियान के तहत शासकीय विद्यालयों की बालिकाओं को साइकिल वितरण कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए संबोधित कर रही थीं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को साइकिल वितरित कर उन्हें शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि साइकिल जैसी सुविधाएँ बालिकाओं की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे स्कूल आने-जाने में सुविधा होती है, आत्मविश्वास बढ़ता है और ड्रॉपआउट की

समस्या में कमी आती है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने भारतीय स्टेट बैंक के इस सामाजिक सरोकार की सराहना करते हुए कहा कि जब शासकीय योजनाओं के साथ बैंक एवं अन्य संस्थाएँ ष्टस्क्रके माध्यम से जुड़ती हैं, तो समाज में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। राज्य सरकार बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ

कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में बैंक के अधिकारीगण, विद्यालयों के शिक्षक, अभिभावक तथा बड़ी संख्या में छात्राएँ उपस्थित रहीं। साइकिल पाकर बालिकाओं के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

कांकेर कलेक्टर ने मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कंजीनाला में तागा एनीकट निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा जांजगीर-चांपा जिले के विकासखण्ड-अकलतरा के अंतर्गत कंजीनाल में तागा एनीकट निर्माण कार्य के लिए 3 करोड़ 30 लाख 23 हजार रुपये किये गये हैं। योजना से निस्तारी भू-जल संवर्धन एवं किसानों द्वारा स्वयं के साधन से करीब 120 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ की फसलों के लिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो जायेगी। मंत्रालय महानदी भवन जल संसाधन विभाग से योजना के निर्माण कार्य कराने मुख्य अभियंता हसदेव कछार जल संसाधन विभाग बिलासपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत नरहरपुर विकासखण्ड में निवासरत विशेष पिछड़ी कमार जनजातियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई चलित चिकित्सा वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन में चिकित्सा अधिकारी, लैब टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, कम्पाउंडर सहित आवश्यक खून जांच एवं दवाईयों की व्यवस्था एवं अन्य स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है, यह वाहन कमार बस्तियों के बसाहटों में जाकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगी। इससे विशेष जनजाति समूह के गांवो में मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं चिकित्सकीय टीम से आमजनों को इसका लाभ मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि 'पीएम जनमन' प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान है, जो विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए शुरू की गई एक सरकारी पहल है, जिसका लक्ष्य विशेष पिछड़ी जनजातियों को पक्के घर, स्वच्छ पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और आजीविका के अवसर जैसी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करना है, ताकि उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत नरहरपुर विकासखण्ड में निवासरत विशेष पिछड़ी कमार जनजातियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा उपलब्ध कराई गई चलित चिकित्सा वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उक्त मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन में चिकित्सा अधिकारी, लैब टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, कम्पाउंडर सहित आवश्यक खून जांच एवं दवाईयों की व्यवस्था एवं अन्य स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध है, यह वाहन कमार बस्तियों के बसाहटों में जाकर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएगी। इससे विशेष जनजाति समूह के गांवो में

महतारी गौरव वर्ष मातृशक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्तिकरण को समर्पित-सीएम साय

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नूतन वर्ष 2026 के अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम जारी अपने ऑडियो संदेश में सभी नागरिकों को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा वर्ष 2026 को महतारी गौरव वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जो मातृशक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्तिकरण को समर्पित रहेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में महतारी का स्थान सर्वोच्च है। नारी शक्ति त्याग, संस्कार, श्रम और नेतृत्व की प्रतीक है। महतारी गौरव वर्ष के माध्यम से समाज के सभी क्षेत्रों में मातृशक्ति के योगदान को राष्ट्रीय और वैश्विक पटल पर नई

पहचान दिलाने के प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि पिछले दो वर्षों में राज्य ने नक्सल उन्मूलन, औद्योगिक प्रगति, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि तथा बुनियादी ढांचा विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलताएँ प्राप्त की हैं। इस विकास यात्रा में मातृशक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महतारी गौरव वर्ष के माध्यम से महिलाएँ आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में और अधिक सशक्त होकर आगे आएँगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मातृशक्ति के सहयोग से छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा और अधिक गति और सुदृढ़ता के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे नारी सम्मान, नारी सुरक्षा और नारी सशक्तिकरण को अपने आचरण और जीवन का मूल मंत्र बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी मिलकर वर्ष 2026 को नारी सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और समावेशी विकास का सशक्त प्रतीक बनाएं। यही नया छत्तीसगढ़ और विकसित भारत का साझा संकल्प है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सभी प्रदेशवासियों को नए वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए समृद्धि, शांति और उन्नति की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

रोजगार, कौशल और बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदम

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

विष्णुदेव साय की उपस्थिति में हेल्थ केयर में कौशल विकास हेतु सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के साथ एमओयू*

रायपुर। सीएम विष्णु देव साय की उपस्थिति में नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण एवं श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू राज्य में हेल्थकेयर क्षेत्र का दायरा बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन तैयार करने तथा युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। समझौते का मुख्य उद्देश्य हेल्थकेयर प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना, युवाओं का कौशल उन्नयन तथा आधुनिक चिकित्सा सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आवासीय एवं गैर-आवासीय दोनों प्रकार के निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किए जाएंगे।

एमओयू के तहत चार प्रकार के कोर्स संचालित किए जाएंगे, जिनमें मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, कार्डियोलॉजी तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन, कार्डियक केयर तकनीशियन तथा इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन के प्रशिक्षण शामिल हैं। ये कोर्स युवाओं को विशेषज्ञता के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर निर्माण का अवसर उपलब्ध कराएंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार कौशल विकास को विकास की रीढ़ मानती है और विशेष रूप से हेल्थकेयर सेक्टर की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशलयुक्त कार्यबल तैयार करने पर बल दे रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ युवाओं के लिए व्यापक रोजगार संभावनाएँ भी उत्पन्न करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कौशल विकास पर केंद्रित यह साझेदारी राज्य के दूरस्थ अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। प्रशिक्षित युवा अस्पतालों, स्वास्थ्य संस्थानों और आपातकालीन सेवाओं में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे।

वनमंत्री कश्यप ने राजपुर, हिरलाभाठा और सोनाबाल में कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जगदलपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के राजपुर, हिरलाभाठा और सोनाबाल गांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय कार्यकर्ताओं से भेंट की और जनहितैषी व हितग्राहीमूलक योजनाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की।

वनमंत्री कश्यप ने कहा कि वर्तमान विष्णुदेव साय सरकार में सड़क निर्माण और सुधार कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस सरकार के दौरान बस्तर क्षेत्र में न तो नई सड़कों का निर्माण हुआ और न ही पुरानी सड़कों की मरम्मत की गई, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन में क्षेत्र की इस समस्या को गंभीरता से लिया गया है और आवागमन को सुगम बनाने के लिए कई सड़कों के पुनर्निर्माण की स्वीकृति दी गई है। नारायणपुरङ्कोंडागांव मार्ग का निर्माण कार्य जारी है, वहीं अंतागढ़ से नारायणपुर तथा ओरछा से नारायणपुर तक सड़क निर्माण एवं सुधार कार्य शुरू हो चुके हैं। जल्द ही क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुरक्षित सड़क सुविधा मिलेगी। वनमंत्री ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में कई पात्र लोग शासन की योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते।

नववर्ष पर सीएम साय और केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने भोरमदेव मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

नववर्ष के प्रथम दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कबीरधाम जिले के ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की ।

उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, विधायक भावना बोहरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

31 जनवरी तक मनाया जाएगा,

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह एवं महिला सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान का हुआ भव्य शुभारंभ

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला कलेक्टोरेट स्थित सृजन सभाकक्ष में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह एवं महिला सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान का भव्य शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी एवं पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल द्वारा संयुक्त रूप से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 31 जनवरी तक मनाया जाएगा, जिसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना, नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा

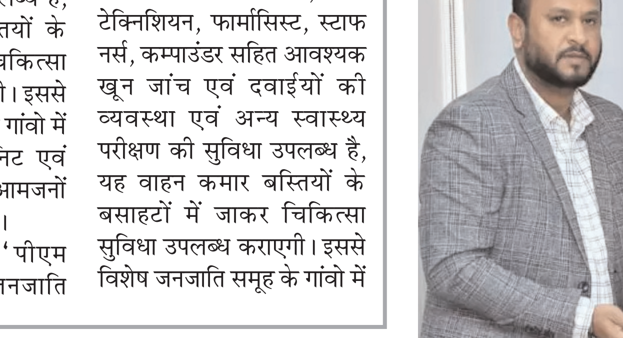

सुरक्षित एवं जिम्मेदार ड्राइविंग को प्रोत्साहित करना है। वहीं राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर आयोजित 11 दिवसीय महिला सुरक्षा जन-जागरूकता अभियान के माध्यम से महिलाओं को उनके अधिकारों, कानूनी सुरक्षा, पुलिस सहायता, शिक्षा, डिजिटल सुरक्षा, स्वास्थ्य, परामर्श सेवाओं, कौशल विकास एवं सामुदायिक सहभागिता के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि रायगढ़ तेजी से औद्योगिक एवं आर्थिक विकास की ओर बढ़ रहा है, जिससे यातायात का दबाव भी बढ़ा है। ऐसे में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन और अधिक आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं तेज गति, शराब पीकर वाहन चलाने, हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग न करने तथा मोबाइल फोन के प्रयोग के कारण होती हैं। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि गोल्डन ऑवर में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वालों को सम्मानित और प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने महिला सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। डिजिटल युग में साइबर सुरक्षा पर विशेष सतर्कता आवश्यक है।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने कहा कि यातायात व्यवस्था में सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है, जिसके सकारात्मक परिणाम धीरे-धीरे सामने आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में वाहनों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है, ऐसे में प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह स्वयं नियमों का पालन करे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने महिला सुरक्षा पर कहा कि महिला समाज की रीढ़ है। जब महिला सुरक्षित होती है, तभी परिवार, समाज और राष्ट्र सुरक्षित होता है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा और महिला सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल ने बताया कि वर्ष 2025 में जिले में सड़क दुर्घटनाओं में जिन लोगों की मृत्यु हुई, उनमें सर्वाधिक संख्या दोपहिया वाहन चालकों की रही। तेज गति, बिना हेलमेट वाहन चलाना और लापरवाही इसके प्रमुख कारण हैं।

जिले के 11 सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को मिली भावभीनी विदाई

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी
बस्तर जिला प्रशासन ने वर्ष के अंतिम दिन बुधवार 31 दिसम्बर को कलेक्टोरेट स्थित आस्था कक्ष में आयोजित एक गरिमामय समारोह में बस्तर जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों में कार्यरत रहे अपने 11 सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी। कलेक्टर श्री हरिस एस. के निर्देशानुसार प्रशासन ने संवेदनशीलता और सुशासन का परिचय देते हुए सभी सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन भुगतान आदेश, ग्रेच्युटी भुगतान आदेश और भविष्य निधि भुगतान आदेश प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रतीक जैन ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को शॉल, श्रीफल और पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीयता के साथ

सम्मानित किया। प्रशासन की तत्परता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विदाई की बेला में ही कर्मचारियों के हाथों में उनके पेंशन भुगतान आदेश, ग्रेच्युटी भुगतान आदेश और भविष्य निधि भुगतान आदेश सौंप दिए गए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री प्रतीक जैन ने सेवानिवृत्त हो रहे सहयोगियों की कार्यशैली की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि आप सभी शासकीय सेवा के क्षेत्र में अत्यंत अनुभवी हैं और अपने-अपने कार्यों में पूरी तरह निपुण हैं। भले ही आज आप शासकीय दायित्वों से मुक्त हो रहे हैं, लेकिन आपका संचित अनुभव समाज के लिए अमूल्य है। मेरी आप सभी से अपील है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी आप सक्रिय रहें और अपने दीर्घकालीन अनुभवों का लाभ समाज और नई पीढ़ी को प्रदान करते रहें। उन्होंने सभी सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के स्वस्थ, सुदीर्घ और खुशहाल जीवन की कामना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विदाई की इस बेला में प्रशासन द्वारा त्वरित गति से किए गए भुगतान और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मिले सम्मान से सेवानिवृत्त शासकीय सेवक बेहद अभिभूत और प्रसन्न और उपयोगिता समझाई। कार्यक्रम में सहायक कोषालय अधिकारी सुश्री ममता ध्रुव और श्री नरेंद्र सिंह नाग सहित कोषालय एवं अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों के परिजन भी मौजूद रहे।

निर्वाचक नामावली विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों की बैठक

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी
उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा मंगलवार को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में एक सप्ताह के भीतर प्राप्त दावा एवं आपत्तियों की सूची साझा की गई तथा पुनरीक्षण कार्यक्रम के विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के दूसरे चरण के अंतर्गत 23 दिसम्बर को निर्वाचक नामावली के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत दावा-आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों सहित आंशिक तौर पर शामिल नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र से नाम जोड़ने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हो रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषिकेश तिवारी ने उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण कार्यक्रम की समय-सीमा, प्रक्रियाओं तथा आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अब तक प्राप्त सभी दावा एवं आपत्तियों की सूची साझा की गई। प्राप्त सभी

दावा एवं आपत्तियों की सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी, ताकि आम नागरिक सूची का अवलोकन कर सकें और यदि आवश्यक हो तो निर्धारित अवधि में संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष आपत्ति दर्ज करा सकें।

बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से विशेष रूप से अनुरोध किया गया कि वे सर्वे में छूटे हुए पात्र मतदाताओं, साथ ही 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले भावी मतदाताओं को फार्म-6 भरने हेतु प्रेरित एवं सहयोग प्रदान करें, जिससे जिले में शत-प्रतिशत पात्र नागरिकों का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किया जा सके।

इस दौरान राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी अपने बहुमूल्य सुझाव दिए।

महिला कृषि-पशु सखियों का तीन दिनी धरना

मानदेय बढ़ोतरी सहित विभिन्न मांगें रखीं

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी
राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) के अंतर्गत कार्यरत A.W.CRP सक्रिय महिला कृषि सखी एवं पशु सखियों द्वारा मंगलवार को कोंडागांव नगर के DNK मैदान में तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन शुरू किया गया। धरना दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला सखियां शामिल हुईं।

धरना स्थल पर उपस्थित महिला सखियों ने बताया कि वे ग्राम पंचायत स्तर पर स्व-सहायता समूहों के गठन, मनरेगा से संबंधित कार्यों में अभिसरण, आजीविका गतिविधियों के संचालन, लेखा-जोखा सहित अन्य विभागीय दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। उनका कहना है कि इन कार्यों के एवज में उन्हें वर्तमान में 1910 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है।

महिला सखियों के अनुसार, मानदेय बढ़ाने और अन्य सुविधाओं को लेकर पूर्व में भी मांगें रखी गई थीं, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इसी के विरोध में वे धरना-प्रदर्शन कर रही हैं।

महिला सखियों की प्रमुख मांगों में मानदेय में वृद्धि, छत्तीसगढ़ शासन के न्यूनतम वेतन अधिनियम के अनुसार भुगतान, मोबाइल व इंटरनेट व्यय, यात्रा एवं दैनिक भत्ता, नियुक्ति पत्र जारी करना तथा नियमितीकरण शामिल है। महिला संघ की ओर से कहा गया है कि यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा और आगे की रणनीति तय की जाएगी।

सम्मान से जीये समर्पित नक्सली - कलेक्टर

दंतेवाड़ा, । जिला प्रशासन द्वारा आत्म समर्पित नक्सलियों के बेहतर पुनर्वास के इंतजाम किए जा रहे हैं। इस कड़ी में कलेक्टर देवेश ध्रुव ने दंतेवाड़ा के पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण बुधवार को किया। उन्होंने केंद्र समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने पुनर्वास केंद्र में रह रहे आत्मसमर्पित माओवादियों से एवं भविष्य की योजनाओं की विस्तार से जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि शासन की सुविधाएं, योजनाओं का लाभ एवं समुचित सहयोग प्रदान किया जाएगा। जिससे वे समाज की एवं सम्मानजनक जीवन यापन कर सकें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने केंद्र में उपलब्ध खेलकूद, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, भोजन व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी
सड़क दुर्घटना रोकने के लिए गंभीरता से काम करने की जरूरत: कलेक्टर मिश्रा ब्लैक स्पॉट वाली जगहों से सौ मीटर पूर्व लगाएं संकेतक लगाये पुलिस अधीक्षक परिहार ने नागरिकों से हेलमेट व सुरक्षा सीट बेल्ट लगाकर नियंत्रित गति से वाहन चलाने की अपील की

बैठक के बाद भखारा सड़क संभावित सड़क दुर्घटना पॉइंट का निरीक्षण किया, स्पीड ब्रेकर, रम्बल स्ट्रीप लगाने के निर्देश दिए

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में हुई। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कई अहम फैसले लिये गये। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटना रोकने के लिए गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बैठक में जिले से होकर गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग मार्ग और राजकीय सड़कों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्र के सड़कों में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गहन विचार-विमर्श किया गया। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि सड़क सुरक्षा न केवल एक महत्वपूर्ण विषय है, बल्कि दुर्घटनाओं में कमी लाकर अमूल्य जिंदगियों को बचाया जा सकता है। उन्होंने आमजनों की जान-माल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने पर बल दिया। वहीं जरूरत के अनुरूप ट्रैफिक सिग्नल और अन्य अधोसंरचना कार्यो को सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। वही नियमों की अनदेखी करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के लिए कहा,साथ ही लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करने पर बल दिया। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले के संभावित दुर्घटना क्षेत्रों को चिन्हांकित कर सड़क सुरक्षा की दृष्टि से व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए, जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने यातायात नियमों का पालन एवं सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने हेतु राष्ट्रीय राजमार्गों को सहायक सड़कों से जोड़ने वाले जंक्शन पॉइंट पर गति अवरोध के लिए मानक रंबल स्ट्रिप राजमार्ग, लोक निर्माण विभाग, पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को चिन्हांकित स्थानों में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिये कहा। उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटना की रोकथाम के लिए लोगों को हेलमेट पहनने लगातार प्रेरित करने कहा।

सरकारी कर्मचारी आंदोलन को कांग्रेस का समर्थन

सुकमा, प्रतिदिन राजधानी
छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के तीन दिवसीय आंदोलन को समर्थन देने जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी धरना स्थल पहुंचे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने

कर्मचारियों की 11 सूत्री मांगों के समाधान की मांग की।

धरना स्थल पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरीश कवासी ने कहा कि कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन 11 सूत्री मांगों को लेकर आंदोलन कर रहा है, जिससे शासकीय कार्यालयों के कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि आंदोलन के कारण आम लोगों को भी असुविधा हो रही है।

हरीश कवासी ने अपने बयान में कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा द्वारा 'मोदी की गारंटी' के तहत कर्मचारियों की मांगें पूरी करने की बात कही गई थी, लेकिन उनके अनुसार अब तक उन वादों पर अमल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी बीते दो वर्षों से विभिन्न माध्यमों से अपनी मांगें रख रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष हरीश कवासी ने यह भी कहा कि यदि सरकार कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लेती है, तो कांग्रेस पार्टी कर्मचारियों के समर्थन में आंदोलन करेगी।

कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन की तीन दिनी हड़ताल, सीएम के नाम 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा

भोपालपटनम में रैली निकालकर किया प्रदर्शन

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी
प्रदेश के सबसे बड़े संगठन कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांत संयोजक कमल वर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर के समस्त कर्मचारी 29 से 31 दिसंबर तक 3 दिवसीय निश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। बीजापुर में भी चारों विकासखंड बीजापुर, भैरमगढ़, भोपालपटनम व उसूर में कर्मचारी हड़ताल पर हैं। जिसके संबंध में मांग पत्र ज्ञापन जिला संयोजक के.डी.राय, जिला अध्यक्ष मो. ज़ाकिर खान, वन कर्मचारी संघ जिला अध्यक्ष विश्वनाथ मांझी, लिपिक संघ प्रमुख महेन्द्र राणा, मासाराम कड़ियाम, सचेता मिंज,वाहन चालक संघ प्रमुख कुर्रे, चतुर्थ वर्ग संघ के मोतीराम एवं अन्य

साथियों के नेतृत्व में 11 सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री छ. ग. शासन एवं मुख्य सचिव के नाम कलेक्टर बीजापुर के माध्यम से संगठन के पदाधिकारियों सहित ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर नारायण प्रसाद गबेल को सौंपा।

संघ द्वारा पूर्व में दिनांक 18 जून 2025 को मोदी की गारंटी के नाम पर कर्मचारियों के लिए की गई घोषणा को लागू करने हेतु ध्यानाकर्षण ज्ञापन सौंपा गया था। दूसरे चरण में 1 दिवसीय धरना प्रदर्शन सभी जिला मुख्यालय में किया गया लेकिन मांगों के सम्बन्ध में निराकरण नहीं होने के कारण क्षुब्ध होकर पूरे प्रदेश में पुन: 3 दिवसीय हड़ताल की घोषणा की एवं ध्यानाकर्षण ज्ञापन सौंपने का प्रांतीय पदाधिकारियों ने निर्णय लिया जिसके परिपालन में भोपालपटनम में कर्मचारियों ने ब्लॉक संरक्षक ए सुधाकर, अध्यक्ष कमलसिंह कोर्राम, शेख मकबूल, संदीप राज पामभोई, एटला श्रीनिवास, मंडावी सर, नक्का कृष्णा, डी.देस के नेतृत्व में रैली निकालकर अनुविभागीय अधिकारी यशवंत नाग को सौंपा।

रैली में छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बीरा राजबाबू, संगठन सचिव मनोज कोंड्रा,राजस्व पटवारी संघ जिला अध्यक्ष शंकरलाल कतलाम, पंचायत सचिव संघ जिला अध्यक्ष डी.माधवराव,फेडरेशन की महिला उपाध्यक्ष रेशमा गोड्डे सम्मिलित हुए।

रैली से पूर्व धरना स्थल पर जिले से पधारे नेतृत्व का उद्बोधन हुआ जहां पर कर्मचारी भवन निर्माण के लिए बीरा राजबाबू द्वारा 5 हजार रु, कतलाम द्वारा 2 हजार रु, रेशमा ने 1500 रु और माधव ने 1 हजार सहयोग राशि देने की मंच से घोषणा की। 11 सूत्रीय मांग में छत्तीसगढ़ राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को केंद्रीय कर्मचारियों की भांति देय

कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की हड़ताल के अंतिम दिन सेजेस विद्यालयों ने दिया समर्थन पत्र

बीजापुर, प्रतिदिन राजधानी
छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के आह्वान पर आयोजित तीन दिवसीय हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन का समापन बुधवार 31 दिसम्बर को किया गया। अंतिम दिवस पर जिले भर के सेजेस विद्यालयों की ओर से फेडरेशन के अध्यक्ष जाकिर खान को समर्थन पत्र सौंपा गया। यह समर्थन जिला सचिव मनीष जैन की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में संविदा कर्मचारी, शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

समर्थन पत्र के माध्यम से कर्मचारियों ने अपनी जायज़ मांगों को प्रमुखता से रखते हुए सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने, समय पर वेतन भुगतान, कार्य परिस्थितियों में सुधार तथा शासन द्वारा पूर्व में किए गए वायदों को शीघ्र पूरा करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण लंबे समय से लंबित है, जिससे कार्य करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

फेडरेशन अध्यक्ष जाकिर खान ने समर्थन के लिए सेजेस विद्यालयों सहित सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आंदोलन कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए है ।

सेमी क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित

बचेली, प्रतिदिन राजधानी
दंतेवाड़ा जिले के बचेली क्षेत्र में ई.एच.एच. चैरिटेबल फाउंडेशन (पंजीकृत), छत्तीसगढ़ द्वारा सेमी क्रिसमस कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम एबिनेजर मिनिस्ट्रीज़ के पास्टर वी. एबिनेजर राव के मार्गदर्शन में बड़े बचेली के 17 नंबर वार्ड लिंगेश्वर कैंप स्थित एबिनेजर हेल्पिंग होम, एबिनेजर ब्लेसिंग प्रेयर टावर तथा बुरुगपाल, पटेल पारा, कोड़ेनार (जिला बस्तर) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रभु यीशु से संबंधित आराधना, संदेश और प्रार्थना की गई। पास्टर वी. एबिनेजर राव ने क्रिसमस और नववर्ष के अवसर पर बड़े बचेली और बुरुगपाल क्षेत्र के लोगों को शुभकामनाएं दीं।

आयोजन के दौरान फाउंडेशन की ओर से जरूरतमंदों को कपड़े और कंबल वितरित किए गए तथा भोजन की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में बच्चों और ग्रामीणों की भागीदारी रही। फाउंडेशन की ओर से बताया गया कि संस्था द्वारा से प्रशासन के नियमों के अंतर्गत संचालित की जाती हैं।

कार्यक्रम में फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक पास्टर वी. एबिनेजर राव के साथ बड़े बचेली से विजय खुरा, दिनेश बाबा, बुजुर्गजन एवं चर्च के सदस्य उपस्थित रहे।

70 गुम मोबाइल पुलिस ने मालिकों को सौंपा

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी
दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा नागरिकों की मूल्यवान संपत्तियों को उन्हें लौटा कर खुशियां लौटाई जा रही हैं। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक, दंतेवाड़ा गौरव राय द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 70 मोबाइल स्वामियों को उनके हैंडसेट लौटाए गए।

गौरव राय ने मीडिया को जानकारी में बताया कि पुलिस की साइबर सेल द्वारा कल 70 मोबाइल हैंडसेटों को बरामद किया गया। जिनका बाजार मूल्य करीब 20 लाख रुपए है। ज्ञात हो कि मध्य प्रदेश और उड़ीसा राज्य से भी मोबाइल बरामद किए गए। वही दीगर जिलों से भी बड़ी संख्या में मोबाइल हैंडसेट बरामद किए गए।

दिव्यांगों को स्वरोजगार के लिए अधिक से अधिक ऋण देने के निर्देश

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी
छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने जिले के उन दिव्यांगजनों से मुलाकात की, जिन्होंने स्वरोजगार के लिए निगम से ऋण लेकर समय पर उसका भुगतान किया है। इस दौरान उन्होंने कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना से जिले के अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को स्वरोजगार हेतु ऋण लेने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया।

अध्यक्ष श्री कावड़िया ने कहा कि जो हितग्राही समय पर ऋण का भुगतान करेंगे, उन्हें प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही जिस व्यवसाय के लिए ऋण प्रदान किया जाएगा, उससे संबंधित आवश्यक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि व्यवसाय संचालन में किसी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने बताया कि हितग्राहियों को व्यवसाय के लिए आवश्यक उत्पाद उपलब्ध कराए जाएंगे तथा उनके उत्पादों के बिक्री हेतु बाजार की व्यवस्था भी की जाएगी।

इस दौरान जिले के गणेश मलपारख, जिन्होंने किराना दुकान के लिए पांच लाख रुपये का ऋण लिया है, तथा सोनी कटारिया, जिन्होंने कपड़े की दुकान के लिए 95 हजार रुपये का ऋण लिया है, द्वारा समय पर किस्त जमा किए जाने पर उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप नारियल एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

सिडनी टेस्ट के बाद खेल को अलविदा कह देंगे ख्वाजा : क्लार्क

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि अंतिम एशेज टेस्ट के साथ ही अनुभवी सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा संन्यास की घोषणा कर देंगे। क्लार्क ने कहा कि ख्वाजा पिछले काफी समय से अपनी फार्म और फिटनेस से जूझ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की एशेज सीरीज का अंतिम टेस्ट मैच चार जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। इस सीरीज में ख्वाजा ने अब तक तीन टेस्ट मैच खेले हैं पर वह प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ट्रैविस हेड और जेक वेदराल्ड के अच्छे प्रदर्शन के कारण उन्हें तीनों ही मैचों में मध्यक्रम में उतरना पड़ा था। साल 2025 ख्वाजा के लिए अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने उसमें 10 टेस्ट मैचों में कुल 614 रन बनाए थे। ख्वाजा की बढ़त उम्र के कारण भी वह संन्यास के करीब हैं। उन्हें पर्थ में पहले एशेज टेस्ट के दौरान करियर में पहली बार पीठ में अकड़न भी हुई थी। चोट के कारण वह दूसरा टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे। हालांकि, उन्होंने तीसरे मैच में वह वापसी करने में सफल रहे थे। वह मेलबर्न में चौथे मैच में फ्लॉप रहे। क्लार्क का मानना है कि उस्मान को सिडनी टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह ख्वाजा का फेयरवेल टेस्ट होगा। मुझे उम्मीद है कि वह इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

भारत-न्यूजीलैंड पहले वनडे के टिकट बिके, इंदौर मैच के टिकट 3 जनवरी को मिलेंगे, 800 रुपए से शुरुआत होगी

इंदौर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के पहले वनडे मैच के टिकट बिक गए हैं। गुरुवार को सुबह 11 बजे टिकटों की बिक्री शुरू हुई। हालांकि, इस दौरान फैंस को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई फैंस को बुक माय शो पर टिकट नहीं मिल पाए। अब 3 जनवरी को सुबह 5 बजे से इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाले तीसरे मैच के टिकट बिकेंगे। एमपीसीए ने बताया कि फैंस 18 जनवरी को होने वाले इस मैच के टिकट www.district.in से टिकट खरीद सकेंगे। एक व्यक्ति अधिकतम चार टिकट खरीद सकेगा। 3 साल से बड़े बच्चों के टिकट लेना होंगे। न्यूजीलैंड का भारत दौरा 11 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। वनडे सीरीज का पहला मैच बड़ौदा में खेला जाएगा। उसके बाद राजकोट और इंदौर में मैच होंगे। वनडे सीरीज के बाद 21 जनवरी से 5 मैचों की टी-20 सीरीज होगी। सबसे सस्ता टिकट 800 रुपए का सभी टिकट ऑनलाइन बुक होंगे, जो दर्शकों को ऑनलाइन टिकट एजेंसी द्वारा कुरियर के माध्यम से घर तक डिलीवर होंगे। मैच का सबसे सस्ता टिकट 800 रुपए व सबसे महंगा टिकट 7 हजार रुपए का होगा।

नए साल में भारतीय हॉकी के सामने वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स की बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। साल 2025 में शानदार उपलब्धियों के बाद भारतीय हॉकी टीम 2026 में बेहद व्यस्त और अहम अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के साथ कदम रख रही है। एक ओर जहां टीम की नजरें एफआईएच हॉकी विश्व कप में मजबूत प्रदर्शन पर होंगी। दूसरी ओर जापान में होने वाले एशियन गेम्स में खिताब बचाने की चुनौती भी सामने होगी। नए साल की शुरुआत हीरो हॉकी इंडिया लीग (हीरो एचआईएल) के दूसरे सीजन से होगी, जो सफल वापसी के बाद एक बार फिर चर्चा में है। महिला हीरो एचआईएल का समापन 10 जनवरी को रांची में होगा, जबकि पुरुष हीरो एचआईएल 3 जनवरी से 26 जनवरी तक खेली जाएगी। इस दौरान मुकाबले चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में होंगे, जबकि फाइनल मैच कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर में आयोजित किया जाएगा। घरेलू सीजन के बाद भारतीय पुरुष टीम एफआईएच प्रो लीग के भारतीय चरण में हिस्सा लेगी। यह मुकाबले 10 से 15 फरवरी के बीच राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में होंगे। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया में 21 से 25 फरवरी तक शेष प्रो लीग मैच खेलेगी। जून में प्रो लीग के अंतिम मुकाबले नीदरलैंड्स और यूनाइटेड किंगडम में आयोजित किए जाएंगे। भारतीय महिला हॉकी टीम मार्च में एक अहम चुनौती का सामना करेगी। टीम 8 से 14 मार्च तक हैदराबाद में आयोजित विश्व कप क्वालिफायर में खेलेगी। यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप (बेल्जियम और नीदरलैंड्स) में जगह बनाने का आखिरी मौका होगा। इस क्वालिफायर में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया जैसी मजबूत टीमें हिस्सा लेंगी। साल का सबसे बड़ा आयोजन एफआईएच हॉकी विश्व कप अगस्त में खेला जाएगा।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रोविजनल टीम का ऐलान

तीन खिलाड़ियों को वर्ल्ड कप डेब्यू का मौका, पैट कमिंस को भी जगह

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 (भारत और श्रीलंका में प्रस्तावित) के लिए अपनी प्रोविजनल 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। टीम की कमान मिचेल मार्श को सौंपी गई है। इस बार चयनकर्ताओं ने स्पिन गेंदबाजी पर ज्यादा भरोसा जताया है। हॉबर्ट हरिकेन्स के विस्फोटक बल्लेबाज मिचेल ओवेन को टीम में जगह नहीं मिली, जो चयन का सबसे बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है। इसके अलावा 2021 की चैंपियन टीम के विपरीत इस बार किसी भी बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को स्क्वॉड में शामिल नहीं किया गया है।

तीन खिलाड़ियों को मिल सकता है वर्ल्ड कप डेब्यू

स्पिनर मैथ्यू कुह्नेमन , ऑलराउंडर कूपर कोनोली और तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। कूपर कोनोली का चयन चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने पिछले 12 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा नहीं लिया था।

पैट कमिंस की वापसी

टीम में ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन जैसे अनुभवी ऑलराउंडर शामिल हैं। गेंदबाजी विभाग में पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के साथ एडम जम्पा और मार्कस स्टोइनिस अहम भूमिका निभा सकते हैं, खासकर भारतीय पिचों पर। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के चेयरमैन जॉर्ज बेली ने कहा,' टी-20 टीम ने हाल के सालों में शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे हमें भारत और श्रीलंका जैसी परिस्थितियों के लिए संतुलित टीम चुनने की आजादी मिली।'

ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में है। अपने ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत टीम है, लेकिन उसे श्रीलंका और आयरलैंड से कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया का श्रीलंका के साथ 16 फरवरी को मुकाबला होगा। टीम अपना आखिरी लीग मैच 20 फरवरी को ओमान के खिलाफ खेलेगी। उससे पहले उसे 13 फरवरी को जिम्बाब्वे से भी भिड़ना है।

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया का स्क्वाड

मिचेल मार्श, जेवियर बार्टलेट, कूप कोनली, पैट कमिंस, टिम डेविड, कैमरन ग्रीन, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुह्नेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस और एडम जम्पा।

शमी की न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से भारतीय टीम में हो सकती है वापसी

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को अब नये साल में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से अवसर मिल सकता है। शमी की साल 2025 में लगातार उपेक्षा हुई, इसके अलावा वह फिटनेस को लेकर भी परेशान रहे जिससे भी उनके भविष्य को लेकर सवाल उठे हैं। वहीं शमी ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में अपने प्रदर्शन से फार्म और फिटने को साबित किया। वहीं माना जा रहा है कि इस गेंदबाज को इस साल चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं। इससे 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए उनकी वापसी होने की उम्मीद है। शमी के घरेलू प्रदर्शन पर चयनकर्तों की नजरें

बनी हुई हैं। ऐसे में उनकी टीम में वापसी कठिन नहीं मानी जा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसान शमी पर लगातार चर्चा हो रही है।वह चयन की दौड़ से बाहर नहीं हैं। स चिंता उनकी फिटनेस को लेकर है। न्यूजीलैंड एकदिवसीय सीरीज लिए अच्छे दिख रहे हैं। ऐसे में उन्हें इस सीरीज में भी अवसर मिल सकता है। उनके पास लंबा अनुभव है जिसका लाभ लिया जा सकता है। शमी ने अंतिम बार मार्च 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था उसके बाद से ही वह टीम में वापसी नहीं कर पाये। वह वह टूर्नामेंट में मोहम्मद शमी भारत के संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। उन्होंने इसी टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम मैच था, जबकि टेस्ट में जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बाद से ही टीम से बाहर हैं।

उन्होंने घरेलू क्रिकेट में अपने पिछले छह मैचों (तीन विजय हजारे ट्रॉफी और तीन सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी) में 17 विकेट लिए हैं। वहीं रणजी ट्रॉफी में भी उन्होंने इस सीजन सिर्फ चार मैचों में 20 विकेट लिए हैं जिससे पता चलता है कि उनकी गेंदबाजी की धार अभी बनी हुई है। कई दिग्गज क्रिकेटरों ने उनकी टीम में वापसी की मांग की है।

धोनी ने थाईलैंड में परिवार के साथ मनाया नये साल का जश्न

बैंकाक। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने नया साल का जश्न थाईलैंड में मनाया। इस दौरान पूरा परिवार उनके साथ था। इस समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया में आयी हैं। इसमें धोनी परिवार सहित नए साल का जश्न मनाते दिख रहे हैं। इस तस्वीर में धोनी की बेटी जीवा भी उनके साथ है। जीवा को देखकर प्रशंसक बेहद खुश दिखे। साक्षी ने जो तस्वीरें पोस्ट की हैं। उसमें वह थाईलैंड के फुकेट शहर में दिख रहे हैं। इसमें धोनी का पूरा परिवार जश्न मनाता दिख रहा है। उनकी पत्नी साक्षी ने सोशल मीडिया पर सभी को नए साल की शुभकामनाएं दी हैं। धोनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अब केवल आईपीएल ही खेलते हैं। उसमें भी उनका अंतिम सत्र नजर आ रहा है। हर आईपीएल के बाद उनके संन्यास की अटकलें जोर पकड़ने लगती हैं। धोनी ने आईपीएल के लिए काफी अभ्यास भी किया है। रांची के जेएससीए स्टेडियम में उनकी तैयारी के बहुत सारे वीडियो पिछले दिनों सोशल मीडिया में आये थे।

आईसीसी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे हैरी और स्टार्क

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक को लाभ हुआ है। ब्रुक तीन पायदान की छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। एशेज में मेलबर्न क्रिकेट टेस्ट में खेली शानदार पारी से उसके अंक बढ़ें हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क भी सीरीज में अच्छी गेंदबाजी के कारण रैंकिंग में 843 अंक लेकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं भारतीय टीम के जसप्रीत बुमराह 879 अंक लेकर पहले नंबर पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग की बात करें तो हैरी ने एमसीजी मैदान में विपरीत हालातों में 59 रनों की पारी खेली थी, इस प्रकार उन्होंने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसी कारण वह आईसीसी टेस्ट बल्लेबाज़ों की रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर आये हैं । ब्रूक के अब 846 अंक हो गये हैं। अब उनसे आगे केवल जो रूट हैं। रुट के 867 रेटिंग अंक हैं और वह शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के गेंदबाजों की रैंकिंग भी इस मैच से बेहतर हुई है। तेज गेंदबाज जोशुआ टोंग ने मेलबर्न में कुल सात विकेट लिए थे जिससे वह 13 स्थान ऊप आकर 30वें नंबर पर पहुंच गए हैं जबकि गस एटकिंसन चार स्थान के लाभ के साथ ही 3वें और ब्रायडन कार्स छह स्थान उछलकर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। इससे उनकी रैंकिंग भी गिरी है। केवल मिचेल स्टार्क को ही सीरीज में अच्छी गेंदबाजी करने के कारण लाभ मिला है।

अब मार्श पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अब स्टार्क के पास अंतिम टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन कर नंबर एक पर आने का अवसर है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में विराट बना सकते हैं रिकार्ड, सहवाग और पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग का रिकार्ड तोड़ने का अवसर है। सहवाग और पोंटिंग ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे अधिक छह-छह शतक लगाये हैं। वहीं विराट के नाम भी अभी छह शतक ही हैं। ऐसे में आने वाली तीन मैचों की सीरीज में एक और शतक लगाते ही वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे ज्यादा एकदिवसीय शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। ऐसा करके वह सहवाग और रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ देंगे, भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय

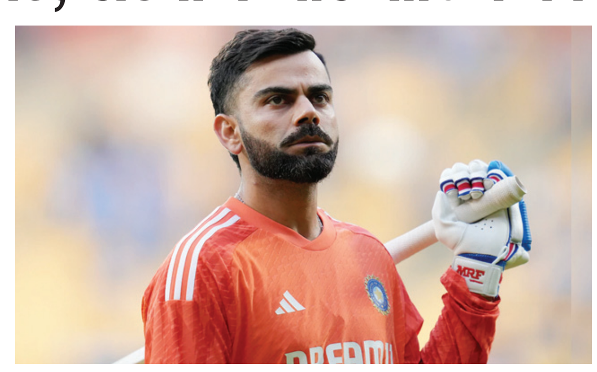

सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी। विराट का कीवी टीम के खिलाफ रिकार्ड अच्छा रहा है। उन्होंने कीवी टीम के खिलाफ एकदिवसीय में 1600 से ज्यादा रन बनाये हैं। विराट ने कीवी टीम के खिलाफ अब तक एकदिवसीय की 33 पारियों में 55.23 की शानदार औसत और 95.50 के स्ट्राइक रेट से 1,657 रन बनाए हैं। पिछले कुछ समय से वह अच्छी लय में हैं। जिससे इस सीरीज में काफी रन बनाने की उम्मीद है। कोहली का न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक स्कोर नाबाद 154 रन रहा। कोहली ने अब तक कीवी टीम के खिलाफ एकदिवीसीय में छह शतक के अलावा नौ अर्धशतक भी लगाए हैं। वहीं सहवाग ने 23 मैचों में जबकि पोंटिंग ने 50 मैचों में छह शतक लगाये हैं जबकि विराट ने अपने शतक 26 एकदिवसीय में लगाये हैं। इसके अलावा महान सचिन तेंदुलकर ने 41 मैचों में पांच शतक जबकि श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने इतने ही शतक 45 मैचों में लगाये हैं। विराट एकदिवसीय विश्वकप 2027 को देखते हुए इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी दावेदारी बनाये रखना चाहेंगे। हाल ही में उन्होंने घरेलू क्रिके में शतक और अर्धशतक लगाये हैं। विराट ने अब तक 308 एकदिवसीय की 296 पारियों में 55.58 की शानदार औसत से 14,557 रन बनाए हैं।

इस साल 18 एकदिवसीय में खेलते नजर आयेंगे रोहित और विराट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा और शीर्ष क्रम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस साल 18 मैचों में नजर आयेंगे। रोहित और विराट ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। आजकल एकदिवसीय मैच काफी कम होते हैं। ऐसे में इन्हें कम ही मैच खेलने को मिलते हैं। इससे इनके प्रशंसकों को इसके मैचों का बेसब्री से इंतजार रहता है। ऐसे में नये साल 2026 में भारत कितने एकदिवसीय मैच खेलेगा और कितने मैचों में विराट और रोहित खेलते हुए नजर आएंगे, इसका प्रशंसकों को इंतजार रहता है। साल 2026 कैलेंडर के लिए भारतीय टीम का कार्यक्रम जारी हो गया है। भारतीय टीम इस साल भी बहुत व्यस्त रहने वाली है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारत को 2026 में 18 एकदिवीसय मैच खेलने हैं और सभी में इन्हें रखा जाना तय है।

नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट आंशिक रूप से लागू

नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और ट्रिब्यूनल की तैयारी शुरू, 1975 में पहली बार प्रपोजल लाया गया था

नई दिल्ली। देश में खेल प्रशासन से जुड़ा नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट गुरुवार से आंशिक रूप से लागू हो गया है। इसके तहत केंद्र सरकार ने उन प्रावधानों को लागू कर दिया है, जिनसे नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल के गठन की प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। यह कानून पिछले साल 18 अगस्त को अधिसूचित किया गया था और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इसे देश का अब तक का सबसे बड़ा खेल सुधार बताया था। इस बिल को 23 जुलाई को लोकसभा में पेश किया गया और 11 अगस्त को इसे वहां पारित कर दिया गया। इससे एक दिन बाद राज्यसभा ने दो घंटे से ज्यादा समय तक चली चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया था। नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 से हुई थी। लेकिन हर बार राजनीतिक कारणों के चलते यह बिल कभी संसद नहीं जा पाया था।

नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड में एक चेयरपर्सन और सदस्य होंगे : नेशनल

स्पोर्ट्स बोर्ड और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल का गठन भी आंशिक रूप से लागू होने के साथ शुरू हो जाएगा। नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड में एक चेयरपर्सन और सदस्य होंगे जिन्हें केंद्र सरकार नियुक्त करेगी, जिनके पास पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, स्पोर्ट्स गवर्नेंस, स्पोर्ट्स लॉ और दूसरे संबंधित क्षेत्रों में खास जानकारी या प्रैक्टिकल अनुभव हो। ये नियुक्तियां एक सर्च-कम-सिलेक्शन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी। मंत्रालय ने कहा, एक्ट को धीरे-धीरे लागू करने का मकसद कानूनी स्पोर्ट्स गवर्नेंस फ्रेमवर्क में आसानी से बदलाव सुनिश्चित करना है।

23 जुलाई को बिल पेश किया था : खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने 23 जुलाई को लोकसभा में नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल, 2025 पेश किया था। इस बिल में खेलों के विकास के लिए नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बॉडी, नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड, नेशनल खेल इलेक्शन पैनल और नेशनल स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल बनाने के प्रावधान हैं। संसद में इस बिल को जीपीसी में भेजने की मांग भी उठी है।

1975 से शुरुआत हुई : नेशनल स्पोर्ट्स बिल को लाने की शुरुआत 1975 में हुई थी। लेकिन राजनीतिक कारणों से यह कभी संसद तक नहीं पहुंच सका था। 2011 में नेशनल स्पोर्ट्स कोड बना, जिसे बाद में बिल में बदलने की कोशिश हुई, लेकिन वह भी अटक गया। अब 2036 ओलिंपिक की बोली लगाने की तैयारी के तहत खेल प्रबंधन में पारदर्शिता और अंतरराष्ट्रीय स्तर की व्यवस्था लाने के लिए इसे लाया गया है।

राशिद की कप्तानी में टी20 विश्वकप में उतरेगी अफगानिस्तान की टीम

काबुल। अफगानिस्तान ने अगले माह भारत और श्रीलंका मे होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम की कप्तानी स्टार स्पिनर राशिद खान को दी गयी जबकि इब्राहिम जादरान को उपकप्तान बनाया गया है। अफगान टीम को विश्वकप से पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलनी है। विश्वकप के लिए फजलहक फारूकी और गुलबदीन नईब को टीम में शामिल किया गया है। इन दोनो को ही इससे पहले हुए बांग्लादेश दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया था। वहीं मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक को भी टीम में शामिल किया गया है। नवीन इससे पहले एशिया कप के

दौरान फिटनेस कारणों से टीम से बाहर थे। वहीं युवा मिस्ट्री स्पिनर गजनफर को रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है।

उनके साथ इजाज अहमदजई और जिया उर रहमान शरीफी को भी रिजर्व सूची में शामिल किया है। अफगान टीम पिछली बार टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची थी। उसने तब न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश को पराजित किया था। वहीं विश्वकप से पहले अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच 19 से 22 जनवरी तक टी-20 सीरीज खेली जाएगी। टी-20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान को ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, यूएई और कनाडा के साथ रखा गया है।

सेंसेक्स 32 अंक गिरकर 85,189 पर बंद...निफ्टी में 17 अंक की बढ़त रही, ऑटो और आईटी शेयर्स में तेजी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज साल के पहले कारोबारी दिन मिला-जुला रुख बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद शेयर बाजार सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। नए साल के मौके पर दुनिया के कई बाजारों में कारोबार बंद होने का असर भी गुरूवार को भारतीय शेयर बाजार पर साफ-साफ नजर आया। गुरूवार को कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। पूरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक सीमित दायरे में कारोबार करते रहे। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसके विपरीत निफ्टी ने 0.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ गुरूवार को कारोबार का अंत किया। गुरूवार को दिन भर के कारोबार के दौरान एफएमसीजी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑयल एंड गैस और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर, बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, मेटल और टेक इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी गुरूवार को मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.02 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गुरूवार को कारोबार का अंत किया। गुरूवार को शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरूवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 476.92 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 475.79 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को गुरूवार को कारोबार से करीब 1.13 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया। गुरूवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,335 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,211 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,952 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 172 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में गुरूवार को 2,872 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,486 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,386 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 38 शेयर हरे निशान में और 12 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स गुरूवार को 34.95 अंक की मामूली मजबूती के साथ 85,255.55 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी ऊपर नीचे होने लगी। खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 231.10 अंक की तेजी के साथ 85,451.70 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर इसने लाल निशान में 119.08 अंक की कमजोरी के साथ 85,101.52 अंक तक गोता भी लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 32 अंक की मामूली गिरावट के साथ 85,188.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने गुरूवार को 43.70 अंक उछल कर 26,173.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

बाजार खुलने के बाद पूरे दिन इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होता रहा। लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी 67.95 अंक की तेजी के साथ 26,197.55 अंक तक पहुंचा। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये 16.20 अंक की कमजोरी के साथ 26,113.40 अंक तक गिर भी गया। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी 16.95 अंक की बढ़त के साथ 26,146.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

वर्ष 2025 में वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल...

मारुति सुजुकी की बिक्री दिसंबर में 22 फीसदी बढ़कर 2,17,854 इकाई

नई दिल्ली। बीता वर्ष 2025 वाहन निर्माता कंपनियों के लिए बेहतर रहा है। मारुति सुजुकी इंडिया, किआ इंडिया, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने रेग्युलेटरी फाइलिंग में गुरुवार को यह जानकारी दी। जीएसटी घटने से गाड़ियों की कीमतें कम हुई, जिसका फायदा ऑटो कंपनियों को मिल रहा है। अक्टूबर, नवंबर के बाद अब दिसंबर महीने में भी गाड़ियों की बंपर बिक्री हुई है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने एक बयान में बताया कि दिसंबर 2025 में कुल बिक्री सालाना आधार पर 22.21 फीसदी बढ़कर 2,17,854 इकाई हो गई। दिसंबर 2024 में यह 1,78,248 इकाई रही थी। वाणिज्यिक वाहनों और टोयोटा किर्लोस्कर की आपूर्ति सहित कुल घरेलू बिक्री दिसंबर 2025 में 1,92,115 इकाई रही जबकि दिसंबर 2024 में यह 1,40,829 इकाई थी। मारुति सुजुकी इंडिया की दिसंबर 2025 में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 1,78,646 इकाई रही जो 2024 की इसी अवधि में 1,30,117 इकाई थी। ऑल्टो एवं एस-प्रेसो जैसी छोटी कार की बिक्री दिसंबर महीने 14,225 इकाई रही, जो दिसंबर 2024 में 7,418 इकाई रही थी। इसी तरह बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर जैसी कॉम्पैक्ट कार की बिक्री दिसंबर 2025 में 78,704 इकाई रही, जबकि 2024 के इसी महीने में यह 54,906 इकाई थी। कंपनी ने बताया कि यूटिलिटी वाहनों ब्रेजो, एर्टिगा, फ्रोंक्स, ग्रैंड विटारा, इनविक्टो, जिम्नी, विक्टोरिस और एक्सएल6 की कुल बिक्री दिसंबर 2024 की 55,651 इकाई के मुकाबले 73,818 इकाई रही। हालांकि, मारुति सुजुकी इंडिया का निर्यात दिसंबर 2025 में घटकर 25,739 इकाई रह गया जबकि दिसंबर 2024 में यह 37,419 इकाई था। वाहन विनिर्माता कंपनी किआ इंडिया की दिसंबर में बिक्री दो गुना से अधिक होकर 18,659 इकाई रही। दिसंबर 2024 में यह 8,957 इकाई रही थी। किआ इंडिया ने जारी बयान में कहा कि कैलेंडर वर्ष 2025 के लिए कुल थोक बिक्री 2,80,286 इकाई रही। यह कैलेंडर वर्ष 2024 की 2,45,000 इकाई से 15 प्रतिशत फीसदी है। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की दिसंबर 2025 में निर्यात सहित कुल बिक्री सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 86,090 इकाई हो गई। महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने बताया कि दिसंबर 2025 में घरेलू यात्री वाहनों की बिक्री 23 फीसदी बढ़कर 50,946 इकाई हो गई।

देश का जीएसटी संग्रह दिसंबर में छह फीसदी बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। अर्थव्यस्था के मोर्चे पर अच्छी खबर है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) राजस्व संग्रह से सरकार का खजाना भर गया है। दिसंबर में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 6.1 फीसदी बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। पिछले साल दिसंबर, 2024 में जीएसटी राजस्व संग्रह 1.64 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा था। जीएसटी महानिदेशालय ने गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि जीएसटी दरों में कटौती के बाद घरेलू बिक्री राजस्व में वृद्धि सुस्त रहने से जीएसटी संग्रह की रफ्तार नरम पड़ी है। इसके बावजूद दिसंबर में सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 6.1 फीसदी बढ़कर 1.74 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा है। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में सेंट्रल जीएसटी संग्रह बढ़कर 34,289 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी संग्रह 41,368 करोड़ रुपये, जबकि आईजीएसटी संग्रह बढ़कर 98,894 करोड़ रुपये रहा है। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर, 2025 में घरेलू लेन-देन से सकल राजस्व 1.2 फीसदी बढ़कर 1.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 19.7 फीसदी बढ़कर 51,977 करोड़ रुपये रहा। दिसंबर में कर 'रिफंड' 31 फीसदी बढ़कर 28,980 करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के मुताबिक दिसंबर में शुद्ध जीएसटी राजस्व संग्रह (कर रिफंड समायोजन के बाद) 1.45 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.2 फीसदी अधिक है। पिछले महीने उपकर संग्रह घटकर 4,238 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 12,003 करोड़ रुपये रहा था।

सांख्यिकी मंत्रालय ने लांच किया नया लोगो और शुभंकर

नई दिल्ली। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने गुरुवार को अपना नए लोगो और शुभंकर लॉन्च किया। यह मंत्रालय की अपनी संस्थागत पहचान को आधुनिक बनाने, लोक संपर्क बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में आधिकारिक आंकड़ों की भूमिका को सुदृढ़ करने के प्रयासों का हिस्सा है। मंत्रालय के मुताबिक नए लोगो में अशोक चक्र, सत्य, पारदर्शिता और सुशासन का प्रतीक है। मध्य में स्थित रुपये का चिह्न आर्थिक नियोजन, नीति निर्माण और राष्ट्रीय विकास में आंकड़ों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है। संख्याओं और प्रतीकों का उपयोग आधुनिक डेटा प्रणालियों तथा सांख्यिकी विज्ञान को दर्शाता है। वहीं, ऊपर की ओर

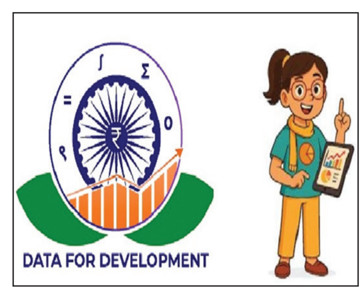

बढ़ती विकास रेखा प्रगति को दर्शाती है और बताती है कि विश्वसनीय डेटा सतत आर्थिक विकास की कैसे सहायता करता है। केसरिया, सफेद, हरा और गहरा नीला रंग भारत के राष्ट्रीय मूल्यों - विकास, सत्य, स्थिरता, स्थायित्व और ज्ञान-का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो आधिकारिक आंकड़ों के भरोसे और विश्वसनीयता को मजबूत करते हैं।

इसके अलावा सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने अपना नया शुभंकर, सांख्यिकी प्रस्तुत किया है। ये एक मैत्रीपूर्ण और लोक-केंद्रित चरित्र है, जिसे देशभर के लोगों के लिए आंकड़ों को सरल, समझने योग्य और आकर्षक बनाने के लिए बनाया गया है। यह शुभंकर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के मूल मूल्यों-सटीकता, पारदर्शिता और डेटा-आधारित शासन को दर्शाता है और आंकड़ों को इस तरह से प्रस्तुत करता है जो आम जनता के लिए समझना सरल है। मंत्रालय ने कहा कि एक भरोसेमंद और बुद्धिमान आकृति के रूप में डिजाइन किया गया, सांख्यिकी जटिल सांख्यिकीय अवधारणाओं को सरल और दृश्य तरीके से समझाने में मदद करता है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की सार्वजनिक पहचान के रूप में, इस शुभंकर का उपयोग राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षणों, जागरूकता अभियानों, शैक्षिक सामग्री, डिजिटल प्लेटफार्मों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में किया जाएगा। इसका परिचय एनएसओ सर्वेक्षणों में जनता की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने और एक सुसंगत तथा पहचानने योग्य दृश्य उपस्थिति के माध्यम से आधिकारिक आंकड़ों में विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बॉलीवुड समाचार

'किस किसको प्यार करूं 2' की फिर से होगी रिलीज, तारीख आई सामने

कॉमेडियन कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' फिर सिनेमाघरों में लौट रही है। ऐसा पहली बार देखने को मिला है जब रिलीज के एक महीने के अंदर कोई फिल्म दूसरी बार रिलीज हो रही है। फिल्म निर्माता रतन जैन ने पूरा विश्वास जताया है और प्रशंसकों को आश्वत किया है कि ये शुद्ध पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है। जाहिर है कि 14 दिसंबर को रिलीज इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बेहद खराब प्रदर्शन किया था।

इस दिन दोबारा रिलीज होगी फिल्म

कपिल अभिनीत 'किस किसको प्यार करूं 2' 9 जनवरी, 2026 को फिर से सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनुकल्प गोस्वामी द्वारा निर्देशित फिल्म में वारिना हुसैन, आयशा खान, त्रिधा चौधरी, पारुल गुलाटी और मंजोत सिंह प्रमुख किरदार में हैं। उनके अलावा, दिवंगत अभिनेता असरानी भी फिल्म का हिस्सा थे। इससे पहले कपिल की टीम ने दावा किया था कि रणवीर सिंह की 'धुरंधर' के चलते, उनकी फिल्म सीमित सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस वजह से खास प्रदर्शन नहीं कर सकी।

शाकाहारी लोग होते हैं नस्लवादी : कुणाल

भारतीय सिनेमा के दिग्गज कपूर परिवार से ताल्लुक रखने वाले, दिवंगत अभिनेता शशि कपूर के बेटे कुणाल कपूर का मानना है कि जब वे अपने घर आने वाले शाकाहारियों को शाकाहारी खाना परोसते हैं, तो उन्हें किसी शाकाहारी के घर जाने पर मांसाहारी खाना क्यों नहीं दिया जाता है। कुणाल कपूर ने कहा, मुझे लगता है कि शाकाहारी लोग नस्लवादी होते हैं। एक्टर, फिल्ममेकर और थिएटर प्रेमी कुणाल कपूर ने कहा है कि वे शाकाहारियों को तिरस्कार की नजर से देखते हैं। यह बात कुणाल ने एक पॉडकास्ट पर बातचीत के दौरान कही। पूजा, आलिया भट्ट की बड़ी बहन हैं, जिनकी शादी रणबीर कपूर से हुई है, वो कुणाल के भतीजे हैं। पूजा ने शाकाहारी फ्रांसीसी खाने का जिक्र करने पर कुणाल से पूछा, तो क्या मैं नस्लवादी हूं कुणाल ने कहा, हां, तुम हो, क्योंकि तुम मुझे मांसाहारी खाने से इनकार करती हो। मेरे यहां शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह का खाना मिलता है। लेकिन जब मैं किसी शाकाहारी के घर जाता हूं, तो वो मुझे मांसाहारी खाना नहीं देता। लेकिन अपने घर में, मैं उसे दावत देता हूं। मैं उसे शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह का खाना देता हूं। पूजा हंसती रहीं। अभिनेता शशि कपूर और जेनिफर केंडल के बेटे कुणाल ने कॉनरैड रूक्स की 1972 में आई इंडो-अमेरिकन फिल्म सिद्धार्थ से अपने करियर की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने शशि कपूर के बेटे का किरदार निभाया था।

9 जनवरी को 'द राजा साब' सिनेमाघरों में होगी रिलीज

नए साल में 9 जनवरी को फिल्म द राजा साब सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इससे पूर्व प्रभास, संजय दत्त, बोमन ईरानी स्टारर द राजा साब का नया ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह ट्रेलर फिल्म की कहानी, इसके रहस्य और रोमांच की दुनिया में गोते लगाती है। मारुति के डायरेक्शन में बनी इस हॉरर कॉमेडी के इस नए ट्रेलर को 2.0 नाम दिया गया है और यकीनन इसे देखकर प्रभास की फिल्म से उम्मीदें बढ़ जाती हैं। फिल्म का प्लॉट पिछले ट्रेलर से ही सामने आ गया था, जहां प्रभास के किरदार की नजर अपनी आर्थकि तंगी से छुटकारा पाने के लिए विरासत में मिले महल पर है। लेकिन असल में माया महल का तिलिस्म उसके दादा से जुड़ा है। इस नए ट्रेलर में हमें प्रभास का जबरदस्त एक्शन, संजय दत्त का खूंखार अंदाज और बोमन ईरानी नजर आते हैं। मुंह में सिगार और धांसू एक्शन करते प्रभास की द राजा साब में बोमन ईरानी इस बार सरप्राइज एलिमेंट की तरह हैं। वह कहानी की परतों से दर्शकों को रूबरू करवाते हैं। जबकि संजय दत्त का भुतहा अवतार कंपाने वाला है। प्रभास, संजय दत्त, बोमन ईरानी के साथ ही फिल्म में मालविका मोहनन, रिद्धी कुमार और निधि अग्रवाल भी हैं। यह हॉरर कॉमेडी, असल में हिप्नोटिज्म के इर्द-गिर्द बुनी गई है। संजय दत्त जहां प्रभास के दादा और एक ऐसे भूत के किरदार में हैं, जो बहुत ताकतवर है। उसका अपना तिलिस्म है, वहीं बोमन ईरानी हिप्नोटिस्ट के किरदार में हैं। वह प्रभास की संजय दत्त की आत्मा से छुटकारा पाने में मदद करते हैं। ट्रेलर में हम देखते हैं कि प्रभास के दादा के रोल में संजय दत्त का किरदार मरने के बाद खतरनाक रूप ले लेता है। उनकी आत्मा एक बड़े से बंगले में रहती है और इतनी ताकतवर है कि उसे हराया नहीं जा सकता। कहानी में एक इमोशनल साइड भी दिखाया गया है, जिसमें प्रभास की दादी जरीना वहाब अस्पताल में भर्ती है। फिल्म पोते और उसके भूतिया दादा के बीच जबरदस्त टकराव है। हम देखते हैं कि अपने दादा की सच्चाई पता लगाने के लिए प्रभास का किरदार बंगले में घुसता है, इस बात से अनजान कि जो भी अंदर जाता है, वह संजय दत्त की मौजूदगी के काले जादू के असर में आ जाता है।

धर्मेंद्र जी को पर्दे पर देखा तो मेरा दिल भर आया : अनिल शर्मा

बॉलीवुड के हीमैन स्वर्गीय धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म इक्कीस की एक खास स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें सलमान खान, सनी देओल, बॉबी देओल और रेखा जैसी जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद लोगों की भावनात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इस कड़ी में दिग्गज अभिनेता, निर्देशक और लेखक अनिल शर्मा और कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने दिल छू लेने वाला पोस्ट साझा किया। फिल्म देखने के बाद अनिल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जब मैंने धर्मेंद्र जी को पर्दे पर देखा तो मेरा दिल भर आया। उन्हें नम आंखों से देखना एक अलग ही एहसास था। धर्मेंद्र ने फिल्म में ऐसा अभिनय किया है, जिसमें गरिमा भी है और गहराई भी। उनके जैसे कलाकार बहुत कम होते हैं जो बिना ज्यादा बोले भी बहुत कुछ कह जाते हैं। अनिल शर्मा ने फिल्म की टीम को बधाई दी और कहा, मेकर्स,

टेक्नीशियन और उन कलाकारों को बधाई, जिन्होंने फिल्म बनाने में मदद की।

धर्मेंद्र जी हमेशा दर्शकों के दिलों में जिंदा रहेंगे। अगस्त्य नंदा का अभिनय भी सच्चा और असरदार था।अनिल शर्मा के अलावा कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने भी इक्कीस को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर कीं। उन्होंने लिखा, मैंने इक्कीस देखी, यह फिल्म दिल से बनी है। कहानी सीधी और प्रभावशाली है। यह खत्म होने के बाद भी लंबे समय तक मन में बनी रहती है। मुकेश छाबड़ा ने धर्मेंद्र के अभिनय को बेहद गरिमापूर्ण बताया और कहा कि अगर यह उनकी आखिरी फिल्म है, तो इससे बेहतर विदाई नहीं हो सकती। उन्होंने जयदीप अहलावत के काम की भी तारीफ की और फिल्म को उम्मीद से कहीं ज्यादा खास बताया।

मुकेश छाबड़ा ने फिल्म के युवा कलाकारों पर भी बात की। उन्होंने लिखा, अगस्त्य नंदा और सिमर भाटिया, दोनों ही स्क्रीन पर बहुत सहज और खूबसूरत लगे। उनकी प्यारी आंखें और मनमोहक केमिस्ट्री कमाल की थी। अगस्त्य की मासूमियत और ईमानदारी सचमुच चमक उठी। विवान शाह और सिकंदर खेर का काम भी शानदार था, और सबसे बढ़कर निर्देशक श्रीराम राघवन सर ने एक बार फिर दिल को छू लिया। उन्होंने सच्ची कहानी को बड़े सादे अंदाज में पेश किया है। फिल्म इक्कीस की कहानी 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध पर आधारित है। यह एक वॉर ड्रामा है, जो सेकंड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की सच्ची कहानी दिखाती है।

अरुण खेत्रपाल परमवीर चक्र विजेता थे। उन्होंने सिर्फ 21 साल की उम्र में देश के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। इसी वजह से फिल्म का नाम इक्कीस रखा गया है। फिल्म में अरुण खेत्रपाल की भूमिका अगस्त्य नंदा निभा रहे हैं, जबकि धर्मेंद्र उनके पिता के किरदार में हैं।

नए साल में 'द ब्लैक गोल्ड' का पोस्टर जारी, महिला पुलिस अधिकारी बन छाईं सम्युक्ता

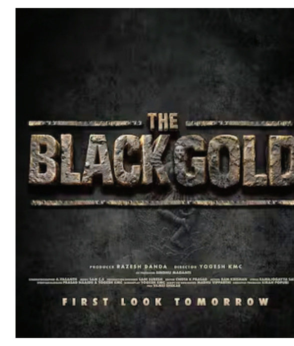

नए साल पर दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्री सम्युक्ता की महिला प्रधान एक्शन थ्रिलर फिल्म 'द ब्लैक गोल्ड' का पोस्टर जारी किया गया है। इसका निर्माण राजेश डंडा द्वारा हास्य मूवीज बैनर तले मगांती पिक्चर्स के सहयोग से किया गया है। वहीं निर्देशन की कमान योगेश केएमसी ने संभाली है। निर्माताओं ने करीब 75 प्रतिशत शूटिंग निपटा ली है। फिलहाल फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जारी है। 'द ब्लैक गोल्ड' 2026 की गर्मियों के दौरान सिनेमाघरों का रुख करेगी।

साहसिक किरदार में नजर आई सम्युक्ता : पैन इंडिया फिल्म 'द ब्लैक गोल्ड' में सम्युक्ता महिला पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आएंगी। यह उनके करियर की अभी तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। पोस्टर में खून से लथपथ कपड़े और हाथ में बंदूक थामे अभिनेत्री का साहसिक अवतार देखने लायक है। उनकी ये झलक फिल्म 'मर्दानी' में रानी मुखर्जी के किरदार की याद दिलाता है। सिनेमाघरों में यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, तमिल और मलयालम भाषा के साथ रिलीज होगी।

नए साल में ओटीटी करेगा धमाका, एक्शन से रोमांस तक कई फिल्में-सीरीज देंगी दस्तक

नया साल अपने साथ मनोरंजन की भरपूर डोज लेकर आया है। जनवरी, 2026 में घर बैठे एक्शन-थ्रिलर और रोमांटिक जॉनर का लुत्फ उठाने का पूरा मौका मिलने वाला है। सूची में अभिनेता इमरान हाशमी और अजय देवगन की चर्चित फिल्म और सीरीज का नाम भी शामिल है, जिसका इंतजार बेसब्री से किया जा रहा है।

'तस्करी' और 'ब्रिजर्टन सीजन 4' : अभिनेता इमरान ओटीटी के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। उनकी वेब सीरीज 'तस्करी: द स्मगलर वेब' 14 जनवरी, 2026 को नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। उनके अलावा इसमें शरद केलकर, अमृता खानविलकर, नंदीश सिंह संधू, अनुराग सिन्हा और जोया अफरोज भी प्रमुख किरदार में दिखेंगे। नेटफ्लिक्स का रोमांटिक ड्रामा 'ब्रिजर्टन सीजन' पिछले 3 सीजनों से लोगों का पसंदीदा बना हुआ है। इसका चौथा सीजन 29 जनवरी को रिलीज हो रहा है।

'फ्रीडम एट मिडनाइट 2' और 'दे दे प्यार दे 2' : सोनी लिव की चर्चित वेब सीरीज 'फ्रीडम एट मिडनाइट' का दूसरा सीजन 9 जनवरी को स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगा। निखिल आडवाणी द्वारा निर्मित इस सीरीज की कहानी भारत-पाकिस्तान बंटवारे के क्रूर प्रभास पर आधारित है।

अजय देवगर और रकुल प्रीत सिंह की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' सिनेमाघरों में दर्शकों का दिल जीतने में कामयाब रही थी।

कलेक्टर उइके ने कार्यलयीन अवधि में अनुपस्थित 09 अधिकारी-कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी

गरियाबंद, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्री बीएस उइके ने आज नववर्ष के अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय में संचालित विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्य, श्रम, योजना एवं सांख्यिकी, खनिज विभाग, निर्वाचन शाखा, पीएमजीएसवाय, शिक्षा, आबकारी, महिला एवं बाल विकास, आदिवासी विकास विभाग एवं उद्यानिकी विभाग, लोक सेवा केंद्र के कार्यालय का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय के शाखाओं में जाकर अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति, स्थापना, फाइलों का भंडारण एवं स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय में कार्यालयीन समय में उपस्थित शासकीय कर्मियों की जानकारी ली। कार्यलयीन समय पर अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारी–कर्मचारियों पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने बिना सूचना के अनुपस्थित शासकीय सेवकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कार्यालयीन समय में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों की सैलरी भी काटने के निर्देश दिए। साथ ही चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों को निर्धारित ड्रेस में ही कार्यालय आने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि शासन के मंशा अनुसार सभी शासकीय सेवक निर्धारित समय में कार्यालय में उपस्थित होकर शासकीय दायित्वों का

निर्वहन करें। उन्होंने जिला अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कार्यालयों के कर्मचारियों को भी निर्धारित समय में कार्यालय आने के नियम का पालन करवाने के निर्देश दिये। महिला स्व–सहायता द्वारा परिसर में संचालित भुतेश्वर नाथ केंटिन के रसोई कक्ष का निरीक्षण किया जिसमें महिलाओं को साफ–सफाई एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन–व्यंजन निर्माण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार निरीक्षण के दौरान लोक सेवा केन्द्र में आधार में त्रुटि सुधार के लिए मैनपरु से आए 2 स्कूली छात्राओं के समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने के लिए कहा। निरीक्षण के दौरान अधीक्षक श्री सुदामा ठाकुर सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान सभी शाखाओं में नस्तियों के व्यवस्थित संधारण एवं साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने एवं पुराने एवं अनुपयोगी फाईलों को डिस्पोज करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी आलमारियों में रजिस्टर एवं दस्तावेजों को क्रमबद्ध तरीके से रख कर फाइलों के नाम युक्त सूची अलमारी में चिपकाने के निर्देश दिए। जिससे आसानी से फाइलों को कार्य अनुसार निकाला जा सके। कलेक्टर श्री उइके ने निरीक्षण के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर का भी अवलोकन किया। उन्होंने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में गंदगी नहीं करने एवं इधर उधर बिखरे पड़े कूड़ा करकटों को तत्काल सफाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

आईटीआई पास आउट युवाओं के लिए चिरमिरी में 15 जनवरी को मारुति सुजुकी ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव

एमसीबी, प्रतिदिन राजधानी

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था चिरमिरी में आईटीआई उत्तीर्ण युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार के निर्देशानुसार भारत की नंबर एक पैसेंजर कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड द्वारा भव्य ओपन कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। यह प्लेसमेंट ड्राइव 15 जनवरी 2026 को प्रातः 10:00 बजे शासकीय आईटीआई चिरमिरी, जिला कोरिया (छत्तीसगढ़) में आयोजित होगी। इस विशेष प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से योग्य एवं इच्छुक आईटीआई पासआउट अभ्यर्थियों को देश की प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी में करियर बनाने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। प्लेसमेंट ड्राइव में मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, ट्रैक्टर मैकेनिक, मशीनिस्ट, इलेक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, वेल्डर, पेंटर, वायर मैन, शीट मेटल, सीआई ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक मैकेनिक, टूल एंड डाई तथा पीपीओ ट्रेड के अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं।

पात्रता के अनुसार जॉइनिंग के समय अभ्यर्थी की आयु 18 से 26 वर्ष के बीच होनी चाहिए। 10वीं कक्षा में न्यूनतम 40 प्रतिशत एवं आईटीआई में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य हैं। अभ्यर्थी का शारीरिक रूप से फिट होना आवश्यक है, जिसमें कोई वर्णांधता, शारीरिक विकृति या अत्यधिक कम अथवा अधिक बीएमआई न हो। चयनित अभ्यर्थियों को आकर्षक वेतन एवं सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। एफटीसी के अंतर्गत 25,300 रुपए प्रति माह सीटीसी के साथ वार्षिक वैधानिक बोनस दिया जाएगा, जो 12 माह के अनुबंध पर आधारित होगा। अप्रेंटिसशिप के लिए 19,500 रुपए प्रति माह स्टाइपेंड निर्धारित है। इसके अतिरिक्त सब्सिडी युक्त भोजन एवं छात्रावास, वर्दी, पीपीई एवं सुरक्षा जूते तथा कंपनी की नीति के अनुसार अवकाश और छुट्टियों की सुविधा भी मिलेगी।

चयनित उम्मीदवारों की कार्यस्थल पोस्टिंग मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड के गुजरात प्लांट में की जाएगी, जो प्लॉट क्रमांक 334–335, ग्राम हंसपुर, पिराराजी, मंडल तालुका, अकाद, गुजरात में स्थित है।

साक्षात्कार में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों को 10वीं एवं आईटीआई की मार्कशीट की स्व–सत्यापित प्रति, आधार कार्ड, पैन कार्ड की स्व–सत्यापित प्रति तथा एक पासपोर्ट साइज फोटो अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। यह प्लेसमेंट ड्राइव पूर्णतः निःशुल्क है, इसके लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। प्लेसमेंट ड्राइव का समन्वय शेपर्स टैलेंट इंडिया द्वारा किया जा रहा है। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी +91–9953002111, +91–9990724900 अथवा +91–9560015542 पर संपर्क कर सकते हैं। शासकीय आईटीआई चिरमिरी द्वारा सभी पात्र युवाओं से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की गई है।

सुपोषित छत्तीसगढ़ अभियान अंतर्गत समुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन का शुभारंभ

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

जिले में सुपोषित छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत कुपोषण से मुक्ति के उद्देश्य से समुदाय आधारित कुपोषण प्रबंधन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सखी केन्द्र दंतेवाड़ा के सभा कक्ष में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पायल गुप्ता तथा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुनीता भास्कर उपस्थित रहीं। उनके साथ अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारीगण भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले में कुपोषण की दर में कमी लाना तथा एनीमिक गर्भवती महिलाओं एवं कुपोषित बच्चों को सुपोषित बनाना है। इसके अंतर्गत गंभीर एवं मध्यम कुपोषित (एसएएम,एमएएम) बच्चों, संकटग्रस्त बच्चों तथा चिकित्सकीय उपचार की आवश्यकता वाली गर्भवती माताओं को विशेष समुदाय

आधारित प्रयासों के माध्यम से लक्षित किया जाएगा।

अभियान के तहत सुपोषण दूत का चयन किया जाएगा, जो 70 प्रतिशत मध्यम कुपोषित एवं 30 प्रतिशत गंभीर कुपोषित बच्चों को गोद लेकर विभागीय योजनाओं एवं समुदाय के सहयोग से उनकी नियमित देखभाल करेंगे। बच्चों को सामान्य पोषण स्तर में लाने पर सुपोषण दूतों को प्रति बच्चा प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसी प्रकार महिला स्व–सहायता समूहों को भी कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उनकी देखभाल हेतु जोड़ा जाएगा, जिन्हें निर्धारित मानदेय के अनुसार प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। कुपोषण के प्रभावी प्रबंधन हेतु जिला स्तर पर प्रबंध समिति का गठन किया गया है। साथ ही कुपोषित बच्चों को स्थानीय निधि से पोषण आहार उपलब्ध कराए जाने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक, सुपोषित छत्तीसगढ़ अभियान के संभागीय सलाहकार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा महिला स्व–सहायता समूहों के अध्यक्ष एवं सदस्य उपस्थित रहे।

BUSINESS ADVERTISEMENT

मैट्रेस (गद्दा) 30% से 50% लेस
चादरे 9x9 400 से 1000 तक | कम्फर्टर दोहड़ | कम्बल रजाई
प्रोटेक्टर तकिया | सोफा कमबेड रजाई-गद्दा कव्हर | टावेल रुई गद्दा | सोफा कव्हर
पुराना गद्दा लाये नया ले जाये
संजय रुई भंडार
निराकारी फर्नीचर के पीछे कांच घर गोडाउन के पास, पंडरी रायपुर
9827976266, 7987918262

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में (व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com
GST-Return | प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TDS रिफंड | CMA DATA | MSME रजिस्ट्रेशन | Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

Only for Ladies
Aura BEAUTY HUB SALON
Hair Skin Makeup Salon & Academy
SERVICES
- Threading
- Facial
- Skin Treatment
- Under Eye Treatment
- Normal Wax (All Flavors)
- Rica Wax (All Flavors)
- Manicure-Padicure (Normal/Delux)
- Bleach
- Body Polishing
- Hair Styling
- Hair Cut Styling
- Hair Straitening
- Hair Spa
- Hair Ironing
- Rebonding
- Smoothing
- Party Makeup
- Bridal Makeup
Time 10am to 8pm
All Type of Beauty Service Can Be Done by Your Own Products Also..
+91 96699 56559
+91 76949 79212

शिव शक्ती
आयुर्वेदिक प्रचार गाड़ी
(मायुष जवानो के लिये नया संदेश)
क्या आप अपनी बिमारीयों का ईलाज करा के परेशान है और कोई फायदा नहीं मिला तो हमारे यहाँ एक बार अवश्य मिले यहाँ गारंटी से ईलाज किया जाता है।
नोटः पुरुष रोग - नामर्दी, शीघ्र पतन, स्वपनदोष, नपुंसकता, धातु पतला, पेशाब से धातु जाना, लिंग की कमजोरी, स्थिलता लिंग में टेड़ापन या लुझपन या ढीला हो जाना, शुक्राणु की कमी होना, ना बनना, कामौत्तेजना की कमी, संतान न होना आदि सभी समस्या का सटीक अयुर्वेद के माध्यम से ईलाज किया जाता है।
नोटः स्त्री रोग - सफेद पानी जाना, लिकोरीया, महावारी खराब
नोटः बिमारी लीवर कमजोर, कब्ज, गैस, एसीडीटी, पेट की खराबी, अलशर, बवासीर, रघुनी, बादी, मस्सा होना, गठिया वात, सायटीका, वात, लकवा, घुटनो, कमर दर्द, कैल्शियम की कमी, सुगर, मोटापा, दाद, खाज, खुजली, बालो का झाड़ना, गंजापन, इन सभी बीमारीयों का ईलाज आयुर्वेदी ग्रन्थो के अनुसार तैयार दवाईयो एवं जड़ी-बुटीयो के माध्यम से किया जाता है।
मो.नं. 6264268621
पता : भारत माता चौक, गुढ़ियारी थाना के पास स्टेशन रोड, रायपुर (छ.ग.)

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

सुशासन के 2 साल: विकास की नई राह पर रायगढ़, हर क्षेत्र में लिखी जा रही तरक्की की कहानी

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ में नई सरकार के गठन के बाद बीते दो वर्षों में रायगढ़ जिले ने विकास की जिस गति को पकड़ा है, उसने जिले की तस्वीर बदल रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन के संकल्प और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के स्पष्ट विजन का ही परिणाम है कि रायगढ़ विकास, पारदर्शिता और जनकल्याण का एक सशक्त उदाहरण बनकर उभर रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और महिला सशक्तिकरण तक हर क्षेत्र में योजनाओं का लाभ आम आदमी तक पहुंच रहा है। गरीबों के लिए पक्के मकान का सपना रायगढ़ में हकीकत बनता नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन में रायगढ़ ने पूरे छत्तीसगढ़ में पहला स्थान हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में लक्ष्य के विरुद्ध 35 हजार से अधिक आवासों का

निर्माण पूरा किया गया, शहरी क्षेत्रों में भी पात्र परिवारों को अपने पक्के घर का सुख मिला है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में स्पष्ट बदलाव आया है। शिक्षा के क्षेत्र में रायगढ़ को नई पहचान दिलाने की दिशा में ऐतिहासिक पहल की गई है। 42.56 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन नालंदा परिसर न केवल प्रदेश की सबसे बड़ी हाईटेक लाइब्रेरी होगी, बल्कि रायगढ़ को एक प्रमुख एजुकेशन हब के रूप में स्थापित करेगी। डिजिटल शिक्षा की ओर बढ़ते कदमों के तहत 2.19 लाख से अधिक स्कूली बच्चों की अपार आईडी डिजिटल पहचान तैयार की जा चुकी है। स्कूली शिक्षा के साथ बच्चों को आईआईटी, जेईई, नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए रायगढ़ जिले में प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित किया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य और पोषण को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी की पहल पर आश्रम एवं छात्रावास में रहने वाले कक्षा 9वीं और 10वीं के 1860 छात्रों को स्कूल के दौरान गरम टिफिन भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे बच्चों की उपस्थिति और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी हुई है। शहर के मध्य आधुनिक सुविधाओं से युक्त हरा-भरा ऑक्सीजोन एवं उद्यान तैयार साथ योगा व व्यायाम जैसी गतिविधियां कर सकेंगे। शहर के मध्य स्थित केलो पुल का सौंदर्यीकरण एवं आधुनिक लाईटिंग की गई है।

वर्ष 2026 में जिलेवासियों के लिए कई बड़े और प्रतीक्षित प्रोजेक्ट शुरू होने की संभावना

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

वर्ष 2012 में पृथक जिला के रूप में अस्तित्व में आए बलौदाबाजार के लिए हर वर्ष नई योजनाएं और सौगातें जिले वासियों के लिए नए साल का तोहफा देती हैं। वर्ष 2025 कई मायनो में महत्वपूर्ण रहा और वर्ष 2026 के लिए जिले वासियों की उम्मीदें और अधिक बढ़ गई हैं। कई परियोजनाएं ऐसी है जिनका इंतजार वर्षों से किया जा रहा था और नए वर्ष में उनका प्रारंभ होने की संभावना है जो जिले की रूपरेखा ही बदल देगा

रायपुर बलौदाबाजार मार्ग को मिलेगा फोर लाइन विस्तार

बलौदाबाजार रायपुर मार्ग पर बीते वर्षों से भारी यातायात बढ़ गया हैं। यह मार्ग न केवल जिले वासियों के लिए बल्कि रायगढ़, जांजगीर चंपा और उड़ीसा की ओर जाने वाली भारी वाहनों के लिए मुख्य मार्ग हैं। इसी वजह से यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। शासन ने इस मार्ग को फोर लेन बनाने की घोषणा की हैं। जानकारी के अनुसार

130 बी राष्ट्रीय राजमार्ग के इस हिस्से का सर्वे और डीपीआर कार्य के लिए 9 करोड रुपए का टेंडर हो चुका है और सर्वे कार्य प्रारंभ हो गया हैं। उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2025 के अंत में अंत या वर्ष 2026 में इसका निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा।

बलौदाबाजार में फायर स्टेशन के लिए नया स्थल चिन्हित

बलौदाबाजार में फायर स्टेशन के निर्माण हेतु गौरवपथ स्थित शाश्वत स्कूल के पास खाली जमीन का मुआयना कर नया स्थल चयनित किया गया हैं। वर्तमान में फायर स्टेशन अमेरा में स्थित है जो शहर से लगभग 10 से 12 किलोमीटर दूर हैं। नया फायर स्टेशन शहर के मध्य में होने से आपातकालीन स्थिति में फायर ब्रिगेड की त्वरित प्रतिक्रिया संभव होगी। वर्ष 2026 में यह सुविधा नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण राहत प्रदान करेगी।

आउटडोर स्टेडियम में 8 लेन का सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक

डीके कॉलेज के सामने अप जेल के पास आउटडोर स्टेडियम में खिलाड़ियों के लिए 400 मीटर का 8 लेन सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक तैयार किया जा रहा हैं। यह इंडिया स्कीम के तहत 8 करोड रुपए की लागत से विकसित की जा रही हैं। इसमें केंद्र सरकार से 6.5 करोड़ और डीएमएफ फंड में 1.5 करोड रुपए की जारी किए गए हैं।

नालंदा परिसर में आधुनिक लाइब्रेरी और स्टडी जोन

नालंदा परिसर के निर्माण का कार्य प्रारंभ हो चुका हैं। इसमें 250 सेट सीटर के लिए केंद्रीय पुस्तकालय एवं रीडिंग जोन शामिल होगा जिसकी लागत 4.41 करोड रुपए हैं।

पीएम सूर्यघर प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कराने के दिए निर्देश : कलेक्टर

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

पीवीटीजी परिवारों को ऊर्जा के उपभोक्ता के साथ उत्पादक भी बनायें कलेक्टर दुदावत ने पीएम सूर्यघर के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के दिए निर्देश समग्र शिक्षा मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यों में प्रगति नहीं होने पर जताई नाराजगी कमजोर विद्यार्थियों में शिक्षा का स्तर सुधारने चलेगा अभियान समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज समय-सीमा की बैठक लेकर शासन की फ्लैगशिप योजनाओं तथा पीएमओ-जन शिकायत, मुख्यमंत्री जनदर्शन और कलेक्टर जनदर्शन अंतर्गत लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं का क्रियान्वयन फील्ड स्तर पर सुनिश्चित हो तथा संबंधित अधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें।

पीएमओ-जन शिकायत, मुख्यमंत्री जनदर्शन और कलेक्टर जनदर्शन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एक सप्ताह के भीतर गंभीरता से कार्यवाही कर योग्य रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आम नागरिकों के आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर दुदावत ने जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) परिवारों के आवासों में पीएम सूर्यघर योजना अंतर्गत कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुरूप सोलर सिस्टम निर्धारित समय सीमा में स्थापित किए जाएं। उन्होंने विद्युत मीटर स्थापना के लिए जोनल टेंडर जारी करने और विद्युत-विहीन गाँवों की जनसंख्या सहित जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश विद्युत विभाग को दिए।

कोरबा और कटघोरा डिवीजन के पीवीटीजी परिवारों में सूर्यघर योजना हेतु बैंक लोन स्वीकृति की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया कि पीवीटीजी घरों में निवास करने वाले परिवारों के लोन प्राथमिकता से स्वीकृत किए जाएं। पीवीटीजी परिवार के घरों में स्थापित होने वाले पीएम सूर्यघर योजना अंतर्गत सोलर सिस्टम के लागत राशि में से हितग्राही का अंशदान जिला खनिज संस्थान न्यास निधि से दिया जा रहा है।

उन्होंने निर्देशित किया कि पीएम सूर्यघर योजना से पीवीटीजी परिवार को अधिक से अधिक लाभान्वित करें ताकि आने वाले समय में वे ऊर्जा के उपभोक्ता होने के साथ-साथ उत्पादक भी बन सकें।

उन्होंने विद्युत विभाग को शिविर लगाकर लोगों को योजना के फायदे बताने तथा उन्हें कनेक्शन के लिए प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने 400 यूनिट और 200 यूनिट से अधिक विद्युत खपत वाले उपभोक्ताओं की सूची तैयार कर इच्छुक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

आवारा कुत्तों से सावधानी बरतने वर्कशॉप

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

शासकीय महाप्रभु वल्लभाचार्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय महासमुंद में बुधवार को उच्च शिक्षा विभाग छतीसगढ़ शासन द्वारा आदेशित सभी शिक्षण संस्थानों में आवारा कुत्तों से सावधानी बरतने एवं उपचार के परिपालन में वर्कशॉप आयोजित की गई। यह वर्कशॉप आयुक्त उच्च शिक्षा डॉ.संतोष देवांगन के निर्देशन एवं प्राचार्य प्रो करुणा दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ इस महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर करुणा दुबे के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने कहा कि पशुओं से होने वाले नुकसान से बचाव एक सकारात्मक पहल एवं अत्यंत आवश्यक कदम है। इसके परिपालन हेतु महाविद्यालय में समिति का गठन किया गया है और इस समिति का नोडल अधिकारी डॉ. जगदीश कुमार सत्यम् सहायक प्राध्यापक भौतिकी को नियुक्त किया गया है। साथ ही शासन द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर निदान 1100 को महाविद्यालय मुख्य जगहों पर पॉलिटेक्निक महासमुंद एवं डॉ गोविना देवांगन कुमार सत्यम ने आभार प्रदर्शन किया। इस बैठक में इस महाविद्यालय महासमुंद से डॉ रीता पांडे, डॉ नीलम अग्रवाल, डॉ आर. के.अग्रवाल, मनीराम धीवर,अजय कुमार राजा, दिलीप कुमार बढ़ाई,केशरचंद बनपाल,दिलीप लहरे, आशुतोष पुरी गोस्वामी, सरस्वती सेठ व अन्य अतिथि शामिल हुए।

फिंगर स्कैन नहीं होने से केवाईसी से वंचित हो रहे दिव्यांग-वृद्ध

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

जिले में वयोवृद्ध और दिव्यांग जनों को राशन कार्ड के केवाईसी में परेशानी हो रही है। फिंगर स्कैन नहीं होने की वजह से बड़ी संख्या में निराश्रित, नि:शक्त और प्राथमिकता वाले राशन कार्डधारी केवाईसी से वंचित हो रहे हैं। जिले में कुल 3लाख,60हजार, 186 अंत्योदय, निराश्रित,प्राथमिकता और नि:शक्त केटेगिरी के उपभोक्ता है। जिनमें 48हजार 487, अंत्योदय,

2हजार147 निराश्रित, 2लाख,68हजार,933 प्राथमिकता और 1हजार 85 नि:शक्त हैं। केवाईसी नहीं करा पाने की वजह से इन केटेगिरी के कार्डधारी परेशान हैं। विभाग का कहना है कि खाद्य विभाग ने इसे लेकर मंत्रालय में पत्र लिखा है। लेकिन अभी तक फिंगर स्कैन के स्थान पर कोई विकल्प नहीं है। इससे वयोवृद्ध और दिव्यांग जनों को परेशानी हो रही है। जिले में वयोवृद्ध और दिव्यांग जनों को केवाईसी प्रक्रिया में आ रहीं परेशानी को देखते हुए खाद्य विभाग ने रेटीना स्कैन विकल्प के लिए संचालनालय रायपुर को पत्र भेजा है। इस विकल्प के आते ही वयोवृद्ध और दिव्यांग जनों को केवाईसी प्रक्रिया में सुविधा मिलेगी। इससे पहले भी फिंगर स्कैन नहीं होने की वजह से बड़ी संख्य में निराश्रित, नि:शक्त और प्राथमिकता वाले राशन कार्ड धारी केवाईसी से वंचित हो रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार कुछ उपभोक्ताओं की फिंगर स्कैन नहीं होने की शिकायतें मिल रही थी। हाल ही में आवेदक अकिल मोहम्मद निवासी वार्ड 12 महासमुंद द्वारा क्रमांक कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिसमें उनके द्वारा लेख किया है कि उनकी पुत्री नाहीद अंजूम के नाम से नि:शक्तजन राशन कार्ड क्रमांक 223850362068 बना हुआ है। जिसमें पुत्री 80 प्रतिशत दिव्यांग होने एवं पुत्री अनवरी फातिमा का प्रतिशत दिव्यांग तथा आंख से नहीं दिखने तथा चलने-फिरने में असमर्थ होने एवं का मानसिक रूप से विक्षिप्त होने के कारण ई केवायसी नहीं हो पाया और चावल दुकान में उसका आबंटन शून्य दर्शित रहा है।

आज सुरक्षित तो आने वाले कल भी सुरक्षित- डिंपल

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा जिला कोरबा के निर्देशानुसार दिनांक 01 जनवरी 2026 को बालिका गृह आई.टी.आई.रामपुर में ''च्वजमबज ज्वकंलए मबनतम ज्वउवततवू''शीर्षक पर पर्यावरण संरक्षण के संबंध मेंआयोजित विधिक जागरूकता शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा कि 'पर्यावरण' पृथ्वी के चारों ओर से ढकी एक मोटी चादर के समान है, जो पृथ्वी पर जीवन की रक्षा करता है। साथ-साथ जीवन जीने के लिए आवश्यक तत्व को बनाए रखने में मदद करता है। पर्यावरण संरक्षण मानवता की जिम्मेदारी है, प्रदूषण को कम करने और प्राकृतिक संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करने की आवश्यकता है,

ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया गया व उनकी देखभाल करने के संबध में प्रेरित किया गया, पानी को व्यर्थ ना करें और उसे बचाने के तरीके अपनाये, हम सभी को अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करके पर्यावरण को बचाने में मदद करनी चाहिए क्यूंकि हमारा भविष्य इसी पर निर्भर करता है। उक्त शिविर में बालिका गृह के अधिक्षिका व समस्त कर्मचारी सहित लगभग 44 बच्चे उपस्थित रहे।

भूलसीडीह में मेडिकल कॉलेज हेतु आबंटित भूमि अतिक्रमणमुक्त

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देशों के परिपालन में तहसीलदार भैसमा के.के. लहरे एवं राजस्व टीम द्वारा ग्राम भूलसीडीह स्थित मेडिकल कॉलेज हेतु आबंटित पार्ट-2 की शासकीय भूमि में की गई कार्रवाई के तहत कुल 28.00 एकड़ भूमि में से 18.00 एकड़ रकबा सरपंच एवं ग्रामवासियों के सहयोग से बेजा कब्जों से मुक्त कराया गया है। कार्रवाई के दौरान राजस्व सक्रिय सहभागिता से भूमि को अतिक्रमणमुक्त कर मेडिकल कॉलेज निर्माण हेतु संरक्षित किया गया। जिला प्रशासन ने ग्राम भूलसीडीह के सरपंच एवं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की है।

कलेक्टर दुदावत ने स्पष्ट किया है कि शासन द्वारा स्वीकृत सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे ।

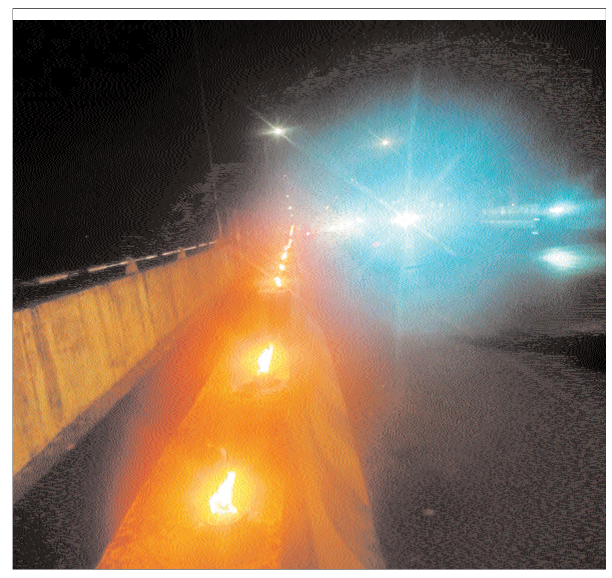

नववर्ष की पूर्व संध्या पर डिवाइडर पर तीन किमी तक दीप जलाए

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

कल 31 दिसंबर की शाम 7 बजे महासमुंद नगर के बीच से गुजरने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग 353 के डिवाइडर पर तीन किलोमीटर तक दीप जलाए गये। इसके लिए दस टीपा तेल, दीया और रूई बाती की व्यवस्था सर्व हिंदू समाज द्वारा की गई थी।

ओवरब्रिज के दोनों छोर पर झिलमिल दीये की रौशनी में साल 2025 की विदाई हुई।

मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन, दावा-आपत्ति आमंत्रित

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 हेतु फोटोयुक्त मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसम्बर 2025 को कर दिया गया है। इस संबंध में जिले के विधानसभा रामपुर एवं कटघोरा के ईआरओ द्वारा राजनैतिक दलों की बैठक लेकर जानकारी दी गई।

1. मतदान केन्द्रों की संख्या

युक्तियुक्तकरण के उपरांत कोरबा जिले में विधानसभा अनुसार मतदान केन्द्रों की स्थिति इस प्रकार है- विधानसभा क्षेत्र 20 - रामपुर : 306 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र 21 - कोरबा : 299 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र 22 - कटघोरा : 283 मतदान केन्द्र, विधानसभा क्षेत्र 23 - पाली तानाखार : 323 मतदान केन्द्र

2. कुल मतदाताओं की संख्या (दिनांक 23.12.2025 की स्थिति में)- रामपुर (20) - 2,05,293, कोरबा (21) - 2,05,856, कटघोरा (22) - 1,91,194, पाली तानाखार (23) - 2,15,067, कुल - 8,17,410 मतदाता।

3. दावा-आपत्ति अवधि

मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत 23 दिसम्बर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक नाम जोड़ने, विलोपन एवं संशोधन हेतु दावा-आपत्तियाँ आमंत्रित की जा रही हैं। प्राप्त दावों का निराकरण 14 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 21 फरवरी 2026 को किया जाएगा।

4. दावा-आपत्ति की साप्ताहिक जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार फोटोयुक्त निर्वाचन नामावलियों के प्रारंभिक प्रकाशन (दिनांक 23.12.2025) के उपरांत प्राप्त साप्ताहिक दावा-आपत्ति की जानकारी सर्वसामान्य के लिए जिले की आधिकारिक वेबसाईट पर उपलब्ध कराई जा रही है। तद्नुसार, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 20 (रामपुर), 21 (कोरबा), 22 (कटघोरा) एवं 23 (पाली तानाखार) की प्रारूप 9, 10, 11, 11ए एवं 11बी की सूची 29.12.2025 तक की स्थिति में जिला कोरबा की वेबसाईट korba.gov.in के निर्वाचन पोर्टल में अपलोड कर दी गई है, जो जनसाधारण हेतु

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने नगर निगम क्षेत्र के निर्मित्त व निर्माणाधीन भवनों का किया निरीक्षण

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने आज नगर निगम कोरबा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न निर्मित एवं निर्माणाधीन भवनों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति एवं कार्यात्मक उपयोग की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने तथा भवनों को प्रभावी रूप से उपयोग में लाने हेतु अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा नगर निगम का नवीन सभागार

निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर ने नगर निगम कोरबा के नवीन सभागार भवन का विशेष रूप से अवलोकन किया और निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने सभागार के बाह्य हिस्से को आकर्षक स्वरूप देने हेतु रंग-रोगन एवं लाइटिंग व्यवस्था बेहतर करने, परिसर में गार्डन विकसित कर सौंदर्यीकरण' करने के निर्देश दिए। साथ ही सभागार के मुख्य द्वार पर

'एलईडी बोर्ड' लगाए जाने के निर्देश भी दिए।

सभागार के आंतरिक परिसर का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने मंच को थोड़ा विस्तृत करने, बेहतर 'वेंटिलेशन व्यवस्था, उच्च गुणवत्ता के ईको एवं साउंड सिस्टम पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने पब्लिक एवं मीडिया गैलरी की व्यवस्था को भी सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, सभागार में कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन हेतु प्रोजेक्टर एवं स्क्रीन लगाने का प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। कलेक्टर ने सभागार के विभिन्न कक्षों का अवलोकन करते हुए 'दीवारों एवं कॉरिडोर गैलरी को आकर्षक ढंग से सजाने एवं डेकोरेट करने' के निर्देश दिए। उन्होंने उपलब्ध समस्त स्थानों का 'व्यापक एवं बहुउद्देश्यीय उपयोग' सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर कन्वेंशन हॉल का किया निरीक्षण

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने रिस्दी मार्ग में निर्मित पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर कन्वेंशन हॉल का निरीक्षण कर भवन की संरचना एवं संभावित कार्यात्मक उपयोग का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कन्वेंशन हॉल के आर्किटेक्चर प्लान का जायजा लिया और अधिकारियों से भवन के प्रभावी उपयोग को लेकर चर्चा की। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कन्वेंशन हॉल को विद्यार्थियों के लिए साइंस एग्ज़ीबिशन सेंटर के रूप में विकसित किया जाए, जिससे विज्ञान से जुड़े नवाचारों, प्रयोगों एवं प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों को शैक्षणिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि परिसर का अधिकतम और बहुउद्देशीय उपयोग सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। साथ ही कलेक्टर ने कन्वेंशन हॉल को प्लेनेटेरियम सेंटर के स्वरूप में विकसित करने की संभावनाओं पर भी विचार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में विस्तृत कार्ययोजना एवं प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा, ताकि भवन का उपयोग शैक्षणिक, वैज्ञानिक एवं जनहित के उद्देश्यों के लिए किया जा सके। कलेक्टर दुदावत ने कहा कि इस प्रकार की पहल से विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी और जिले में विज्ञान एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

विवेकानंद शैक्षणिक परिसर के उपयोग हेतु स्पष्ट व चरणबद्ध कार्ययोजना तैयार की जाए:- कलेक्टर निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने रिस्दी रोड में निर्मित विवेकानंद शैक्षणिक परिसर' के विभिन्न कक्षों एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ मुख्यालय का दौरा किया, संगठन से नवाचार पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया

ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान डीआरडीओ के हथियारों की निर्णायक भूमिका राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ मुख्यालय के 68वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने दौरे के दौरान कहा कि डीआरडीओ द्वारा विकसित हथियार प्रणालियों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निर्णायक भूमिका निभाई, जो राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के प्रति संगठन की व्यावसायिकता और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। सशस्त्र बलों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों/उपकरणों से लैस करके भारत की स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करने के लिए डीआरडीओ की सराहना की करते हुए उन्होंने कहा डीआरडीओ के उपकरणों ने इस ऑपरेशन के दौरान निर्बाध रूप से काम किया, जिससे सैनिकों का मनोबल बढ़ा। रक्षा मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस 2025 के अपने संबोधन में घोषित सुदर्शन चक्र के निर्माण में डीआरडीओ महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, 'इस पहल के तहत डीआरडीओ अगले दशक में पूर्ण हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमारे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों को वायु रक्षा प्रणाली से लैस करने के लिए जिम्मेदार है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने आधुनिक युद्ध में वायु रक्षा के महत्व को देखा। मुझे विश्वास है कि डीआरडीओ इस लक्ष्य को जल्द ही हासिल करने के लिए पूरी लगन से काम करेगा।' राजनाथ सिंह ने प्रौद्योगिकी के सृजन के साथ-साथ विश्वास निर्माण में डीआरडीओ की भूमिका की भी सराहना की, जिसके कारण लोग आशा, विश्वास और निश्चय के साथ इस संगठन की ओर देखते हैं। निजी क्षेत्र के साथ डीआरडीओ के सहयोग को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि उद्योग, शिक्षा जगत और स्टार्टअप्स के साथ बढ़ी सहभागिता से एक समन्वित रक्षा इकोसिस्टम का निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा, 'डीआरडीओ ने अपनी प्रणालियों, प्रक्रियाओं और कार्यप्रणाली में लगातार सुधार किया है। खरीद से लेकर परियोजना प्रबंधन तक, उद्योग जगत सहभागिता से लेकर स्टार्टअप्स और एमएसएमई के साथ सहयोग- कार्य को सरल, तेज और अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए स्पष्ट प्रयास दिखाई देते हैं।' रक्षा मंत्री ने डीआरडीओ से तेजी से विकसित हो रहे प्रौद्योगिकीय इकोसिस्टम के साथ तालमेल बिठाकर आगे बढ़ते रहने और बदलते समय के अनुरूप उत्पाद लाते रहने का आह्वान किया। उन्होंने संगठन से नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने वाले अधिक क्षेत्रों की पहचान करने का आग्रह किया। डीआरडीओ द्वारा गहन प्रौद्योगिकी और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रगति से न केवल राष्ट्र की क्षमताओं में वृद्धि होगी, बल्कि रक्षा इकोसिस्टम भी मजबूत होगा। राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान युग केवल विज्ञान का नहीं, बल्कि निरंतर विकास और सीखने का युग है। उन्होंने कहा कि इस बदलती दुनिया में प्रौद्योगिकी स्कैनिंग, क्षमता आकलन और भविष्य की तैयारी अब केवल शब्द नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'दुनिया हर दिन बदल रही है। प्रौद्योगिकी, नवाचार तथा नए युद्ध क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे कल का ज्ञान अप्रचलित हो रहा है। हमें कभी यह नहीं मानना चाहिए कि सीखने की प्रक्रिया समाप्त हो गई है। हमें निरंतर सीखते रहना चाहिए और खुद को चुनौती देते रहना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके।' बैठक के दौरान रक्षा मंत्री को रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने चल रही अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, 2025 में संगठन की उपलब्धियों, उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षा जगत को बढ़ावा देने की विभिन्न पहलों तथा 2026 के रोडमैप के बारे में जानकारी दी। राजनाथ सिंह को 2026 के लिए निर्धारित प्रमुख लक्ष्यों और संगठन की बेहतरी के लिए डीआरडीओ द्वारा किए जा रहे।

जापानी संसद में 73 महिला सांसदों के लिए एक टॉयलेट

पीएम ताकाइची भी परेशान; 1936 में बनी पार्लियामेंट बिल्डिंग, तब महिलाओं को वोटिंग राइट नहीं था

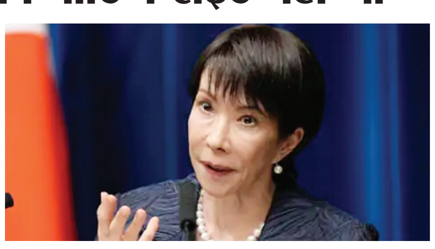

टोक्यो। जापान में पीएम साने ताकाइची ने संसद में महिलाओं के लिए ज्यादा टॉयलेट बनाने की मांग की है। उनके साथ ही करीब 60 महिला सांसदों ने भी इसे लेकर एक याचिका दी है। याचिका में कहा गया है कि संसद में महिलाओं की संख्या बढ़ी है, लेकिन इस मुताबिक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। अभी संसद के निचले सदन में 73 महिला सांसद हैं लेकिन उनके लिए सिर्फ 1 टॉयलेट है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद यासुको कोमियामा ने कहा कि संसद सत्र के दौरान महिला सांसदों को टॉयलेट के बाहर लंबी लाइन में खड़ा रहना पड़ता है।

महिलाओं को वोटिंग राइट्स नहीं था, तब बनी थी बिल्डिंग

जापान की संसद (डाइट) की इमारत 1936 में बनी थी। तब देश में महिलाओं को वोट देने का भी अधिकार नहीं मिला था। दूसरे विश्वयुद्ध में जापान की हार के बाद दिसंबर 1945 में महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला। एक साल बाद 1946 में हुए चुनाव में जापान में महिलाएं संसद के लिए चुनकर आईं। जापान अखबार यॉमियूरी शिंबुन के मुताबिक संसद के निचले सदन की इमारत में पुरुषों के लिए 12 टॉयलेट (67 स्टॉल) हैं, जबकि महिलाओं के लिए सिर्फ 9 टॉयलेट, जिनमें कुल 22 क्यूबिकल हैं। मेन प्लेनरी सेशन हॉल जहां संसद की कार्यवाही होती है, वहां पर महिलाओं के लिए सिर्फ 1 टॉयलेट है। सेशन शुरू होने से पहले कई बार लाइन इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि महिला सांसदों को बिल्डिंग के दूसरे हिस्से में बाथरूम के लिए जाना पड़ता है। वहीं, पुरुष सांसदों के लिए कई टॉयलेट पास-पास हैं। उन्हें ऐसी दिक्कत से गुजरना नहीं पड़ता।

जेंडर गैप रिपोर्ट में जापान की रैंकिंग बहुत नीचे

इस साल वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट में जापान 148 देशों में 118वें स्थान पर रहा। महिलाओं की भागीदारी कारोबार और मीडिया में काफी कम है। चुनावों के दौरान महिला उम्मीदवारों का कहना है कि उन्हें अक्सर सेक्सिस्ट टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है, जैसे कि उन्हें कहा जाता है कि उन्हें राजनीति की जगह घर में बच्चों की देखभाल करनी चाहिए।

एयर मार्शल सीथेपल्ली ने भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षण कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। एयर मार्शल सीथेपल्ली श्रीनिवास ने 1 जनवरी 2026 को भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षण कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। अपने नए पदभार ग्रहण करने के बाद, एयर मार्शल ने प्रशिक्षण कमान युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। एयर मार्शल श्रीनिवास, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र, 13 जून 1987 को भारतीय वायु सेना की लड़ाकू विमान शाखा में कमीशन प्राप्त हुए थे। वे श्रेणी ए के योग्य फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर हैं और उनके पास मिग-21, इस्क्रा, किरण, पीसी-7 एमके II, एचपीटी-32 और माइक्रोलाइट सहित अन्य विमानों पर 4200 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है। वे चेतक/चीता हेलीकॉप्टर पर द्वितीय पायलट और पेचोरा मिसाइल प्रणाली पर श्रेणीबद्ध संचालन अधिकारी के रूप में भी योग्य हैं। अपने करियर में उन्होंने कई कमान पदों पर कार्य किया है। वे वायु सेना अकादमी के कमांडेंट, पश्चिमी सीमा पर स्थित एक अग्रिम लड़ाकू विमान अड्डे और एक प्रमुख उड़ान प्रशिक्षण अड्डे के एयर ऑफिसर कमांडिंग (एओसी), पश्चिमी वायु कमान मुख्यालय (जयपुर) के एओसी एडवांस, प्रतिष्ठित फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर्स स्कूल के कमांडिंग ऑफिसर, एयरोस्पेस सेफ्टी इंस्टीट्यूट के कमांडेंट और बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल के कमांडिंग ऑफिसर रह चुके हैं। उनके स्टाफ और अन्य पदों में सहायक वायु सेना प्रमुख (कार्मिक अधिकारी), वायु सेना अकादमी में मुख्य प्रशिक्षक (उड़ान), केंद्रीय वायु कमान मुख्यालय में ऑपरेशंस स्टाफ और वायु युद्ध महाविद्यालय में डायरेक्टिंग स्टाफ शामिल हैं। अपने वर्तमान कार्यभार से पहले, वे दक्षिण पश्चिमी वायु कमान (एसडब्ल्यूएसी) मुख्यालय में वरिष्ठ वायु सेना अधिकारी थे। एयर मार्शल ने नेशनल डिफेंस कॉलेज, कॉलेज ऑफ डिफेंस मैनेजमेंट और डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। उनकी शैक्षणिक योग्यताओं में रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में मास्टर ऑफ फिलॉसफी, प्रबंधन अध्ययन में मास्टर ऑफ मैनेजमेंट और रक्षा एवं सामरिक अध्ययन में मास्टर ऑफ साइंस शामिल हैं। उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए, उन्हें राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2017 में विशिष्ट सेवा पदक और वर्ष 2024 में अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया।

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नए वर्ष पर अधिकारियों को दिलाया लक्ष्यपूर्ण सेवा का संकल्प

पीएम मोदी के आह्वान पर किसानों और ग्रामीणों की भलाई के लिए 'सरकार फाइलों में नहीं, जनता की लाइफ में दिखे' मंत्र के साथ साप्ताहिक लक्ष्य : शिवराज सिंह

नई दिल्ली। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नए वर्ष के पहले दिन अपने दोनों मंत्रालयों के अधिकारियों को संकल्प दिलाया, इसके साथ ही नया वर्ष 2026 केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्रालयों के लिए नई ऊर्जा और संकल्प के साथ शुरू हुआ। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालयों के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान के अनुरूप 'सरकार फ़ाइलों में नहीं, जनता की लाइफ़ में दिखनी चाहिए' का संकल्प दोहराया।

चौहान ने कहा कि देश की 70 प्रतिशत से अधिक आबादी कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालयों से जुड़ी है, इसलिए हमारा हर कदम किसानों और ग्रामीणों की भलाई के लिए होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि टीम भावना से काम करते हुए साप्ताहिक लक्ष्य तय करें और पूरे वर्ष की कार्य योजना भी तैयार करें, ताकि काम में तेजी और परिणामों में स्पष्टता लाई जा सके। केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने सुधार की जो दिशा दी है, उसके अनुरूप प्रक्रियाओं का सरलीकरण कर जनता को राहत देना मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसी कार्यप्रणाली अपनाई जाए, जिससे किसी भी व्यक्ति को अपने काम के लिए विभागों के चक्कर न लगाने पड़ें। चौहान ने कहा कि भारत की सोच आदर्श और उन्नत है- प्रधानमंत्री जी ने गुलामी के अंशों को मिटाने का जो आह्वान किया है, उसी भावना से ग्रामीण भारत को विकसित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सीड एक्ट और पेस्टीसाइड एक्ट की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाए ताकि संसद सत्र में इन विधेयकों को प्रस्तुत किया जा सके और किसानों को सीधी राहत मिले। केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने यह भी निर्देश दिए कि योजनाओं की राशि जारी करने से पहले राज्यों से पूर्ण विचार-विमर्श किया जाए, ताकि पारदर्शिता और सही उपयोग सुनिश्चित हो सके।

राज्यों के कृषि विकास के लिए समयबद्ध रोड़मैप तैयार करने के भी निर्देश दिए गए। चौहान ने 'विकसित भारत - जी राम राम जी' योजना के अंतर्गत आदर्श गांवों के विकास पर जोर देते हुए कहा कि ग्रामीण भारत के सर्वोत्तम विकास कार्य अब देश के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित की जाए तथा इनको इस वर्ष से ग्रेडिंग व्यवस्था लागू करनी चाहिए, जिससे उत्कृष्टता की भावना को प्रोत्साहन मिले। केन्द्रीय मंत्री ने अधिकारियों का आह्वान किया कि वे नए वर्ष में दृढ़ संकल्प और लक्ष्यबद्ध दृष्टि के साथ कार्य करें, ताकि किसानों और ग्रामीणों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाया जा सके।

भारतवंशी जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बने

कुरान पर हाथ रखकर शपथ ली, न्यूयॉर्क के इतिहास में ऐसा पहली बार

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम मेयर बन गए हैं। उन्होंने गुरुवार को कुरान पर हाथ रखकर पद की शपथ ली। अब तक न्यूयॉर्क सिटी के अधिकतर मेयर बाइबिल पर हाथ रखकर शपथ लेते रहे हैं। हालांकि संविधान के तहत शपथ के लिए किसी धार्मिक ग्रंथ का इस्तेमाल अनिवार्य नहीं है। 34 साल के डेमोक्रेट ममदानी न्यूयॉर्क सिटी के पहले मुस्लिम, पहले दक्षिण एशियाई और पहले अफ्रीका में जन्मे मेयर हैं। ममदानी ने न्यूयॉर्क के सिटी हॉल के नीचे स्थित एक बंद पड़े सबवे स्टेशन में शपथ ली। यह एक प्राइवेट समारोह था, जिसमें ममदानी का परिवार शामिल हुआ। इसके बाद दोपहर में एक सार्वजनिक शपथ ग्रहण समारोह होगा। ममदानी ने दो कुरानों पर हाथ रख कर शपथ ली। इनमें एक उनके दादा की कुरान और दूसरी जेब में रखी जाने वाली छोटी कुरान थी। कहा जा रहा है कि पॉकेट साइज कुरान 18वीं सदी के अंत या 19वीं सदी की की है। यह कुरान न्यूयॉर्क पब्लिक लाइब्रेरी के शॉम्बर्ग सेंटर फॉर रिसर्च इन ब्लैक कल्चर के संग्रह का हिस्सा है।

दूसरी बार शपथ में अपने दादा-दादी की कुरान का इस्तेमाल करेंगे : दूसरे शपथ ग्रहण समारोह में ममदानी अपने दादा और दादी, दोनों की कुरानों का इस्तेमाल करेंगे। इन कुरानों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है। शपथ ग्रहण के लिए कुरान का चयन ममदानी की पत्नी रमा दुवाजी ने किया है। इस काम में उनकी मदद करने वाली एक स्कॉलर के अनुसार, शपथ के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ये कुरान शहर की बड़ी और लंबे समय से मौजूद मुस्लिम आबादी को दर्शाता है। बता दें कि चुनाव अभियान के दौरान ममदानी ने महंगाई को प्रमुख मुद्दा बनाया था। साथ ही उन्होंने अपने धार्मिक विश्वास भी खुलकर सामने रखे। उन्होंने शहर के मस्जिदों का दौरा किया और पहली बार मतदान करने वाले कई दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल किया।

नए साल पर जेलेंस्की का बड़ा संदेश : शांति बहाली को तैयार, संप्रभुता से समझौता नामंजूर

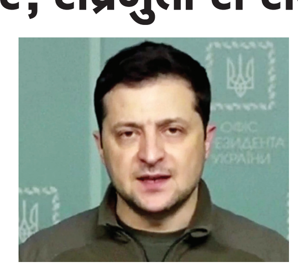

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने अपने नए साल के संबोधन में कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म करना चाहता है, लेकिन वे ऐसा कोई भी शांति समझौते को स्वीकार नहीं करेंगे जो उसकी संप्रभुता को कमजोर करे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे किसी भी ऐसे समझौते को अस्वीकार कर देंगे जिसे वे कमजोर या कम समय तक चलने वाला मानते हैं।

जेलेंस्की ने क्या कहा : जेलेंस्की ने लगभग चार वर्षों के संघर्ष के बाद यूक्रेनी जनता में बढ़ती थकान को स्वीकार किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस थकान को पराजय नहीं समझा जाना चाहिए। जेलेंस्की ने कहा, 'यूक्रेन शांति चाहता लेकिन किसी भी कीमत पर नहीं। हम युद्ध का अंत चाहते हैं यूक्रेन का नहीं। उन्होंने आगे कहा, 'हम बहुत थक गए हैं क्या इसका मतलब यह है कि हम आत्मसमर्पण के लिए तैयार हैं? जो कोई भी ऐसा सोचता है, वह बहुत बड़ी भूल कर रहा है।'

समझौता अंतिम चरण में : राष्ट्रपति ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के नेतृत्व में हाल के राजनयिक प्रयासों से बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई है। इसमें पिछले सप्ताह फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हुई बातचीत भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'शांति समझौता 90 प्रतिशत तैयार है केवल 10 प्रतिशत बाकी है। उस 10 प्रतिशत में सब कुछ शामिल है। यही वह हिस्सा है जो शांति, यूक्रेन और यूरोप का भविष्य तय करेगा।' यह संबोधन ऐसे समय आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों ने एक समझौते की दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं।

जिनपिंग ने नए साल पर कहा- ताइवान पर कब्जा होकर रहेगा, ताइपे ने संप्रभुता की रक्षा का संकल्प दोहराया

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल की पूर्व संध्या पर देश को संबोधित किया। इस दौरान शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जे का संकल्प दोहराया। साथ ही जिनपिंग ने तकनीक के मामले में आत्मनिर्भर बनने की बात कही, जिसमें एआई और सेमीकंडक्टर जैसी तकनीकों में विकास करने की बात भी कही। अपने संबोधन में शी जिनपिंग ने तकनीक के मामले में देश के विकास को सराहा, जिनमें खासकर सैन्य तकनीक और अंतरिक्ष के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों की जमकर तारीफ की। शी ने पिछले पांच वर्षों में देश की आर्थिक तरक्की में योगदान देने के लिए चीनी लोगों को धन्यवाद दिया और कहा, 'हमने नवाचार के जरिए उच्च गुणवत्ता विकास को बढ़ावा देने की कोशिश की।' शी जिनपिंग ने नए साल के संबोधन में ताइवान पर कब्जे की बात दोहाई। ताइवान एक स्व-शासित लोकतंत्र है, जिसे चीन अपना हिस्सा बताता है। शी जिनपिंग ने ताइवान पर कब्जे के बीजिंग के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा, 'ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर हम चीनी खून और संबंधों का बंधन साझा करते हैं।

ताइवान के राष्ट्रपति ने कही संप्रभुता की रक्षा की बात

वहीं ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने गुरुवार को अपने नए साल के भाषण में चीन की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं का विरोध किया और ताइवान की आत्मरक्षा को मजबूत करने का वादा किया। लाई ने अपने नए साल के संबोधन में कहा, 'चीन की बढ़ती विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के सामने, अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देख रहा है कि क्या ताइवानी लोगों में खुद की रक्षा करने का संकल्प है।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति के तौर पर, मेरा रुख हमेशा स्पष्ट रहा है कि राष्ट्रीय संप्रभुता की दृढ़ता से रक्षा करना, राष्ट्रीय रक्षा को मजबूत करना, और एक प्रभावी लोकतांत्रिक तंत्र का निर्माण करना चाहिए।' ताइवान ने पिछले साल हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब डॉलर का विशेष बजट घोषित किया था, जिसमें ताइवान डोम नामक वायु रक्षा प्रणाली का निर्माण भी शामिल है। यह बजट आठ वर्षों में, 2026 से 2033 तक आवंटित किया जाएगा। ताइवान के राष्ट्रपति ने चीन के आक्रमण की धमकियों के बीच अपने देश के सकल घरेलू उत्पाद का 5 प्रतिशत तक रक्षा खर्च बढ़ाने का वादा किया है। लाई ने कहा, 'चीन की गंभीर सैन्य महत्वाकांक्षाओं का सामना करते हुए, ताइवान के पास इंतजार करने का समय नहीं है।'

चिकित्सा शिक्षा विभाग और सेवादान आरोग्य फाउंडेशन के बीच हुआ एमओयू

अस्पताल की दहलीज पर अब परिजनों को मिलेगा घर जैसा सुकून : छग सरकार की एक संवेदनशील पहल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जब कोई गंभीर बीमारी घर में दस्तक देती है, तो पूरा परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से टूट जाता है। ऐसे वक्त में दूर–दराज के गांवों से शहर आने वाले गरीब परिवारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती इलाज के साथ–साथ खुद के ठहरने की होती है। अक्सर मरीज तो वार्ड में इलाज करा रहा होता है, लेकिन उसके अपने लोग अस्पताल के गलियारों, ठंडी सीढ़ियों या खुले आसमान के नीचे रातें गुजारने को मजबूर होते हैं। इसी मानवीय पीड़ा को महसूस करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बहुत ही प्रशंसनीय कदम उठाया है। अब राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मरीजों के परिजनों के लिए सर्वसुविधायुक्त 'विश्राम गृह' बनाए जाएंगे, ताकि किसी भी मजबूर आंख को रात बिताने के लिए सुरक्षित छत की तलाश में भटकना न पड़े।

इस नेक काम को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में मंत्रालय नवा रायपुर में मेडिकल एजुकेशन विभाग और सेवादान आरोग्य फाउंडेशन के बीच एक एमओयू संपादित हुआ है। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री खुशवंत साहेब , स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त रितेश अग्रवाल सहित सेवादान फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित थे।

इस समझौते की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इन आश्रय स्थलों के निर्माण, सजावट और उनके रोजमर्रा के संचालन का पूरा जिम्मा संस्था खुद उठाएगी। इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार और संस्था मिलकर एक ऐसा मानवीय ढांचा तैयार कर रहे हैं जहाँ परिजनों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहद किफायती ठहराव मिलेगा। इन विश्राम गृहों में केवल सिर छुपाने की जगह ही नहीं मिलेगी, बल्कि अपनों की सेवा में लगे लोगों के लिए 24 घंटे सुरक्षा, सीसीटीवी की निगरानी, साफ–सुथरा भोजन और एक गरिमामय माहौल भी सुनिश्चित किया जाएगा।

योजना के पहले पड़ाव में रायपुर, अंबिकापुर, रायगढ़ और जगदलपुर जैसे प्रमुख शहरों के मेडिकल कॉलेजों को चुना गया है, जहां दूरस्थ अंचलों से बड़ी संख्या में लोग उम्मीद लेकर पहुँचते हैं। यह पहल दिखाती है कि स्वास्थ्य सेवाएं सिर्फ दवा और डॉक्टर तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें उन लोगों के लिए भी जगह होनी चाहिए जो अपने बीमार परिजनों के लिए संबल बनकर साथ खड़े रहते हैं। यह कदम न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती देगा, बल्कि उन हजारों परिवारों को एक बड़ी मानसिक राहत भी पहुँचाएगा जिनके पास शहर में रहने का कोई ठिकाना नहीं होता।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया ऐतिहासिक सिरपुर के पुरातात्विक स्थलों का निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आज जिला महासमुंद अंतर्गत स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर के दौरे पर रहे। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल भी उनके साथ उपस्थित रहे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री शेखावत का सिरपुर हेलीपैड पर सांसद महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभास कुमार एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया।

इसके पश्चात केंद्रीय मंत्री शेखावत ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर पहुंचे, जहाँ उन्होंने लक्ष्मण देवालय, आनंद प्रभु कुटी विहार, तीवरदेव विहार, सुरंग टीला एवं स्थानीय हाट बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने सिरपुर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिरपुर भारत की प्राचीन धरोहर का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता है।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुरातात्विक स्थलों की मूल संरचना को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर सड़क, साइन बोर्ड, सूचना केंद्र, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया। आनंद प्रभु कुटी विहार, सुरंग टीला, तिवरदेव विहार, लक्ष्मण देवालय स्थानीय हाट बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि सिरपुर में कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जाएगा जिससे पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यहां आकर गौरव की अनुभूति हो रही है। सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करने का प्रयास जारी है। यहां की ऐतिहासिक, पुरातत्विक और आध्यात्मिक नगरी हमारे समृद्ध संस्कृति और परम्परा का प्रतीक है। इसके संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विहारों और मंदिरों के अवशेषों की वर्तमान स्थिति को सहजने और संरक्षित करने पर ज्यादा जोर दिया। उन्होंने गंधेश्वर मंदिर पहुंचकर गंधेश्वर महादेव की पूजा अर्चना कर देश के समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा, राज्य बीज निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक डॉ विमल चोपडा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम ठाकुर उपस्थित थे।

नव वर्ष के पहले दिन खिले 100 नागरिकों के चेहरे, लंबे समय से गुम हो चुके मोबाईल लौटाए

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वाणिज्य उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन की उपस्थिति में आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर कोरबा में शहर और दूरस्थ अंचलों से गुम हुए मोबाइल को साइबर सेल द्वारा ट्रेस किया गया। आज आयोजित कार्यक्रम में ऐसे सभी 100 मोबाइल को वापस लौटाया गया।

खोई हुई वस्तुओं को लौटाना सिर्फ़ एक प्रक्रिया नहीं—यह नागरिकों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी और उनके विश्वास को लगातार सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

इस अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत योगेश जैन, पार्षद अशोक चावलानी जी भी उपस्थित रहे।

घायल महिला पत्रकार गायत्री सिंह का हालचाल जानने पहुंचीं मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, मिला आर्थिक सहयोग

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल महिला पत्रकार गायत्री सिंह का इलाज रायपुर के वीवाई (VY) अस्पताल में जारी है. इस कठिन समय में महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े अस्पताल पहुंचीं और गायत्री सिंह का हालचाल जाना. एक महिला होने के नाते उन्होंने पीड़ित महिला पत्रकार का दर्द समझते हुए 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की. इसके साथ ही उन्होंने कानूनी स्तर पर भी हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है.

इसके अलावा कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (च्अ) के पत्रकार साथियों से उन्हें लगातार सहयोग मिल रहा है. अब तक पत्रकारों के अलावा आम जनता द्वारा 92 हजार रुपये की आर्थिक मदद की जा चुकी है. सभी लोग उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं.

बातचीत में महिला पत्रकार गायत्री सिंह के पति फणीश्वर वर्मा ने इस कठिन समय में पत्रकार साथियों, आमजन और महिला एवं बाल विकास मंत्री से मिले आर्थिक सहयोग के लिए सभी का हृदय से धन्यवाद किया है. उन्होंने कहा कि इस मदद से न सिर्फ इलाज संभव हो पाया, बल्कि परिवार को मानसिक संबल भी मिला है.

अबतक चिकित्सकों के अनुसार, हादसे में उन्हें बेहद गंभीर चोटें आई थीं. पैरों में गंभीर क्षति के चलते सर्जरी के साथ अंपुटेशन की आशंका भी जताई गई थी. जिस पैर पर ट्रक का पहिया चढ़ा था, उसे ऑपरेशन के जरिए हटाना पड़ा था. वहीं दूसरे पैर की भी स्थिति गंभीर बनी हुई थी, लेकिन पहले के मुकाबले अब उनकी स्थिति बेहतर है. फिलहाल उनका इलाज अब भी जारी है.

कैसे हुआ था हादसा?

बता दें कि 18 दिसंबर की शाम राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में सड़क पार करते समय एक अज्ञात तेज रफ्तार ट्रक ने महिला पत्रकार गायत्री सिंह को कुचल दिया था. हादसे में उनका मोबाइल फोन भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे तत्काल संपर्क संभव नहीं हो पाया. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें डॉ. भीमराव आंबेडकर अस्पताल के कैजुअल्टी ट्रॉमा यूनिट में भर्ती कराया. हालत गंभीर होने पर परिजनों ने उन्हें शहर के वीवाई अस्पताल में भर्ती कराया. जहां उनका उपचार जारी है. इस मामले आरोपी चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था. वहीं आगे की कार्रवाई जारी है।

नव वर्ष के पहले दिन जिनालय में हुआ पूजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड में नववर्ष 1 जनवरी 2026 का प्रथम दिन जिनालय में भक्ति भाव से श्री जी का अभिषेक शांति धारा पूजन कर मनाया गया।

इस मौके पर श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर मालवीय रोड की पार्श्वनाथ भगवान की बेदी के समक्ष सम्पूर्ण विश्व में सुख,शांति,समृद्धि, बनी रहे इस निमित्त पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गए। आज 1 जनवरी 2026 को प्रात: काल से जैन धर्मावलंबियों ने मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन कर नव वर्ष की शुरुआत की।

महावीर ज्ञान विद्या संघ के मीडिया प्रभारी प्रणीत जैन ने बताया कि अंग्रेजी नव वर्ष 2026 के प्रथम दिन प्रात: 8 बजे श्रावक गणों ने श्री जी को मंगलाष्टक एवं अभिषेक पाठ पढ़ कर पांडुशिला में विराजमान किया। सभी ने बारी बारी शुद्ध प्रासुक जल से श्री जी का अभिषेक किया। सम्पूर्ण विश्व में सुख,शांति,समृद्धि के लिए जैन तीर्थंकरों के समता भाव के साथ विशेष अभिषेक एवं सम्पूर्ण विश्व में सुख शांति समृद्धि की कामना करते हुए जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा की गई। शांतिधारा पश्चात सभी ने संगीतमय आरती कर अष्ट द्रव्यों से निर्मित अर्घ्य से देव शास्त्र गुरु पूजन कर अर्घ्य समर्पित किया अंत में विसर्जन पाठ पढ़ कर पूजन विसर्जन किया गया। आज के कार्यक्रम में विशेष रूप से श्रेयश जैन बालू,प्रवीण जैन,संदीप जैन,आदेश जैन,रासु जैन,प्रणीत जैन,कृष जैन,श्रुत जैन,धीरज गोधा ,अशोक जैन,उपस्थित थे।

फ्लैट स्टील उत्पादों पर सेफगार्ड ड्यूटी आईएसए प्रेसिडेंट नवीन जिन्दल ने किया स्वागत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

फ्लैट स्टील उत्पादों पर 'सेफगार्ड ड्यूटी' लगाना सरकार का एक सोच–समझकर लिया गया संतुलित कदम है। इसका उद्देश्य घरेलू स्टील बाज़ार को स्थिर रखना है, ताकि उपभोक्ताओं और देश की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को स्टील की लगातार और भरोसेमंद आपूर्ति मिलती रहे।

आज जब दुनिया का स्टील उद्योग कमजोर मांग और अतिरिक्त उत्पादन की समस्या से जूझ रहा है, तब भारत का स्टील सेक्टर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति बढ़ती घरेलू मांग और 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को साकार करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में हो रहे निरंतर निवेश का परिणाम है।

लेकिन इसी बढ़ती मांग को देखते हुए चीन, जापान, कोरिया और वियतनाम जैसे देशों से सस्ते स्टील को भारत में खपाने की कोशिशें हो रही हैं। इसका सीधा असर हमारी घरेलू क्षमता, नए निवेश और रोज़गार पर पड़ता है। सेफगार्ड ड्यूटी ऐसे दबाव को रोकने में मदद करती है। यह अनुचित प्रतिस्पर्धा से घरेलू उद्योग की रक्षा करती है, बाज़ार में संतुलन बनाए रखती है और स्टील वैल्यू चेन को मजबूत करती है।

इसी संतुलन से उद्योग आत्मनिर्भर बनता है और देश के हित सुरक्षित रहते हैं। इसलिए मौजूदा वैश्विक आपूर्ति असंतुलन को देखते हुए, घरेलू स्टील क्षेत्र के दीर्घकालीन विकास के लिए सरकार से आगे भी ऐसे आवश्यक व्यापारिक उपायों पर विचार किए जाने की हमें उम्मीद है।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान छग केंद्र में राजभाषा हिंदी कार्यशाला आयोजित

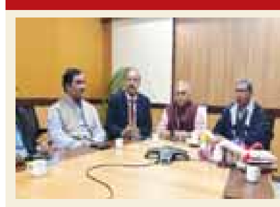

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय सूचना–विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) में 30 दिसंबर को राज्य केंद्र एवं जिलों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति एवं नियम विषय पर राज्य स्तरीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शासकीय कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना तथा केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम में मुख्यालय से पधारे अजय मधुकर जोशी, उप महानिदेशक एवं समूह प्रमुख (राजभाषा) तथा राजेंद्र कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ निदेशक का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ ऋषि कुमार राय, उप निदेशक (आईटी) एवं हिंदी अधिकारी द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया। इस अवसर पर राजेंद्र कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ निदेशक ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से राजभाषा हिंदी की नीति, नियमों एवं उनके अनुपालन की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला।

20 जनवरी से 5 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा 9वां राडा ऑटो एक्सपो

राडा ने राडा ऑटो एक्सपो-2026 के दौरान रोड टैक्स में 50% छूट देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार का जताया आभार

रायपुर , (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (राडा) ने राडा ऑटो एक्सपो 2026 के दौरान वाहनों पर रोड टैक्स (आरटीओ टैक्स) में 50 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। राडा ने इस निर्णय को ऑटोमोबाइल उद्योग एवं आम उपभोक्ताओं–दोनों के लिए ऐतिहासिक और अत्यंत लाभकारी बताया है।

इसी क्रम में राडा ने अपने बहुप्रतीक्षित 9वें राडा ऑटो एक्सपो–2026 के आयोजन की आधिकारिक घोषणा की है, जो 20 जनवरी से 5 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

राडा के अध्यक्ष रविंद्र भसीन ने सरकार के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा, हम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय , उपमुख्यमंत्री अरुण साव, वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी एवं कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप के हृदय से आभारी हैं। राडा ऑटो एक्सपो के दौरान रोड टैक्स में 50 प्रतिशत की यह छूट न केवल ऑटोमोबाइल सेक्टर को नई गति देगी, बल्कि आम नागरिकों के लिए वाहन खरीदना भी और अधिक सुगम बनाएगी।

राडा के वरिष्ठ पदाधिकारी कैलाश खेमानी, विवेक अग्रवाल एवं मुकेश सिंघानिया ने कहा कि यह ऑटो एक्सपो राज्य में आर्थिक गतिविधियों को गति देगा।

वहीं राडा के पूर्व अध्यक्ष अमर पारवानी, मनीष राज सिंघानिया, अनिल अग्रवाल, जयेश पिथालिया, शशांक शाह एवं विवेक गर्ग ने विश्वास जताया कि पिछले ऑटो एक्सपो में बने रिकॉर्ड—जहाँ 29,000 से अधिक वाहनों की बिक्री हुई थी और 800 करोड़ से अधिक का जीएसटी राजस्व प्राप्त हुआ था—इस बार निश्चित रूप से टूटेंगे। उन्होंने कहा कि 50% रोड टैक्स छूट ग्राहकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण साबित होगी।

9वां राडा ऑटो एक्सपो-2026 : मुख्य विशेषताएँ

आयोजन अवधि: 20 जनवरी से 5 फरवरी 2026

विशेष लाभ: छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा रोड टैक्स में 50% की छूट (केवल एक्सपो अवधि में)

प्रदर्शनी: देश–विदेश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों के नवीनतम वाहन एवं इलेक्ट्रिक वाहन

सुविधाएँ: एक ही छत के नीचे फाइनेंस, इंश्योरेंस एवं ऑन–द–स्पॉट बुकिंग की सुविधा

अंत में राडा परिवार ने रायपुर सहित पूरे छत्तीसगढ़वासियों से अपील की है कि वे इस भव्य ऑटोमोबाइल महाकुंभ में शामिल होकर सरकार द्वारा दी जा रही इस ऐतिहासिक छूट का अधिकतम लाभ उठाएं।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444